हिन्दी दैनिक
जोहार
प्रत्यूष नवबिहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • बुधवार • 02.04.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 248 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

बीजापुर से 13 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर /रायपुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सोमवार शाम अलग-अलग थाना क्षेत्र से एक लाख रुपये के इनामी सहित 13 सक्रिय माओवादी को सुरक्षा बल के जवानों ने गिरफ्तार किया है। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के टेकमेटला गांव के पास जंगल से सात नक्सलियों को जबकि बासागुड़ा थाना क्षेत्र से छह नक्सलियों को पकड़ने का दावा किया गया है ।बीजापुर के डीएसपी घनश्याम कामदे ने बताया कि गिरफ्तार किए गए नक्सली साल 2022 के आईईडी ब्लास्ट की घटना में शामिल थे। इस नक्सल वारदात में एक सीआरपीफ जवान घायल हो गया था। अन्य नक्सली पिछले साल अक्टूबर में यहां अलग-अलग स्थानों पर दो नागरिकों की हत्या में शामिल थे ।थाना उसूर क्षेत्रान्तर्गत पुलिस पार्टी पर आईईडी विस्फोट में शामिल सात माओवादी को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से विस्फोटक जब्त किया गया। इस कार्रवाई में थाना उसूर, कोबरा 201, 205, 206, 210 एवं सीआरपीएफ196 बटालियन की संयुक्त टीम शामिल रही।

अवैध पटाखा कारखाने में विस्फोट से एक ही परिवार के आठ की मौत

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथरप्रतिमा इलाके में सोमवार रात एक पटाखा कारखाने में हुए भीषण विस्फोट हो गया। जिसके कारण एक ही परिवार के आठ सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में चार बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें दो की उम्र एक साल से भी कम थी। घटना के बाद प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उस घर में लंबे समय से अवैध पटाखे बनाए जा रहे थे। सोमवार रात पाथरप्रतिमा के ढोलाहाट थाना क्षेत्र के दक्षिण रायपुर इलाके में जोरदार धमाकों के साथ आग लग गई। विस्फोट के कारण घर भीषण आग लग की चपेट में आ गया, जिससे परिवार के आठ सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में 65 वर्षीय अरविंद बनिक, 80 वर्षीय प्रभावती बनिक, 28 वर्षीय सांत?वना बनिक, नौ साल का अर्णब बनिक, आठ महीने की अस्मिता बनिक, छह साल की अनुष्का बनिक और छह महीने का अंकित बनिक शामिल हैं। वहीं, तुषार बनिक की पत्नी रूपा बनिक गंभीर रूप से झुलस गई थीं, लेकिन बाद में उनकी भी मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस घर में लंबे समय से पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। हालांकि, प्रशासन का कहना है कि परिवार के पास ग्रीन क्रैकर (पर्यावरण अनुकूल पटाखे) बनाने का लाइसेंस था।

रांची में सरहुल की धूम : शोभायात्रा में दिखा अद्भुत और उत्साह से भरा नजारा, मांदर व नगाड़ों की थाप पर झूमे लोग

अपनी परंपरा और सभ्यता-संस्कृति के लिए जरूर निकालें वक्त : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पर्व-त्योहारों से हमारी परंपरा, सभ्यता-संस्कृति और आस्था जुड़ी है। इससे जीवन में उमंग, उत्साह तथा उल्लास का संचार होता है। इसी कड़ी में हम सालों-साल से परंपरानुसार सरहुल पर्व मनाते आ रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने इस प्रकति पर्व की परंपराओं को अक्षुण्ण एवं मजबूती दी है। हमें विरासत में मिली इस परंपरा को और आगे ले जाना है।

मुख्यमंत्री सोरेन मंगलवार को आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर करमटोली में आयोजित सरहुल पूजा महोत्सव के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां पारंपरिक विधि विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास, सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने परिसर में पौधरोपण (सखुआ का पौधा लगाकर) कर प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य वासियों को सरहुल महापर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में हर वर्ष धूमधाम से सरहुल का त्योहार मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुझे यहां आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहां आकर आप सभी के साथ खुशियों को बांटने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यहां हम प्रकृति को संरक्षित रखने और अपनी परंपराओं को लेकर आगे बढ़ने का एक संकल्प लेते हैं। हमारा संकल्प पूरा हो, इस दिशा में हमें सदैव प्रयास करते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी जिंदगी काफी व्यस्त हो चुकी है। लोगों के पास वक़्त कम है, फिर भी विरासत में मिली अपनी परंपरा एवं सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वक़्त जरूर निकालें। यह हमारी आने वाली पीढ़ी की बेहतरी के लिए जरूरी है। इससे आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं और पर्व-त्योहारों का जश्न मिलकर मनाने की अलग ही खुशी मिलती है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर व्यवस्था देने के लिए सभी छात्रावासों का जीर्णोद्धार हो रहा है। इस कड़ी में आदिवासी कॉलेज छात्रावास करमटोली और महिला कॉलेज छात्रावास में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाई जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें, बाकी सारी व्यवस्था सरकार करेगी। आप सही दिशा में आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ खड़ी है। इस अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की एवं विधायक कल्पना सोरेन ने भी पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास तथा खुशहाली की कामना की।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सरहुल की दी शुभकामनाएं

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रकृति पर्व सरहुल की समस्त झारखंड वासियों को शुभकामनाएं और बधाई दी है। राज्यपाल ने प्रकृति पर्व सरहुल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति उपासना का यह पर्व हमें पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन का संदेश देता है। आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लें। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रकृति महापर्व सरहुल के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार ।उन्होंने कहा कि प्रकृति का यह महापर्व सभी को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध रखे, यही कामना करता हूं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति का प्रतीक, प्रकृति पर्व सरहुल की आप सबको हार्दिक शुभकामनाएं। मरांग बुरू से प्रार्थना है कि फूलों की महक, नई फसलों के उमंग का यह पावन पर्व सबके जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि लाए।

सिरमटोली फ्लाईओवर विवाद : प्रदर्शन करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक

रांची : सिरमटोली फ्लाईओवर विवाद मामले में बड़ी जानकारी सामने आई है। सिरमटोली में हंगामा करने और पुलिस से झड़प करने वाले लोगों के खिलाफ आगे की पुलिस कार्रवाई फिलहाल रोक दी गई है। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में रांची पुलिस को निर्देश जारी किया है। झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी किए गए पत्र में यह लिखा गया है कि 30 मार्च को सिरमटोली फ्लाईओवर के रैंप को हटाने के लिए कुछ लोगों ने जुलूस निकालकर उग्र प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने के साथ-साथ प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की एवं छीना झपटी की थी। मामले के संबंध में चुटिया थाना कांड संख्या 77/2025 दिनांक 30.3.2025 दर्ज किया गया था। एफआईआर दर्ज करने की सूचना प्राप्त होने पर सरकार ने महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक झारखंड को यह निर्देश दिया गया कि चूंकि यह घटना सरहुल पर्व की भावना से जुड़ी हुई है अत: इस प्राथमिकी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध किसी भी कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। इसके बाद महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक ने वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को निर्देश दिया कि इस कांड में कोई अग्रतर कार्रवाई नहीं की जाए। इधर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इसको लेकर एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा और इसे नौटंकीबाज करार दिया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि फ्लाईओवर रैंप निर्माण का विरोध कर रहे आदिवासियों पर मुकदमा, फिर कार्रवाई नहीं करने का निर्देश बढ़िया नौटंकी है ।उन्होंने कहा कि पहले तो सरहुल पर्व मनाने वालों को डराने के लिये उनपर एफआईआर करो। फिर सहानुभूति बटोरने के लिये इस एफआईआर पर कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश देकर विज्ञप्ति जारी कर दो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को अगर सही में सरहुल पर्व की भावना का एहसास है तो सबसे पहले उन पुलिस वालों को निलंबित कर कठोर कार्रवाई करिये जिन्होंने ये एफआईआर किया है। अगर यह एफआईआर उनके आदेश से नहीं दर्ज हुआ है।

नहाय-खाय के साथ चैती छठ शुरू, खरना आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नहाय खाय के साथ चैती छठ का शुभारंभ हो गया है। छठव्रतियों ने नदी-तालाब में स्नान करने के बाद कद्दू भात खाया। आज खरना पूजा के साथ 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जायेगा। 4 को उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य के साथ चैती छठ का समापन हो जायेगा।

चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान चैत्र शुक्ल चतुर्थी तिथि मंगलवार को नहाय-खाय के साथ आरंभ हो गया। छठ व्रतियों ने स्नान कर घरों में गंगाजल लाकर पूजन करने के बाद अरवा चावल, सेंधा नमक, चने की दाल, लौकी की सब्जी, आंवला की चटनी आदि ग्रहण कर 4 दिवसीय अनुष्ठान का संकल्प लिया।

मंगलवार को आयुष्मान योग में नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व का शुभारंभ हुआ। बुधवार को व्रती पूरे दिन निराहार रहकर शाम में खरना पूजा करेंगे। गुड़ से बनी खीर का प्रसाद ग्रहण करेंगे और इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जायेगा।

गुरुवार को व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगी। शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पारण करके 4 दिवसीय महापर्व का निस्तार किया जायेगा। मान्यता के अनुसार, खरना का प्रसाद ग्रहण करने से काया निरोग रहती है। बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है।

साहिबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर, दो की मौत, चार घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड के साहिबगंज में मंगलवार तड़के एनटीपीसी की ओर से संचालित दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में दो लोको पायलट की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार घटना तड़के साढ़े तीन बजे के आसपास की है। फरक्का-ललमटिया एमजीआर रेलवे लाइन पर बरहेट यार्ड के पास पहले से खड़ी मालगाड़ी से कोयला लदी दूसरी मालगाड़ी टकरा गई। इस घटना में फरक्का से आकर बरहेट यार्ड में खड़ी मालगाड़ी के लोको पायलट बोकारो निवासी अंबुज महतो (32) और पश्चिम बंगाल के रिटायर लोको पायलट जीएस मॉल (62) की मौत हो गई। वहीं चार कर्मी जितेंद्र कुमार (32), उदय मंडल (45), राम घोष (55) और टीके नाथ (48) घायल हो गए। घायलों को बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज रेफर कर दिया गया है। मामले को लेकर एनटीपीसी के एजीएम शांतनु दास ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में जांच प्रारंभ कर दी गई है। जो भी दोषी होगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में साहिबगंज एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि घटना में दो लोगों की मौत हुई है। चार लोग घायल हैं।

गुजरात के डीसा पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 18 की मौत, 6 घायल, 4 लाख रुपये की मदद की घोषणा

एजेंसी

डीसा : गुजरात के डीसा की पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मृतकों की संख्या 17 हो गई है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने मृतकों के प्रति संवेदना जताते हुए परिजनों के लिए 4 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की है। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। घटना के बाद गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी डीसा पहुंच गए और हॉस्पिटल में जाकर घायलों की स्थिति की जानकारी। दूसरी ओर मामले में विपक्ष ने सरकार पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए तीव्र नाराजगी जतायी है।

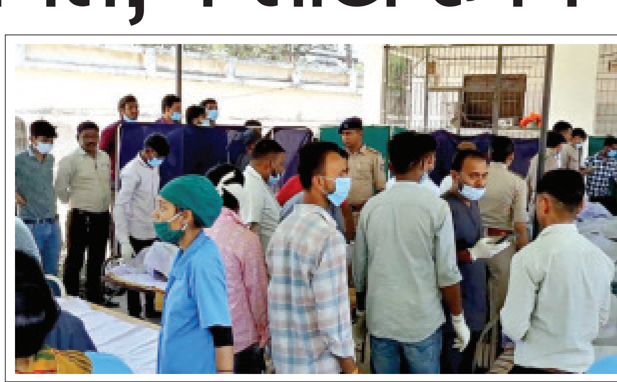

- दो आरोपियों को पकड़ा गया : स्वास्थ्य मंत्री
- विस अध्यक्ष पहुंचे डीसा विपक्ष ने सरकार को घेरा
- सभी मृतक मध्य प्रदेश के बताए गए हैं, दो दिन पहले ही रोजगार के लिए डीसा आए थे।

बनासकांठा जिले के डीसा के समीप ढुंवा रोड स्थित जीआईडीसी के पटाखा गोदाम में मंगलवार सुबह भीषण ब्लास्ट में मृतकों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। मृतकों में 4 से 5 किशोरों के शामिल होने की जानकारी मिली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अभी तक 17 श्रमिकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। 6 घायल श्रमिकों का इलाज किया जा रहा है। सभी मृतक मध्य प्रदेश के बताए गए हैं, जो दो दिन पहले ही रोजगार के लिए डीसा आए थे। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री व सरकारी प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने बताया कि घटना के 2 आरोपियों को पकड़ा गया है। दूसरी ओर मृतक के परिजन फैक्ट्री मालिक को हाजिर करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक फैक्ट्री मालिक हाजिर नहीं किया जाता, हम शव नहीं स्वीकार करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने हादसा को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि हॉस्पिटल में भर्ती सभी घायलों का बेहतर इजाज कराया जाएगा।

वक्फ बिल पर आज आर-पार : आठ घंटे की 'अग्निपरीक्षा' का गेम प्लान तैयार

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में बुधवार को पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार घमासान देखने को मिलेगा। सरकार चर्चा और पास कराने के लिए वक्फ संशोधन विधेयक सदन में ला रही है। इसके लिए दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे तक का समय तय किया गया है। दोनों ही पक्ष इसको लेकर अभी से रणनीति बनाने में जुट गए हैं। बीजेपी और कांग्रेस सहित कई पार्टियों ने लोकसभा के अपने सांसदों को व्हिप भी जारी किया है और सदन में मौजूद रहने को कहा है। विपक्षी दलों ने इसको लेकर एक बड़ी बैठक की है, जिसमें ये रणनीति बनाई गई है कि वक्फ बिल को लेकर सरकार का किस तरह मुकाबला किया जाए।

चर्चा के दौरान लोकसभा में जबरदस्त हंगामा होने के आसार हैं। क्योंकि विपक्षी दल इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं और इसे असंवैधानिक एवं मुस्लिम समुदाय के हितों के खिलाफ बता रहे हैं। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर विपक्षी दल शुरू से ही असहमति जता रहे हैं। उनका कहना है कि यह विधेयक अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों पर प्रभाव डाल सकता है। वहीं, सरकार का दावा है कि यह संशोधन वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता लाने और दुरुपयोग रोकने के लिए जरूरी है।

एक नजर

ग्रामीण कलाकार का घास से बना गेट आकर्षण का बना केंद्र

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के रसिकनगर पंचायत के नामोपाडा हरिनाम संकीर्तन में कृषक मदन गोराई द्वारा घास से प्रवेश द्वार पर बनाया गया भव्य गेट आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मदन गोराई एव उनकी पत्नी बुधन गोराई पीछले एक महीने से कड़ी मेहनत कर घर पर घास उगाकर आकर्षणीय गेट का निर्माण किया। घास से निर्मित गेट सभी श्रद्धालु, ग्रामीण, आगंतुक, कीर्तनिया के सामने चर्चा का विषय बना हुआ है। सभी ने मदन गोराई को उनके कलाकृति तथा कठोर मेहनत की सराहना करते हुए तहे दिल से धन्यवाद दे रहे हैं। वास्तव में मदन गोराई एक कलाकार परिवार से आते है। उनके बड़े भाई गुरुचरण गोराई छोटे भाई विद्याधर गोराई एवं बेटा दीपक गोराई चित्रकारी तथा कलाकृति में अलग पहचान रखते हैं। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभावान कलाकारों की कमी नहीं है। कमी है तो सिर्फ उनको सही पायदान मिलने की। जिससे उनकी कला क्षेत्र के साथ साथ बाहर भी प्रचलित हो सके।

पटमदा के अमन पांडेय का भारतीय नौ सेना में चयन

पटमदा : पटमदा बाजार निवासी युवा छात्र अमन पांडेय का भारतीय नौ सेना में चयन होने से पूरे परिवार के साथ-साथ क्षेत्र में खुशी का माहौल है। पटमदा थाना के बगल में रहने वाले अमन के पिता छोटन पांडेय टाटा स्टील में ठेका मजदूर हैं और माता कंचन पांडेय गृहिणी हैं। दो भाइयों में छोटा अमन वर्तमान में पटमदा डिग्री कॉलेज जाल्ला से स्नातक की पढ़ाई कर रहा था एवं पिछले करीब 2 सालों से वह सेना की बहाली के लिए तैयारी कर रहा था। अमन बताते हैं कि उसकी सफलता के पीछे माता-पिता के अलावा उसके दोस्तों भवेश दे, सुजय दत्त एवं बड़े भाई सन्नी पांडेय को भी श्रेय जाता है। वे अपने कई दोस्तों के साथ मिलकर प्रतिदिन अहले सुबह ही घर से निकलकर पटमदा एसएस प्लस टू हाई स्कूल मैदान में अभ्यास करने जाते थे। इससे पूर्व पटमदा बाजार के ही रहने वाले एक युवा बिट्टू दास का अग्निवीर में चयन हुआ है और वह दानापुर में प्रशिक्षण ले रहा है। अमन का एसएसआर इंडियन नेवी टेक्नीशियन के रूप में भारतीय नौ सेना के प्रथम श्रेणी में ही चयन हुआ है। उसके बड़े भाई सन्नी पांडेय इंजीनियर हैं जो दूसरे राज्य में नौकरी कर रहे हैं।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा : मुन्ना सिंह

हजारीबाग : झारखंड में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाए जाने वाले सरहुल पर्व के अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने हजारीबाग के नया बस स्टैंड स्थित सरहुल मैदान में पूजा-अर्चना कर पर्व की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय समाज के लोगों से मुलाकात कर उन्हें सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दीं और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मुन्ना सिंह ने कहा कि सरहुल पर्व झारखंड और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में आदिवासी समाज द्वारा मनाया जाने वाला प्रमुख प्राकृतिक उत्सव है, जो वनों, जल स्रोतों और भूमि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। यह पर्व पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और परंपराओं के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने बढ़ते पर्यावरणीय संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हर व्यक्ति को आगे आना होगा।

हजारीबाग में सरहुल की धूम, जुलूस में 1932 खतियान लागू करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग समेत पूरे झारखंड में प्रकृति पर्व सरहुल की धूम है। पर्व पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश देता है। नदी से केकड़ा पकड़ने के बाद बाद आदिवासी समाज शोभायात्रा निकाले। हजारीबाग में सैकड़ो की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने शोभायात्रा में हिस्सा लिया और जमकर मांदर के थाप पर झूमते नजर आए। हजारीबाग में सरहुल पर्व की धूम सुबह से देखने को मिल रही है। आदिवासी समाज परंपरागत वेशभूषा के साथ शोभा यात्रा में हिस्सा लिए। शोभायात्रा में शामिल लोग पारंपरिक तरीकों से ढोल नगाड़े और मांडर की थाप पर नाचते दिखे। आदिवासी समाज के लोकगीत भी शोभायात्रा के दौरान सुनने को मिला। इस दौरान 1932 खतियान लागू करने का मांग भी जुलूस के दौरान देखने को मिला।

आदिवासी समाज ने सांकेतिक रूप से सरकार 1932 खतियान लागू करने का मांग कि है। चैत्र महीने के तीसरे दिन साल वृक्ष की पूजा की जाती है। यह नए साल की शुरूआत का प्रतीक है। जिसमें जल जंगल और प्रकृति के अन्य तत्वों की पूजा की जाती है। करमा के साथ-साथ सरहुल भी आदिवासी समुदाय का सबसे बड़ा पर्व है। प्रकृति पर्व सरहुल पर पाहन ये बताते हैं कि इस बार कैसी बारिश होगी। शोभा यात्रा के दौरान भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

हजारीबाग रामनवमी संरक्षण समिति ने किया सरहुल जुलूस का स्वागत

हजारीबाग : सरहुल पर्व के शुभ अवसर पर रामनवमी संरक्षण समिति ने शहर के झंडा चौक स्थित स्टॉल लगाकर सरहुल झांकी में उपस्थित लोगों के बीच पुष्प वर्षा के साथ साथ पानी बिस्किट का वितरण किया । कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षण समिति के कार्यकारी अध्यक्ष निशांत कुमार प्रधान एवं संरक्षक समेत अन्य पदाधिकारियों ने सभी को सरहुल पर्व की बधाई दी और कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति को समर्पित है। इस त्यौहार में विशेषकर प्रकृति की पूजा की जाती है। आदिवासी समाज हमेशा प्रकृति से जुड़ा होता है । हमलोग सभी को प्रकृति से जुड़ कर उसकी रक्षा के लिए हर संभव प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर जुलूस मार्ग में गुजरने वाले सभी झांकियो का स्वागत किया गया और उपस्थित सभी लोगों के बीच शरबत पानी की भी व्यवस्था की गई। आदिवासी समाज से जुड़े प्रबुद्धजनों ने भी इस सामाजिक कार्य की बढ़ चढ़ कर सराहना की।

क्षेत्र का विकास हमारी पहली प्राथमिकता : मनोज यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के रसोइया धमना पंचायत अंतर्गत लश्करी में 200 केवीए के नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन विधायक मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप रजक ने विधायक मनोज कुमार यादव व जीप सदस्या प्रीति कुमारी का बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक मनोज यादव ने कहा कि उनका प्रयास है कि गांव-गांव तक बिजली की सुविधा पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह ट्रांसफार्मर स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही बिजली संबंधी समस्या का समाधान करेगा और अब ग्रामीणों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी। जीप सदस्या प्रीति कुमारी ने कहा कि माननीय बरही विधायक का प्रयास होता है कि क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधा का मिलें। सरकारी योजना को धरातल पर उतारने के लिए विधायक शतत प्रयत्नशील रहते है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिप सदस्या प्रीति कुमारी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, चौपारण मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक, मुखिया गोविंद साहू, उप मुखिया बीरेंद्र कुमार, प्रदीप रजक, नंदकिशोर गुप्ता, सतेंद्र रजक, प्रकाश प्रजापति समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादक कंपनी को उपायुक्त ने सौंपा ₹6,59,000 का चेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय द्वारा कृषि उत्पादक कंपनी के निदेशकों को छह लाख उनसठ हजार मात्र (6,59,000) का चेक प्रदान किया गया। जीटी भारत की टीम को उपायुक्त द्वारा निर्देश दिया गया कि वह बाकी कृषि उत्पादक कंपनी को भी यह अनुदान दिलाने के लिए समर्थन दें उन्होंने जीटी भारत के प्रयासों की सराहना की। जीटी भारत की तरफ से संजीव कुमार, रकम प्रशांत एवं दीपक चिकने उपस्थित रहे। एफपीसी से बिनेश कुमार दांगी, अश्विनी कुमार, जयहिंद कुमार और श्याम नंदन किशोर उपस्थित रहे। कृषि उत्पादक कंपनी या उत्पादक संघ किसानों का एक समूह होता है जो किसानों को बाजार, टेक्नोलॉजी और पूंजी तक बेहतर पहुंच प्राप्त करने में मदद करती है। इस प्रकार का उद्यम मूल रूप से एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और एक सहकारी समूह का मिश्रण

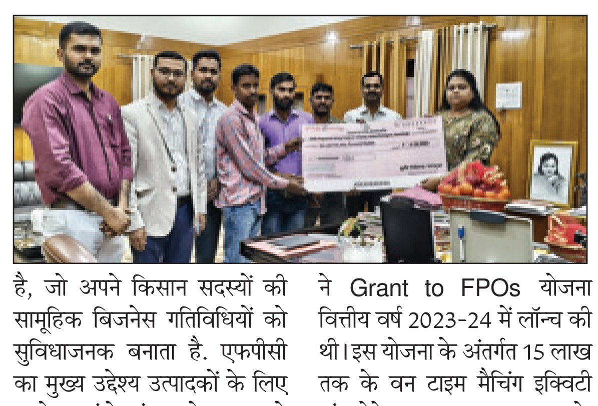

है, जो अपने किसान सदस्यों की सामूहिक बिजनेस गतिविधियों को सुविधाजनक बनाता है. एफपीसी का मुख्य उद्देश्य उत्पादकों के लिए उनके स्वयं के संगठन के माध्यम से बेहतर आय सुनिश्चित करना है। पूरे देश में कृषि उत्पादक कंपनियों का गठन किसानों को सशक्त बनाने के लिए किया जा रहा है। देश में लगभग 42000 कृषि उत्पादक कंपनी का गठन मार्च 2024 तक किया जा चुका है। हजारीबाग जिले में भी लगभग 40 से अधिक ऐसी कंपनियां रजिस्टर्ड है । इन सभी कंपनियों को आगे बढ़ाने तथा वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए झारखंड सरकार ने Grant to FPOs योजना वित्तीय वर्ष 2023-24 में लॉन्च की थी। इस योजना के अंतर्गत 15 लाख तक के वन टाइम मैचिंग इक्विटी ग्रांट देने का प्रावधान तथा उसके पश्चात आने वाले 4 वर्षों तक उनके वित्तीय रिपोर्ट और लाभ के आधार पर 10 लाख तक के वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। इस योजना के अंतर्गत जिले में अभी तक 18 कंपनियों ने पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया है, जिसमें से 9 कृषि उत्पादक कंपनियों को डिस्ट्रिक्ट लेवल मॉनिटरिंग कमेटी के द्वारा स्वीकृति प्रदान कर राज्य भेजा गया।

चयकला मिनी पाकिस्तान नहीं बल्कि झारखंड का हिंदुस्तान है : बिरेंद्र राणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के चयकला गांव में मुस्लिम समुदाय द्वारा भव्य ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झामुमो नेता वीरेंद्र राणा एवं चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान आपसी भाईचारे और सौहार्द्र का संदेश दिया गया। जिससे समाज में एकता और मेल-जोल को बढ़ावा मिला। इस समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि हेलाल अख्तर सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। वक्ताओं ने ईद के महत्व और आपसी प्रेम व भाईचारे को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। झामुमो नेता बिरेंद्र राणा ने

कहा भारत में कि हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई नहीं बल्कि सब भाई-भाई है, और चयकला के लोगो का अगर सहयोग रहा है तो चौपारण थाना में किसी प्रकार का आवेदन नहीं बल्कि सिर्फ निमंत्रण कार्ड जायेगा। चयकला को कुछ लोग मिनी पाकिस्तान कहते है पर मैं यह कहूंगा यह मिनी पाकिस्तान नहीं बल्कि झारखंड का हिंदुस्तान है। हर समुदाय के साथ बिरेंद्र राणा खड़ा है आने वाली रामनवमी को शांतिपूर्ण तारीख और भाईचारगी तरीके से मनाए। चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने कहा कि ईद खुशियों का त्यौहार है इसमें गले मिलकर आपसी रंजीसे दूर करने की त्यौहार है। 30 दिनों के रोजे रखने के बाद रोजेदार ईद मनाते है। जिससे हर एक घरों में खुशियां आती है। ईद के चांद देखने के बाद और ईद ने नमाज पढ़ने तक जो रोशनी होती है। उस रोशनी का एक अलग हो खुशबू होती है।

झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग में झामुमो का स्थापना दिवस 4 अप्रैल को जिला स्कूल ग्राउंड में मनाया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर जिला कमिटी से लेकर प्रखंड कमेटी तक जुटी हुई है। जिला अध्यक्ष बनने के बाद संजीव बेदिया ने पहली बार तैयारी को लेकर सर्किट हाउस में कार्यकताओं संग बैठक की और मीडिया से मुखातिब हुए। जिलाध्यक्ष संजीव बेदिया ने बताया कि 4 अप्रैल को झामुमो का स्थापना दिवस कार्यक्रम जिला स्कूल ग्राउंड में होगा। इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। कार्यक्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री सह झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन मुख्य रूप से शामिल होंगे। इनके अलावा मंत्री योगेन्द्र महतो, शुदिव्य कुमार सोनू, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी शामिल होंगे। साथ ही कई अन्य मंत्री और विधायक भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। आगे कहा कि कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए झामुमो का हर एक कार्यकर्ता जुट गया है। 15 से 20 हजार लोगों की भीड़ होगी। सभी प्रखंड के प्रखंड कमेटी को जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। वहीं झामुमो के वरिष्ठ नेता डॉ कमल नयन सिंह ने कहा कि इस बार झामुमो का स्थापना दिवस ऐतिहासिक होगा। कार्यक्रम में हजारों लोग अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री को सुनने उमड़ेंगे। साथ ही कहा कि झामुमो सदा से झारखंड की आम आवाम की पार्टी रही है, इसलिए भी लोग बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने आएंगे।

प्रकृति के प्रति हमारी गहरी आस्था का प्रतीक है सरहुल पर्व : मनोज यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : रानीचुआं पंचायत के कुटमा फुटबॉल मैदान में सरहुल पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आदिवासी समुदाय में जबरदस्त उत्साह देखा गया। सरना स्थल पर विधि-विधान से पूजा की गई और प्रकृति के देवताओं तथा पूर्वजों से अच्छी फसल और पर्याप्त बारिश की प्रार्थना की गई। इस आयोजन में बरही विधायक मनोज कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने भी प्रकृति की पूजा-अर्चना कर सभी आदिवासी भाइयों और बहनों को

सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दीं। विधायक मनोज कुमार यादव ने इस दौरान पारंपरिक वाद्य यंत्र मांडर बजाया और समुदाय के साथ पारंपरिक नृत्य में झूमकर उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरहुल प्रकृति के प्रति हमारी गहरी आस्था और प्रेम का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की याद दिलाता है। प्रकृति हमारी जीवनदायिनी है, और हमें इसे संरक्षित रखने की जिम्मेदारी उठानी होगी। इस समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें जीप उपाध्यक्ष किसुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी, पूर्व जीप प्रतिनिधि मो. कयूम अंसारी, समाजसेवी मुन्ना यादव, उपमुखिया किरण देवी, ब्रहमदेव यादव, राजकुमार यादव और मिथलेश यादव शामिल थे। मंच संचालन हीरालाल हँसदा और मोहन हँसदा ने संयुक्त रूप से किया।सरहुल महोत्सव को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष मोहन हँसदा, उपाध्यक्ष रामेश हँसदा, सचिव सूरज हेंब्रम, उप सचिव बाबुलाल मुर्मू, कोषाध्यक्ष सोनाराम हँसदा और समिति सदस्य संतोष हँसदा, राजेश हेंब्रम, अजय मुर्मू, छोटेलाल मुर्मू, सुरेश हँसदा सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में उमड़े जनसैलाब और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुए इस महोत्सव ने आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक एकता और परंपराओं के प्रति उनके समर्पण को उजागर किया।

संक्षिप्त खबरें

युवा नेता ने 30 किसानों के बीच किया बीज का वितरण

चौपारण : प्रखंड के अनुसूचित जाति के किसानों के बीच भारतीय अनुसंधान संस्था गौरियाकरमा, बरही द्वारा प्रदत सब्जी बीज का वितरण सीएससी चौपारण एफपीओ के निर्देशक दीपक कुमार सीईओ कैलाश साव, विलेज कोडिनेटर पिंटू कुमार के सौजन्य से युवा नेता संतोष रजक ने किया। चौपारण प्रखण्ड के बच्छई पंचायत के डुमरी, ओबरा, मालिकाना, बच्छई, सेवई, बहेरा, महुदी, मानगढ़, हजारीधमना, रतनपुर, सोनपुरा, बसरिया, हथिया, बेलाही, चौपारण, तिलैया, केसथ, केंदुवा, बेला सहित अन्य गांव के लगभग 400 किसानों को मकई और सब्जी का बीज दिया गया। जिसमें किसान राजेन्द्र रजक, पंकज रविदास, नितेश कुमार, रविन्द्र रजक, लक्ष्मी कुमारी, छाया कुमारी, अमित कुमार, सिकंदर रजक, गौतम कुमार, महेश रजक, आशा कुमारी, आयुष कुमार, राजन कुमार को निशुल्क बीज मिलने पर संस्था के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस प्रकार के बीज वितरण से किसानों को आर्थिक मदद मिलेगा। संतोष ने किसानों से कहा कि उत्तम किस्म का बीज आपको दिया गया है। वही सीएससी चौपारण एफपीओ के निर्देशक दीपक कुमार सीईओ कैलाश साव, विलेज कोडिनेटर पिंटू कुमार ने किसानों को फसल उपज और देख रेख की सारी विधियां बतलाया। किसानों के बीच डुमरी के समाजसेवी संतोष रजक के माध्यम से अनुसूचित जाति के बीच सब्जी का बीज, मक्का, कृषि यंत्र का वितरण किया गया।

योगासन प्रतियोगिता में एसबीयू को मिले मेडल

रांची : जेपी अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, राउरकेला द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रथम ओपन राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता (29-30 मार्च) में सरला बिरला विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों ने मेडल जीता है। महिला ट्रेडिशनल वर्क में रूपा कुमारी (एमएससी योगिक साइंस) और पुरुष वर्ग में पंकज कुमार महतो (बीएससी योगिक साइंस) ने कांस्य पदक हासिल किया। पंकज ने आर्टिस्टिक एकल प्रतियोगिता में भी रजत पदक जीता। इस योगासन प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के 5 से लेकर 75 वर्ष तक के प्रतिभागी मौजूद रहे। प्रतियोगिता के समापन समारोह में प्रमुख जज एवं गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर उपस्थित रही एसबीयू रांची की योग विज्ञान एवं नेचुरोपैथी विभाग की सह प्राध्यापिका श्रीमती अंजना कुमारी सिंह एवं विभाग के प्रयोगशाला सहायक पंकज केसरी को सम्मानित किया गया। एसबीयू के योग प्रतिभागियों के मेडल हासिल करने पर योग एवं नेचुरोपैथी विभाग की डीन डॉ नीलिमा पाठक, विभागाध्यक्ष डॉ अर्चना मौर्या समेत अन्यान्य शिक्षकगणों ने हर्ष व्यक्त किया है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विवि के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

चैनपुर में रामनवमी मंगलवारी शोभा यात्रा का हुआ आयोजन

चैनपुर : चैनपुर में रामनवमी पूजा केंद्रीय समिति द्वारा आयोजित शोभा यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्ति और उत्साह से भर दिया। यह शोभा यात्रा दुर्गा मंदिर परिसर से शुरू हुई और बस स्टैंड, अल्बर्ट एक्का चौक, सोहन चौक, विधायक पथ, पीपल चौक, थाना रोड, ब्लॉक चौक, चर्च रोड होते हुए वापस दुर्गा मंदिर परिसर पहुंची। इस शोभा यात्रा में चैनपुर, डुमरी, जारी और रायडीह प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों से लगभग 3000 श्रद्धालु पारंपरिक हथियार, महावीर झंडा और झांकी के साथ भाग लिए। पूरे मार्ग में जय श्री राम के जयकारे से पूरा इलाका गुंजायमान था। शोभा यात्रा के दौरान कई स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा शरबत और पानी का वितरण किया गया। चैनपुर थाना द्वारा भी थाना के पास शरबत, पानी और चना का वितरण किया गया। मस्जिद के पास सद्भावना और भाईचारे का परिचय देते हुए शकील खान की अगुवाई में मुस्लिम समुदाय द्वारा श्रद्धालुओं के बीच शीतल पेय का वितरण किया गया। शोभा यात्रा में सर्किल इंस्पेक्टर महेंद्र करमाली और थाना प्रभारी कुंदन चौधरी दलबल के साथ सुरक्षा के मद्देनजर बने रहे। शोभा यात्रा वापस मंदिर परिसर पहुंचने के उपरांत रामनवमी पूजा समिति द्वारा अतिथियों का मंच में स्वागत किया गया और उन्हें अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके उपरांत क्षेत्र के कई गांव से पहुंचे राम भक्तों द्वारा झांकी और अस्त्र-शस्त्र का परिचालन किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों के बीच प्राइज का वितरण समिति द्वारा किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर भव्य भंडारे की व्यवस्था की गई थी और अंत में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर मुख्य रूप से संरक्षक यमुना प्रसाद केसरी, रघुनंदन प्रसाद, त्रिभुवन प्रसाद, रामगुलाम सिंह, अध्यक्ष अशोक सिंह, मुखिया शोभा देवी, अनिल केसरी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सिल्ली में सरहुल पर्व पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत लुपंग में मंगलवार को सरहुल पर्व के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभिन्न गांव से आदिवासी समुदाय के लोग नाचते गाते जुलूस लेकर लुपंग पहुंचे जहां सभी ने साथ मिलकर कार्यक्रम को संपन्न कराया। आदिवासी समुदाय के लोगों ने बताया कि यह पर्व हर वर्ष चैत्र मास में मनाया जाता है, जब प्रकृति अपने नए रूप में खिल उठती है। सरहुल मुख्यत: आदिवासी समुदाय का त्यौहार है। यह त्यौहार आदिवासी समाज की समृद्धि, सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करता है। बताते चले कि सरहुल का अर्थ साल फूल की पूजा करना है। इस पर्व के दौरान साल के वृक्षों की विशेष पूजा की जाती है क्योंकि इन्हें प्रकृति का प्रतीक माना जाता है। इस उत्सव को धरती की पूजा और नवजीवन का उत्सव भी कहा जाता है। इस दिन गांव के सरना स्थल में पारंपरिक पूजा अर्चना का आयोजन भी होता है।सरहुल केवल एक पर्व नहीं है बल्कि यह प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन का प्रतीक है। यह उत्सव हमें यह समझाता है कि मानव जीवन का अस्तित्व प्रकृति के साथ गहराई से संबंधित है और इसे संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। इस मौके पर सिल्ली पुलिस, सारना समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि, मुखिया गण, समाजसेवी आदि लोग उपस्थित थे।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने सरहुल पर्व पर झारखंड में दो दिवसीय राजकीय अवकाश किया घोषित

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सरहुल पर्व पर झारखंड में दो दिवसीय राजकीय अवकाश घोषित किया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। हेमन्त सोरेन ने लिखा कि पिछले कई वर्षों से सरहुल के अवसर पर दो दिन के राजकीय अवकाश की मांग उठ रही थी। आदिवासी समाज के इस महा पावन पर्व के महत्व को देखते हुए इस वर्ष से दो दिन का राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की संस्कृति एवं परंपराओं की गौरवशाली धरोहर को हम सहेजते आये हैं और सदैव सहेजेंगे। जय सरना, जय झारखंड।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

रांची : केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। उस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दी। संजय सेठ ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्हें सरहुल पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी। नई दिल्ली में 3 अप्रैल को होने वाले सरहुल मिलन समारोह की जानकारी देकर उनका आशीर्वचन प्राप्त किया।

महुआ माजी को अस्पताल से मिली छुट्टी 33 दिनों से थी भर्ती

रांची : झामुमो की राज्यसभा सांसद महुआ माजी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। वह सोमवार को घर वापस लौटीं। ऑर्किड अस्पताल में 33 दिनों तक उनका इलाज चला। डॉक्टरों ने उन्हें अभी कुछ और दिन आराम करने की सलाह दी और नियमित परामर्श लेने को कहा। अस्पताल से छुट्टी देने से पहले उनके स्वास्थ्य की एक बार फिर जांच की गई। 26 फरवरी को सड़क दुर्घटना के दौरान उनके हाथ और पसली में चोट आई थी। बायीं कलाई फ्रैक्चर हो गई थी।

सौहार्द की मिसाल पेश करता है ईद मिलन : आरिफ

रांची : कडरू में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सभी धर्म के लोग शामिल होकर गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी। सभी लोगों ने बनारसी सेवाइयों का लुत्फ भी उठाया। समारोह का मुख्य मकसद आपसी समाज के सभी तबके समुदाय को जोड़ना। समाजसेवी मोहम्मद आरिफ खान ने कहा कि सौहार्द की मिसाल पेश करता है ईद मिलन समारोह। किस तरह का कार्यक्रम हमेशा होते रहना चाहिए।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

निविदा सूचना संख्या: ईएलएसबी-25-टीएफपी रिपेयर-02/टीएन, दिनांक : 27.03.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ डीईई, टीआरएस, बोकारो स्टील सिटी, दक्षिण पूर्व रेलवे निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा संख्या: ईएलएसबी-25-टीएफपी_रिपेयर-02 के तहत ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: कार्य का नाम: थ्री फेज लोकोमोटिव के लिए एलओटी-6500 और एलओटी-7500 टाइप ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत, रिकंडीशनिंग, पुनर्बहाली, जांच एवं आपूर्ति। अवधि: 24 महीना। अनुमानित मूल्य: ₹ 8,80,03,259.50 । बोली प्रतिभूति (ईएमडी): ₹ 5,90,000। निविदा प्रपत्र की कीमत: शून्य। निविदा दस्तावेज दिनांक 23.04.2025 को सुबह 11.00 बजे तक आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा। निविदादाता द्वारा निविदा अपलोड करने की अंतिम तारीख/समय: 23.04.2025 को सुबह 11.00 बजे तक। बंद होने की तारीख: 23.04.2025। निविदा खुलने की तारीख/समय: 23.04.2025 को सुबह 11.00 बजे (निविदा बंद होने के तुरंत बाद)। सभी वास्तविक, अनुभवी एवं इच्छुक निविदादाता इस कार्य के लिए आवेदन कर सकते हैं। (PR-01)

प्रकृति पर्व सरहुल पर रांची में निकली भव्य शोभायात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री महावीर मंडल,बड़ागांई रांची के तत्वाधान में मंगलवार को सरहुल पूजा शोभा यात्रा में शामिल धर्मावलंबियों पर बड़ागांई चौक में पुष्पवर्षा की गई। साथ ही समिति के पदाधिकारियों तथा मुख्य पहान को माला पहनाकर, चना और शरबत के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद झारखंड - बिहार के सहमंत्री डॉ बिरेन्द्र साहु ने सभी धर्मावलंबियों को स्वागत करते हुए कहा कि प्रकृति पर्व सरहुल पूजा में नवपल्लव और नवपुष्प से पूजन कर जीवन के कल्याण के लिए आराधना की जाती है। सरहुल पर्व सनातनियों के लिए नववर्ष का प्रतीक है। पर्यावरण की रक्षा के लिए यह पर्व अत्यंत ही प्रासंगिक है। वहीं स्वागत शिविर में श्री महावीर मंडल बड़ागांई के मंत्री बसंत कुमार साहू, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, सह मंत्री शेखर कुमार, प्रचार सहमंत्री मनीष साहू, रिशु साहू, प्रेम कुमार, रामवृक्ष साहू, प्रकाश साहू सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हेमन्त सरकार अबुआ सरकार नहीं अहंकारी सरकार है : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रदेश की हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सिरमटोली फ्लाईओवर रैंप निर्माण के खिलाफ झारखंड का आदिवासी समाज लंबे समय से चरणबद्ध आंदोलन कर रहा है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान निकालने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सरना स्थल हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा की पहचान है, जिसे संरक्षित रखना हर आदिवासी का कर्तव्य है। बावजूद इसके राज्य सरकार ने आदिवासियों की आवाज को अनसुना कर दिया, जिससे समाज में गहरा आक्रोश है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उम्मीद थी कि वे समाज की पीड़ा समझेंगे और आंदोलनकारियों से संवाद कर सरना स्थल की रक्षा सुनिश्चित करेंगे लेकिन सरकार की निष्क्रियता साबित करती है कि वह आदिवासियों की मांगों को पूरा करने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि सरहुल पर्व के अवसर पर आदिवासी समाज द्वारा मुख्यमंत्री का विरोध स्पष्ट संदेश देता है कि यह सरकार अबुआ सरकार नहीं, बल्कि अहंकारी सरकार बन चुकी है, जो अपने ही लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम कर रही है।

झारखंड में दो से बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के कई जिलों में दो अप्रैल से बारिश और ओलावृष्टि होने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम में आनेवाले बदलाव से राज्य के किसान और लोगों को भारी परेशानी होगी। उल्लेखनीय है पिछले दिनों हुई ओलावृष्टि से रांची और लोहरदगा समेत कई जिलों में रबी फसल तथा सब्जियों को भारी क्षति हुई थी। वहीं मौसम विभाग के जारी अलर्ट के अनुसार दो अप्रैल को राज्य के पश्चिमी जिले पलामू, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा में गर्जन और वज्रपात होने की आशंका है। साथ ही इससे सटे मध्य भागों में 40-50 किमी की गति से तेज हवा की चलने की आशंका है। तीन अप्रैल को राज्य के दक्षिणी जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां और इसे लगे मध्यवर्ती जिलों में बारिश, ओलावृष्टि और 50-60 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है।वहीं उत्तरी-पश्चिमी तथा उत्तरी मध्यवर्ती हिस्सों के कुछ हिस्सों में भी गर्जन और तेज हवाओं का झोंका 40-50 की गति से चलने की आशंका है। तीन अप्रैल को दक्षिणी-पूर्वी और इससे जुड़े मध्य भागों और उत्तर- पूर्वी भागों में कहीं- कहीं बारिश, ओलावृष्टि और 50-60 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इसके अलावा दक्षिणी-पश्चिमी, उत्तर-पूर्वी तथा उत्तर-मध्य भागों में कहीं- कहीं गर्जन और 40-50 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है।

रांची से नई दिल्ली के लिए चलेंगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : त्योहारों और स्कूलों में होने वाली गर्मी की छुट्टी को लेकर ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया गया है। इसके लिए ट्रेन संख्या 02817/02818 रांची-नई दिल्ली-रांची स्पेशल और ट्रेन संख्या 02819/02820 रांची-नई दिल्ली-रांची दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 02817 रांची-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन दो अप्रैल को रांची से खुलेगी। यह ट्रेन केवल एक ट्रिप करेगी। यह ट्रेन रांची से दोपहर दो बजे खुलेगी और यह डाल्टनगंज में शाम 5.25 बजे पहुंचेगी। इसके बाद यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन पर रात के 11:00 बजे, प्रयागराज में दूसरे दिन की अहले सुबह 03.50 बजे तथा नई दिल्ली में दोपहर 2.00 बजे पहुंचेगी। दूसरी स्पेशल ट्रेन 02818 नई दिल्लीझरांची, नई दिल्ली से तीन अप्रैल को खुलेगी। यह ट्रेन भी एक ट्रिप ही करेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से दोपहर 3.50 बजे खुलेगी, जो प्रयागराज में रात के 02.20 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन पर दूसरे दिन सुबह 06.45 बजे, डाल्टनगंज में सुबह 10.35 बजे तथा रांची में दोपहर 3:50 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02819 रांचीझनई दिल्ली स्पेशल चार अप्रैल से चलेगी, जो रांची से खुलेगी और एक ट्रिप करेगी। यह ट्रेन रांची से दोपहर 2.00 बजे खुलेगी और नई दिल्ली दूसरे दिन शाम 6.00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 02820 नई दिल्ली-रांची स्पेशल पांच अप्रैल को नई दिल्ली से खुलेगी। यह ट्रेन भी एक ट्रिप ही करेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली से शाम 5.30 बजे खुलेगी और दूसरे दिन रात 8.15 बजे रांची पहुंचेगी। इन चारों ट्रेनों में एसएलआर के दो, सामान्य श्रेणि के चार, द्वितीय श्रेणि स्लीपर के 14 कोच समेत कुल 20 कोच लगे होंगे।

महावीर मंडल ने सरहुल शोभायात्रा का किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : आदिवासियों के सबसे बड़े प्रकृति पर्व सरहुल पर मंगलवार को मेन रोड स्थित सर्जना चौक के पास केंद्रीय समिति श्री महावीर मंडल ने सरहुल शोभायात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर समिति की ओर से चना और पानी सहित सवामणी बुंदिया का भी वितरण शोभायात्रा में शामिल लोगों के बीच किया गया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन भी श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति के स्वागत मंच पर पहुंचे। जहां उनका कान पर सरई फूल खोंसकर और अबीर लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महावीर मंडल, केंद्रीय समिति के अध्यक्ष जय सिंह यादव, उपाध्यक्ष पवन गुप्ता, मंत्री सुभाष कुमार साहू, उप मंत्री संतोष गुप्ता, बलराम प्रसाद, उदय रवि दास, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, सुनील कुमार वर्मा, प्रेम सिंह, अशोक यादव, दीपक ओझा सहित अन्य मौजूद थे।

शराब दुकानों के संचालन और प्रबंधन के लिए चयनित दो एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट करने की मांग की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने शराब दुकानों के संचालन एवं प्रबन्धन के लिए चयनित दो एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट करने की मांग की है। बाबूलाल मरांडी ने पत्र में लिखा है कि झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) की ओर से वर्ष 2022 से राज्य में शराब दुकान संचालित की जा रही हैं, जिसमें सात प्लेसमेंट एजेंसियां राज्य के विभिन्न जिलों में शराब दुकानों के संचालन एवं प्रबंधन के लिए लगभग 4500 मानव बल प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा है कि जेएसबीसीएल की ओर से वर्ष 2022 में राज्य के अन्तर्गत दुकानों के संचालन एवं प्रबन्ध के लिए मानव बल की आपूर्त्ति के लिए निविदा निकालकर विभिन्न 7 एजेंसियों का चयन किया गया, लेकिन सबसे आश्चर्य की बात यह है कि दो प्लेसमेंट एजेंसियां मार्सन इनोवेटिव सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड और विजन हॉस्पिटालिटी सर्विस एंड कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड जिन्हें क्रमशः हजारीबाग एवं धनबाद जिला में मानव बल आपूर्त्ति के लिए चयन किया गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इन्होंने एग्रीमेंट करते समय फर्जी बैंक गारंटी जमा कर कायादेश प्राप्त कर लिया। विभागीय सचिव को इस फजीर्वाड़े के बारे में बताया गया। इसके बावजूद एजेंसियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मरांडी ने पत्र में कहा कि शिकायतकर्ता ने जो साक्ष्य उपलब्ध कराया है, उसमें पंजाब एवं सिंध बैंक, गीता कॉलोनी शाखा नई दिल्ली की ओर से जेएसबीसीएल को 31 जनवरी 2024 को पत्र लिखकर सूचित किया गया है कि विजन हॉस्पीटालिटी सर्विस एंड कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जमा बैंक गारंटी फर्जी है। इसी तरह बंधन बैंक कोलकाता की ओर से जेएसबीसीएल को 02 मार्च, 2024 को पत्र लिखकर सूचित किया गया कि मार्सन इनोवेटिव सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड, जिसे हजारीबाग जिला में मैन पावर का कार्य मिला है, इसका बैंक गारंटी फर्जी है। इसके बावजूद जेएसबीसीएल की ओर से न ही इसकी जांच कराई गई और न ही कोई कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की ओर लीपापोती कर एजेंसियों को काम करने दिया गया। इतने बड़े किए गए फजीर्वाड़े की जांच कराकर आरोपित एजेंसियों को काली सूची में डालना चाहिए था और और एफआईआर करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि इन दो एजेंसियों की ओर से दुकान में बिक्री का लगभग 25 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जेएसबीसीएल में जमा नहीं कराई गई। जेएसबीसीएल ने भी इसे स्वीकार किया है। इन सब आरोपों की पुष्टि के बावजूद इन दो एजेंसियों पर न ही एफआईआर की गई और न ही काली सूची में डाला गया। इसके लिए विभाग भी जिम्मेदार है। उन्होंने इन दोनों एजेंसियों पर लगे गंभीर आरोपों की जांच कराते हुए एफआईआर करने एवं इन्हें ब्लैक लिस्ट करने की मांग की। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित करने की कार्रवाई की भी मांग की।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी भावभीनी विदाई

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के मुख्यालय में आज एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मार्च 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले 85 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इनमें मुख्यालय में कार्यरत दो कर्मी ध्रुव नारायण दास एवं मोहम्मद शमीम भी शामिल रहे। समारोह में सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र एवं निदेशक (तकनीकी/संचालन) सी. एस. तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक शॉर्ट फिल्म रही, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यकाल की झलकियाँ, उनके अनुभव एवं योगदान को दर्शाया गया। इस फिल्म में सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपनी कार्ययात्रा साझा करते हुए सीसीएल परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया और कंपनी की निरंतर प्रगति की कामना की। निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्त कर्मी हमारे संगठन की आधारशिला रहे हैं। वर्षों के कठिन परिश्रम, समर्पण और निष्ठा से इन्होंने सीसीएल को ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आप सभी का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। आपकी कार्यकुशलता और अनुभव ने इस संगठन को मजबूत किया है। सेवानिवृत्ति केवल एक औपचारिकता है, लेकिन आप सभी सीसीएल परिवार का अभिन्न अंग बने रहेंगे। हम आपके सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हैं। निदेशक (तकनीकी/संचालन) सी. एस. तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं आज एक भावुक क्षण का साक्षी हूँ, क्योंकि हमारे बीच से वे साथी सेवानिवृत्त हो रहे हैं जिनके साथ हमने दशकों तक कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है। ध्रुव नारायण दास एवं मोहम्मद शमीम जैसे समर्पित कर्मियों का योगदान अमूल्य रहा है। आपकी मेहनत, प्रतिबद्धता और लगन ने कंपनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपकी नई यात्रा सुखद एवं समृद्ध हो। सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (कल्याण) रेखा पांडेय ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में कल्याण विभाग एवं अन्य विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पाहन ने इस वर्ष सामान्य से कम बारिश का लगाया अनुमान

रांची : राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में प्रकृति पर्व सरहुल का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस दौरान पाहन ने मंगलवार को सरना स्थल पर प्रकृति, पूर्वज और देवी देवताओं की पूजा की। सरना स्थल पर दो घड़े में रखे पानी का आकलन कर हातमा सरना समिति के पुरोहित (पाहन) जगलाल पाहन ने बताया कि इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। इससे पहले पुजारी जगलाल पाहन ने सरना स्थल पर विधि विधान के साथ देवी-देवताओं, प्रकृति और पूर्वजों की पूजा की। इस दौरान सफेद यानी चरका मुर्गे की बलि भगवान सिंगबोंगा को, रंगवा मुर्गे की बलि जल देवता यानी इकिर बोंगा को, रंगली मुर्गे की बलि पूर्वजों को और काले मुर्गे की बलि अनिष्ट करने वाली आत्माओं की शांति के लिए दी गई। पूजा के बाद घड़े में रखे पानी से पाहन को स्नान कराया गया। थाली में उनके पैर धोए गए। इसके बाद पाहन ने बारिश की भविष्यवाणी की। पुजारी जगलाल पाहन ने बताया कि मौसम को देखते हुए कृषि कार्य शुरू करें। मौसम की भविष्यवाणी की परंपरा आदिकाल से चलती आ रही है। जब साइंस डेवलप नहीं हुआ था, उस समय आदिवासियों के पूर्वज प्रकृति के तौर तरीकों का आंकलन कर अनुमान लगाते थे कि मानसून कैसा रहेगा। यह परंपरा सदियों से चलती आ रही है। पाहन ने बताया कि सरहुल पर्व में तीन दिन का आयोजन होता है, जिसमें पहले दिन जनजातीय समाज के लोग उपवास रखते हैं। सुबह खेत एवं जलाशयों में जाकर केकड़ा एवं मछली पकड़ते हैं। पूजा के बाद रसोई में उसे सुरक्षित रख देते हैं। ऐसी मान्यता है कि फसल बोने के समय केकड़ा को गोबर पानी से धोया जाता है। इसके बाद उसी गोबर पानी से फसलों के बीज को भीगा कर खेतों में डाला जाता है। पाहन ने बताया कि पूर्वजों की ऐसी मान्यता है कि केकड़ा के 8-10 पैरों की तरह फसल में भी ढेर सारी जड़े निकलेंगी और बालियां भी खूब होंगी। अच्छी फसल होगी। उन्होंने बताया कि पहले धरती पर पानी ही पानी था। केकड़े ने मिट्टी बनाई और धरती वर्तमान स्वरूप में आया। उन्होंने कहा कि कितना भी अकाल पड़ जाए, जहां केकड़ा होगा वहां संकेत है कि पानी जरूर होगा।

काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

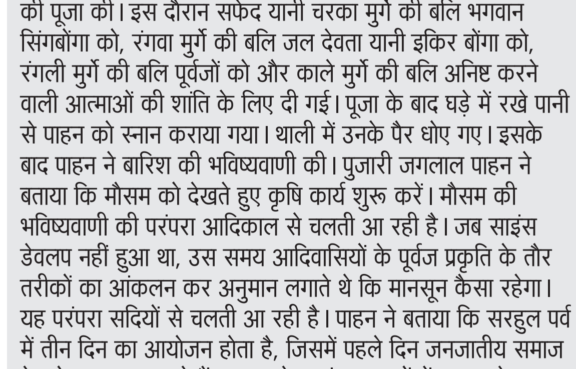

रांची : अखिल भारतीय साहित्य परिषद रांची ईकाई और श्री साहित्य कुंज के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 के स्वागत अभिनंदन लिए मोराबादी के आक्सीजन पार्क में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मां भारती की आराधना के साथ गोष्ठी शुरू की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार असित कुमार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रिटायर डीएसपी कामेश्वर कुमार और विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद पंकज पुष्कर रहे।अखिल भारतीय साहित्य परिषद रांची ईकाई की अध्यक्ष मनीषा सहाय सुमन ने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन सार्वजनिक स्थान पर करने का उद्देश्य है कि हम अपनी संस्कृति, संस्कार, सनातन प्रतिबद्धता के प्रति जागरूक रहें। पाश्चात्य संस्कृति ने हमें हर ओर से नैतिक पतन और बिखराव दिया है इसलिए हमारे समाज व राष्ट्र को सुदृढ़ और संगठित बनाने के लिये सनातन विचारों का प्रवाह व प्रतिबद्धता दोनों ही जरूरी है। इस काव्य गोष्ठी में पुष्पा सहाय, भावना अम्बष्ठा, ऋतुराज वर्षा, मधुमिता साहा, सिम्मी नाथ, निर्मला कर्ण, सुनीता अग्रवाल, पूनम वर्मा, चेतना वर्मा, रंजन बरनवाल, राज यादव, पंकज पुष्कर सहित अन्य ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

एक नजर

ग्रामीणों ने सैकड़ों ट्रैक्टरों को किया जब्त

बोकारो : नदी से अवैध बालू उठाव कर रहे सैकड़ो ट्रैक्टरों को ग्रामीणों ने खदेड़ा। नदी से अवैध बालू लोड कर रहे दर्जनों ट्रैक्टरों की चाबीयां को भी किया जब्त। पेटरवार के दामोदर नदी से पानी सप्लाई कर रहे इंटकवेल में पानी का स्रोत बंद होने से आसना पानी के ग्रामीण हुए आक्रोषत। बताते चले की बोकारो के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत पेटरवार थाना, तेनुघाट ओपी एवं कथारा ओपी थाना क्षेत्र के खेतको ,आसना पानी, चांपी दामोदर नदी घाट से लगातार हो रहे ट्रेक्टरों द्वारा अवैध बालू उठाव के कारण आसना पानी के ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर दामोदर नदी में अवैध बालू उठाव कर रहे सैकड़ो ट्रैक्टरों को खदेड दिया जिस दौरान दर्जनों ट्रैक्टरों का चाबी कथारा पंचायत के जलसहिया सहित ग्रामीणों ने जप्त कर लिया। ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिलने पर कथारा ओपी थाना के पुलिस बल मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक सभी ट्रैक्टर भाग खड़े हुए इस संबंध में कथारा पंचायत के जल सहिया गुलिस्तां कमल ने बताया कि कई महीनो से लगातार हो रहे अवैध बालू उठाव के कारण आसना पानी में बना इंटकवेल में पानी का स्रोत आना बंद हो गया जिसे विभिन्न पंचायतों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई जिससे ग्रामीण आक्रोशित होकर आज ग्रामीणों ने अवैध बालू उठाव कर रहे ट्रैक्टरों को खदेड दिया जिस दौरान दर्जनों ट्रैक्टरों का चाबी जप्त किया गया है ।

वित्तीय वर्ष में 2024-2025 बीएसएल का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

बोकारो : वित्तीय वर्ष 2024-2025 में बीएसएल ने प्रोडक्शन, डिस्पैच तथा टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स में कई नए कीर्तिमान बनाकर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ हॉट मेटल उत्पादन , एसएमएस-न्यू से क्रूड स्टील, टोटल क्रूड स्टील तथा सीआर सेलेबल के उत्पादन में कीर्तिमान बने हैं, साथ ही समग्र ऊर्जा खपत, कोक रेट, सीडीआई रेट तथा अन्य टेक्नो-इकोनॉमिक पैरामीटर्स एवं ग्रेन्यूलेटेड स्लैग के डिस्पैच में भी नए रिकॉर्ड बने। बोकारो स्टील प्लांट ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 में प्रमुख उत्पादों में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्ज की है। इस कड़ी में वित्तीय वर्ष 2024-2025 चार फर्नेस परिचालन से हॉट मेटल के उत्पादन में 5.0 प्रतिशत, टोटल क्रूड स्टील के उत्पादन में 4.7प्रतिशत तथा टोटल सी आर सेलेबल स्टील में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में दर्ज की है। बी एस एल के निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ बोकारो स्टील प्लांट के शीर्ष प्रबंधन ने बीएसएल की इस शानदार उपलब्धि पर मंगलवार को संयंत्र के विभिन्न विभागों का दौरा कर अधिकारियों, कर्मियों एवं संविदा कर्मियों समेत पूरे टीम बीएसएल को बधाई दी तथा नए वित्तीय वर्ष में अपने प्रदर्शन के स्तर को और आगे ले जाने, साथ ही सेफ़्टी और गुणवत्ता पर फोकस करने का आह्वान किया।

सरहुल की धूम, आजसू जिला अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं

बोकारो : जिला आजसू अध्यक्ष सचिन महतो सरहुल पर्व को लेकर सरना समिति, शिवपुरी में आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल हुए। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने कहा कि प्राकृतिक पर्व सरहुल प्राकृतिक के साथ आपसी प्रेम एवं भाईचारे का प्रतीक है या पर हम लोगों को यह सीख देता है कि आपस में कैसे एक दूसरे से मिलकर रहना चाहिए। सरहुल परब आदिवासी समुदाय का सबसे बड़ा पाव है इसमें लोग प्राकृतिक पेड़ पौधे की पूजा करते हैं और यह प्रार्थना करते हैं कि आने वाला साल लोगों के जीवन में खुशहाली एवं शांति लेकर आए। उन्होंने कहा कि कोई भी पर्व हो सभी को शांतिपूर्ण तरीके से एवं स्वादपूर्ण वातावरण में मनाना चाहिए।

प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है सरहुल पर्व : उपायुक्त

सरहुल पर्व की धूम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा मंगलवार को पुलिस लाइन में आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल हुई। इस अवसर पर पुलिस एसोसिएशन व सरना समिति ने उपायुक्त माधवी मिश्रा, सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द सिंह, डीएसपी प्रदीप मिंज व डीएसपी अर्चना खलको सहित अन्य अतिथियों का सरना रीति रिवाज से पगड़ी बांधकर स्वागत किया। इसके बाद सभी ने साल के फूलों, फलों और महुआ के फलों के साथ पूजा-अर्चना कर सरहुल पर्व की शुरूआत की। उपायुक्त ने जिले वासियों को सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दी तथा सभी के लिए सुख, शांति, समृद्धि व खुशहाली की कामना की। उपायुक्त ने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। साथ ही मनुष्य के जीवन को सरलता से जीने की प्रेरणा देता है। इसमें आदिवासी समाज द्वारा साल वृक्ष की पूजा की जाती है, क्योंकि यह आश्रय देता है, मौसम की मार से बचाता है। उन्होंने कहा इस पर्व के माध्यम से आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन को सुरक्षित व संरक्षित रखने का संकल्प भी लेते हैं।

झामुमो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने दी सरहुल महापर्व की शुभकामनाएं

बोकारो : सरहुल महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए बोकारो महानगर अध्यक्ष झामुमो मंटू यादव ने बताया कि यह पर्व प्रकृति के साथ जुड़ने और उसकी सुंदरता को समझने का अवसर प्रदान करता है। सरहुल पर्व में लोग पेड़ों की पूजा करते हैं और प्रकृति के साथ अपनी एकता को मजबूत बनाते हैं। बालीडीह सरना समिति शिवपुरी द्वारा सरना स्थल में सरहुल महापर्व का आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम है जो समुदाय को एक साथ लाने और प्रकृति के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने में मदद करेगा। सरहुल पर्व के दौरान, लोग सल ट्री की पूजा करते हैं और उसकी शाखाओं पर फूल चढ़ाते हैं। यह पर्व प्रकृति के साथ जुड़ने और उसकी सुंदरता को समझने का अवसर प्रदान करता है।

आदिवासी समुदाय का सबसे बड़ा पर्व सरहुल

बोकारो : प्रकृति पर्व सरहुल को लेकर झारखंड के आदिवासियों समुदाय में काफी उत्साह है। चार दिन से इस पर्व में उपवास, जल रखाई के साथ वर्षा की भविष्यवाणी समेत मछली और केकड़ा पकड़ने की रस्म निभाई गयी। इसके बाद दोपहर को सरहुल पूजा के बाद भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। आदिवासी समुदाय का सबसे बड़ा पर्व सरहुल में हर वर्ष भव्य शोभा यात्रा निकाली जाती है। इस वर्ष भी बोकारो में शोभा यात्रा निकाली गई। इससे पहले सरहुल पूजा की शुरूआत केकड़ा और मछली पकड़ने से की गई। बोकारो के सभी सरना स्थल पर पारंपरिक विधि विधान से पूजा पाठ किया जा रहा है। इस दौरान सभी युवाओं ने केकड़ा और मछली पकड़ा और जल रखाई की पूजा की गई। पौराणिक मान्यता के अनुसार महाप्रलय के समय धर्मेश और सरना मां ने दो लोगों को केकड़ा के बिल में छुपाया था। जिससे सृष्टि दोबारा शुरू हो सके, केकड़ा पकड़ने का विधि तभी से चली आ रहा है। बुधवार को सरहुल को लेकर कई अनुष्ठान हुए। बुधवार को वाहनों के द्वारा दो घड़ों में पानी रखकर जल रखाई पूजा हुई। इसके जरिये बारिश की भविष्यवाणी की जाती है। चार दिनों का होता है सरहुल पर्व सरहुल पर्व चार दिनों तक मनाया जाता है। सरहुल के पहले दिन नी मछली के अभिषेक किए हुए जल के को घर में छिड़का जाता है।

धनबाद की बेटी अंकिता बनर्जी ने एमएस इंडिया रनरअप का जीता खिताब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद की बेटी अंकिता बनर्जी ने नई दिल्ली में 29 मार्च को आयोजित इंडिया के सबसे बड़े कंपीटीशन मिस एंड मिस्ट्रेस इंडिया कॉन्टेस्ट 2025 के नेशनल लेवल में भीजी एमएस इंडिया रनरअप का खिताब जीत कर धनबाद समेत झारखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।इसी सफलता के संदर्भ में मंगलवार को धनबाद क्लब में प्रेस वार्ता कर अंकिता ने अपनी परफॉर्मेंस की शानदार सफलता के पीछे की गई मेहनत तथा सारे शुभचिंतकों एवं धनबाद वासियों के आशीर्वाद के बारे में विस्तृत रूप से बता कर सभी का आभार प्रकट कर हार्दिक धन्यवाद दिया। अंकिता ने कहा देश भर की प्रतिभाओं के बीच चार दिनों तक कड़ी मेहनत कर सेकंड रनर अप का खिताब जीत कर अपने आप को गौरांवित महसूस कर रही हूं। साथ ही इस प्रतिष्ठित खिताब को जीत कर अपने माता पिता और धनबाद का नाम पूरे देश में रोशन कर बहुत ही खुशी मिली है। भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में और कड़ी मेहनत कर बड़ी उपलब्धियां को प्राप्त करने का भरसक प्रयास करेगी। अंकिता बनर्जी के पिता प्रीतम बनर्जी ने कहा बचपन से ही अंकिता कला के क्षेत्र में बहुत प्रतिभाशाली रही है उसके लगन, हमारे प्रयास और प्रोत्साहन एवं आप सभी के आशीर्वाद से सफलता का यह मुकाम हासिल कर धनबाद की बेटी ने पूरे झारखंड का देश में नाम रोशन किया है। ये अंकिता की सफलता के साथ हमारे सारी बेटियों के सफलता का जश्न मनाने का मौका है ताकि अंकिता के साथ सारे धनबाद की बेटियों का मनोबल बढ़े। मेरी यही शुभकामनाएं हैं कि अंकिता और धनबाद की सभी बेटियां अपने मनपसंदीदा क्षेत्रों में आगे बढ़े और धनबाद का नाम पूरे देश और विदेश में रोशन करें।

कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन में बिना सुरक्षा के महिला मजदूर कर रही है काम

आखिर जिम्मेदार कौन?

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : पेट की आग बुझाने के लिए क्या नहीं करते है रूह कांपा देने वाली ताजा तस्वीर आज 36 डिग्री सेल्सियस गर्मी में काम करने वाली मजबूर महिला सीढ़ियों पर चढ़ने को मजबुर । कटरासवासियों और आस पास रहने वाले लोगों को लंबे समय से कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन के विकास का इंतजार था। अब उनका इंतजार खत्म हो रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन का भी जीर्णोद्वार हो रहा है। इसके लिए 26.9 करोड़ रुपये खर्च होंगे। लेकिन सबसे ताजूब की बात यह है कि बिना सुरक्षा के ध्यान में रखते हुए महिला सीढ़ी पर चढ़कर सिमट बालू के बने मसाले से भरे कड़ाही को पकड़ा रही है ,अगर जरा सा चुक हुई तो जिंदगी से हाथ धोना पड़ सकता है लेकिन इसका जिम्मेवार कौन होगा रेल का ठेकेदार या रेल का अधिकारी। झारखंड के 20 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना की सौगात मिली है। पीएम मोदी ने इस योजना का शिलान्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन किया. इसके तहत झारखंड के 20 रेलवे स्टेशन का जीर्णोद्धार किया गया है । आइए जानते हैं कि वे रेलवे स्टेशन कौन-कौन से हैं और अब कैसी सुविधाएं होंगी। अमृत योजना का पूरा नाम अटल मिशन ऑफ रेजूवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफोर्मेशन है। इस योजना को 25 जून, 2015 को 500 शहरों में शुरू किया गया था। 1 लाख से अधिक आबादी वाले सभी शहर इस मिशन के अंतर्गत आते हैं। शहरों में पाइप से जलापूर्ति, सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन इस मिशन का प्रमुख ध्येय है। महिला श्रमिकों के लिए कई कानून हैं, जिनमें न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948, कारखाना अधिनियम, 1948, और कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 प्रमुख हैं। महिला श्रमिकों के लिए कानूनः महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों के बराबर वेतन मिलना चाहिए। महिलाओं को निर्धारित वजन से ज्यादा उठाने के लिए नहीं कहा जा सकता।

बोकारो आरपीएफ ने ऑपरेशन अमानत के तहत तीन नाबालिग बच्चों का किया रस्क्यू, चाइल्ड हेल्प डेस्क को सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म संख्या तीन पर ट्रेन संख्या 18621 पाटलिपुत्र एक्सप्रेस जो पटना से चलकर हटिया तक को जाती है जब यह ट्रेन अपने निर्धारित समय से अपने गंतव्य स्टेशन बोकारो में पहुंची तो रात्रि पाली के समय ड्यूटी पर मौजूद एसआई मीना कुमारी, सीटी जी.एल. मीना, मेरी सहेली टीम नियमित चैकिंग के दौरान करीब रात के लगभग 2 बजे जब जनरल कोच की जांच कर रहे थे तभी अचानक तीन नाबालिक के बच्चों को संकट की स्थिति में ट्रेन के दरवाजे के पास अकेले पाया। पूछताछ करने पर तीनों नाबालिक बच्चों ने अपनी आप बीती सुना डाली जिसमें से दो बच्चे जिसकी उम्र लगभग 9 वर्ष नाम विनोद कुमार दूसरा 7 वर्ष नाम विराट कुमार दोनों अपना सगे भाई है जो की झारखंड के जिला दुमका गांव चकलता , पुलिस स्टेशन जामा सीकालतिया का रहने वाला है वही तीसरा अंश कुमार उम्र लगभग 11 वर्ष निवासी बैथनाथपुर, रामपुर, पुलिस स्टेशन रिखिया, जिला-देवघर का रहने वाला बताया। इसके अलावा उन तीनों ने बताया कि वह बिना अपने घर में सूचना दिए ही घर से भाग गए हैं। ना ही उनके पास किसी भी तरह का रेल में यात्रा करने का कोई अधिकृत टिकट भी मिला है। पूछताछ के बाद बोकारो आफ ने तीनों बच्चों को अपने कस्टडी में लेकर आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए चाइल्ड हेल्प डेस्क बोकारो को सौंप दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

नहाय खाय के साथ चार दिवसीय चैती छठ महापर्व शुरू

बोकारो : चैती छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान मंगलवार को नहाय खाय के साथ भक्तिमय वातावरण में शुरू हो गया। पहले दिन छठव्रती विभिन्न सूर्य सरोवर समेत गरगा नदी में जाकर स्नान कर पूजा के लए जल भरा। इसके बाद छठव्रति ने इंट के चूल्हे पर आम की लकड़ी से अरवा चावल का भात, कद्दु की सब्जी व चना दाल बनाया। फिर भगवान सूर्य को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में स्वयं ग्रहण किया। साथ ही यह प्रसाद अपने घर परिवार के सदस्यों के बीच वितरण किया। छठव्रति के घरों में छठ के गीत से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा है। दूसरे दिन 2 अप्रैल बुधवार को संध्या में खरना होगा। इस दिन छठव्रती दिन भर निर्जला उपवास रहकर सूर्यास्त के बाद स्नान-ध्यान कर दूध-चावल का खीर बनाएंगे। पूजन व भगवान सूर्य को भोग लगाने के बाद स्वयं प्रसाद को ग्रहण करेंगे। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद के रूप में वितरीत किया जाता है। अनुष्ठान के तीसरे दिन तीन अप्रैल गुरूवार को छठव्रती निर्जला व्रत रखकर संध्या काल में अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को पहला अर्घ्य देंगे। चौथे दिन 4 अप्रैल शुक्रवार की सुबह जलाशयों, तालाबों व नदियों में उगते सूर्य को अर्ध्य देने के बाद छठ महापर्व पूरे भक्तिभाव के साथ संपन्न हो जाएगा।

किड्स केयर के संस्थापक का मना चौथा पुण्य स्मरण दिवस

धनबाद : कतरास के किड्स केयर में संस्थापक स्मृति शेष सतीश कुमार वर्मा का चौथा पुण्य स्मरण दिवस आज पंडित शंकर पाठक की टीम के साथ संस्कृत के श्लोकों एवं मंत्रोच्चारण के बीच काफी भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। हवन यज्ञ के उपरांत मिस बुलन ने संस्थापक के कृत्यों के उपर प्रकाश डाला। प्राचार्य दिलीप कृमार वर्मा ने अपने ज्येष्ठ भ्राता स्व. वर्मा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें अश्रूप्रित श्रद्धांजलि दी। सतीश वर्मा स्मृति मंच की संस्थापिका श्रीमती अनिता वर्मा, सरिता वर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब के संरक्षक उमेश श्रीवास्तव, शिक्षक सोमेन सिन्हा, निर्मल कुमार कुंभकार, रथिन्द्र साहा, शिवली सरकार,ज्योति सिंह, तृप्ति दत्ता, मुन्नी कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रीता कुमारी, प्रांजल सिंह , नंदिनी शर्मा, सुनीता कुमारी, कंचन देवी, रीता देवी, सुरेश पासवान, मनोज रवानी, मुन्ना चौधरी आदि के अलावा दर्जनों पंडित उपस्थित स्थित थे। शोक सभा के उपरांत पंडितों को सात्विक भोजन कराया गया एवं गरीब असहायों के बीच फूड पैकेटों का वितरण किया गया। तत्पश्चात गंगा गोशाला जाकर सभी ने गो सेवा की। शारीरिक रूप से दिव्यांग गौ माताओं को खिलायी गयी रोटी गुड़। गोशाला कर्मचारियों के बीच बांटे गए फूड पैकेट्स।

बैलास्टलेस ट्रैक में बदली जायेगी धनबाद व गोमो स्टेशन के प्लेटफॉर्म की रेल पटरियां

धनबाद : गति शक्ति योजना के तहत प्लेटफॉर्म के ट्रैक को दुरूस्त किया जा रहा है। धनबाद व गोमो स्टेशन के प्लेटफॉर्म की रेल पटरी को बैलास्टलेस ट्रैक में बदला जायेगा ताकि हाई स्पीड ट्रेनों की यात्रा सुरक्षित हो। धनबाद व गोमो स्टेशन के प्लेटफॉर्म के ट्रैक को अपग्रेड किया जायेगा। रेलवे की ओर से इसकी तैयारी की गयी है। धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या तीन और गोमो के प्लेटफॉर्म संख्या दो व तीन नंबर के ट्रैक को बेहतर बनाया जायेगा। यहां बैलास्टलेस ट्रैक बिछायी जायेगी। 15 करोड़ 10 लाख होंगे खर्च ट्रैक को बिछाने पर 15 करोड़ 10 लाख 85 हजार 140 रुपये खर्च किये जायेंगे. काम आवंटन होने के बाद 12 माह में काम पूरा कर लेना है। 21 अप्रैल को टेंडर खोला जायेगा। इसके बाद आगे कार्य का निर्णय लिया जायेगा। क्या है बैलास्टलेस ट्रैक बैलास्टलेस ट्रैक में पारंपरिक बैलास्ट की आवश्यकता नहीं होती। इसके बजाय, ट्रैक को सीधा सड़क या कंक्रीट की सतह पर रखा जाता है, जो ट्रैक को स्थिरता और मजबूती प्रदान करता है। इस प्रणाली में ट्रैक के नीचे की परत को कंक्रीट से बनाया जाता है। इससे ट्रैक अधिक स्थिर और कम रखरखाव की आवश्यकता होती है। बैलास्टलेस ट्रैक का उपयोग उच्च गति वाली ट्रेनों और ऐसी परिस्थितियों में किया जाता है, जहां ट्रैक के नीचे की संरचना अधिक मजबूती और स्थिरता चाहती है। क्या होगा फायदा कम रखरखाव बैलास्ट की कमी के कारण इस ट्रैक को कम देखभाल की आवश्यकता होती है। स्थिरता और सुरक्षा बैलास्टलेस ट्रैक तेज गति वाली ट्रेनों के लिए बेहतर स्थिरता प्रदान करता है,दीघार्यु यह ट्रैक अधिक समय तक टिकाऊ रहता है। कम शोर बैलास्टलेस ट्रैक पर चलने वाली ट्रेनों से कम शोर होता है, इसका उपयोग अक्सर शहरी क्षेत्रों और उच्च गति रेल मार्गों पर किया जाता है।

अमन, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक है ईद का त्योहार : उमाकांत रजक

बोकारो : बाटबिनोर पंचायत के अलुवारा गांव में हिन्दु- मुश्लिम एकता मनके त्वा धान में पचायत मुखिया रोबिन कुमार दास बैष्णव के नेतृत्व में मंगलवार को ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का मुख्य अतिथि चंदनकियारी विधायक उमाकांत रजक विशिष्ट अतिथि जिला बीससुत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल मुख्य रूप से उपस्थित थे। विधायक उमाकांत रजक ने कहा यह त्योहार अमन भाईचारे सामाजिक सोहार्द और खुशियों का प्रतीक है। त्योहार को हम सभी मिलजुल कर मनाने की जरूरत है। श्री मंडल ने कहा हम सभी को कोई भी पर्व त्योहार हो सौहार्द वातावरण के साथ मिलकर मनना है। लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी। इसके पूर्व विधायक व बीससुत्री उपाध्यक्ष को अंग वस्त्र देकर व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। मुखिया रोबिन कुमार दास बैष्णव को भी लोगों ने बधाई दिया। संचालन सदर दाउद अंसारी ने किया। मौके पर झामुमो अशौक दशौंधी, विश्वनाथ महतो, टुपलाल महतो, सुरेश सिंह, जिला परिषद सदस्य अंबिका देवी प्रतिनिधि रामपद दास, समाजसेवी खुश मोहम्मद अंसारी, सनाउउल अंसारी,पंसस रफिक आलम, पुर्व मुखिया खोदानमाज, रंजित महथा, परमेश्वरदास बैष्णव, कार्तिक महतो, दाउद अंसारी, दिलदार अंसारी, गुलेन सिंह, मोईन अंसारी, तोहिद अंसारी, मालती देवी, शिशिर महतो, समसुद्दीन अंसारी, ताजुद्दीन अंसारी, सदाम हुसैन, मुन्ना अंसारी, तोहिद अंसारी, रोजगार सेवक रामजीत माँझी ,हिन्दु मुस्लिम एकता मंच के पदाधिकारी सदस्य व ग्रामीण उपस्थित थे।

एक नजर

विधायक डॉ नीरा यादव ने सरहुल महोत्सव में लिया भाग

कोडरमा : आदिवासियों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार सरहुल मंगलवार को भक्ति और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान विधायक डॉ नीरा यादव भी सरहुल महोत्सव में शामिल हुईं और महिलाओं के पारंपरिक नृत्य में हिस्सा लिया। जिला मुख्यालय कोडरमा स्थित सहाना रोड में कार्यक्रम में विधायक शामिल हुईं। उन्होंने लोगों को प्रकृति पर्व सरहुल की बधाई दी और धरती माता से सबों के कल्याण की कामना की। कहा कि प्रकृति का महापर्व सरहुल आप सबों के जीवन में नई ऊर्जा और उमंग लाए और धरती माता का आशीर्वाद आपके जीवन को हरियाली और खुशहाली से भर दे।

अपने देवी-देवता को दें सम्मान : अर्चना ज्वाला

झुमरीतिलैया : चैती दुर्गा पूजा प्रारंभ हो चुकी है इस अवसर पर पूजन सामग्री की खरीद-बिक्री बढ़ जाती है पूजा अर्चना के बाद हम पूजन सामग्री में उपयोग होने वाले खाली डिब्बे, पेपर इत्यादि फेक देते हैं। उनमें से कुछ ऐसे भी पूजन सामग्री है जिसमें हमारे देवी देवताओं की फोटो बनी होती है। जैसे अगरबत्ती, धूपबत्ती सिंदूर, अलता, हवन सामग्री इत्यादि तथा पूजा की चंदा काटने वाली रसीद जो कूड़े कचरा में चला जाता है ऐसे ही कुछ पूजन सामग्री जिसमें देवी देवताओं की फोटो है उन्हें चुनकर एकत्र किया गया है। सभी भक्तजनों से निवेदन है कि ऐसी कोई भी पूजन सामग्री जिसमें देवी देवताओं की फोटो बनी हो उसे खरीदने या बेचने से बचे साथ ही साथ ऐसे लोग जो पूजन सामग्री बनाकर बेचते हैं उनसे भी निवेदन है अपने देवी देवताओ के सम्मान का सदा ख्याल रखें।

ऑपरेशन सतर्क के तहत अंग्रेजी शराब के साथ युवक धराया

झुमरीतिलैया : सहायक उप निरीक्षक/ओम प्रकाश सिंह साथ में प्रधान आरक्षी/नवीन कुमार,आरक्षी/जितेन्द्र कुमार 1 तथा महिला आरक्षी/नीलू कुमारी सभी रेसुब, पोस्ट, कोडरमा के बल सदस्य कोडरमा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म सं० 04/05 पर गस्त कर रहे थे। गस्ती के क्रम में जब उक्त प्लेटफॉर्म पर स्थित रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कोडरमा के बगल वाले यात्री शेड के पास पहूँचे तो एक व्यक्ति को एक काला रंग के पिट्ठु बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। संदेह होने पर उसके पास जाकर पूछताछ किया गया तो उसने अपना नाम व पता उजाला कुमार,उम्र करीब 25 वर्ष,पिता-स्व० धर्मेन्द्र पासवान,पता- पूर्वी उटा, वार्ड सं० 10 (जहानाबाद), थाना- जहानाबाद,जिला- जहानाबाद (बिहार) बताया। जब उसके कब्जे वाले उक्त पिट्ठु बैग को खोलकर चेक किया गया तो उसमें रखा हुआ (एक) 03 अदद मैजिक मुमेंट जिसमें प्रत्येक की क्षमता 750 मिली० व कीमत 740/- रुपए तथा (दो) 03 अदद मैजिक मुमेंट प्रिमियम जिसमें प्रत्येक की क्षमता 750 मिली० व कीमत 730/- रुपए अंकित पाया गया। उक्त व्यक्ति से शराब की बोतलों के बाबत पूछताछ किया गया तो उसके द्वारा बताया गया कि मैं बेरोजगार हूँ इसलिए इसे बिहार ले जाकर अधिक दामों में बेच कर इससे लाभ कमाता हूँ। शराब की बोतलों के बाबत न तो कोई कागजात दिखाया और ना ही संतोषप्रद जबाब दिया।

बेरोजगार युवाओं को छलने का कम कर रही है राज्य सरकार : उमाशंकर सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भाजपा नेता भावी राजधनवार विधानसभा प्रत्याशी उमाशंकर सिंह ने अपने कोडरमा दूधीमाटी स्थित आवास पर विशेष बातचीत के दौरान बताया कि झारखंड की हेमन्त सरकार मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना की आड़ में अपनी नाकामयाबी को बस छुपा रही है। झारखंड की राज्य सरकार को यहां के बेरोजगार युवाओं की कोई चिंता नहीं है। युवाओं के जीवन संवारने को लेकर झारखंड की हेमंत सरकार के द्वारा किए गए तमाम चुनावी वादों को भुला बैठी है। वही राजधनवार विधानसभा को लेकर उन्होंने कहा कि अब तक जिन लोगों ने राजधनवार विधानसभा का प्रतिनिधित्व किया है उन्होंने सिर्फ समाज को बांटने का काम किया है और राजधनवार विधानसभा में विकास की स्थिति शून्य है। मौके पर श्री सिंह ने बताया की वर्षों से उनका सावित्री सुंदर ट्रस्ट निःस्वार्थ भाव से समाज के पिछड़े लोगों में शिक्षा का प्रचार प्रसार एवं पिछड़े परिवार के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने का प्रयास करती चली आ रही है। साथ ही सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रह रहे परिवारों तक समुचित इलाज पहुंचाने का भी कार्य कर रही है। यह आगे भी बदस्तूर जारी रहेगा। मौके पर उन्होंने बतलाया कि यदि राज्य सरकार बेरोजगार युवाओं के प्रति अपने रवैए को नहीं बदलता है तो उनके नेतृत्व में भाजपा वृहत पैमाने पर आंदोलन को बाध्य होंगे।

विश्व हिंदू परिषद ने श्री राम मन्दिर में मनाया रामोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददात

झुमरीतिलैया : विश्व हिंदू परिषद की झुमरी तिलैया नगर इकाई द्वारा विश्रामबाग रोड स्थित श्री राम मन्दिर मे श्री रामोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अरविंद एकघरा और संचालन नगर मंत्री बिनय सिन्हा ने किया। इस रामोत्सव कार्यक्रम मे मुख्य रूप से हरिद्वार पतंजलि से आए स्वामी बिप्रदेव जी महाराज उपस्थित थे। स्वामी जी ने अपने आशीर्वचन मे सभी देशवासियों और जिलावासियो को नव वर्ष की बधाई देते हुए मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम जी और नव वर्ष पर विशेष जानकारी दी। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि हम सभी को उनके आदर्शो पर चलकर ही अपने देश, समाज और हिंदुत्व को बचा सकते है। मौके पर विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत के विशेष संपर्क प्रमुख अरविंद सिंह,प्रांत सामाजिक समरसता सह प्रमुख मनोज चंद्रवंशी,विभाग गौ रक्षा प्रमुख अजय कुमार वर्मा,जिला कार्याध्यक्ष ओम प्रकाश राय,जिला कोषाध्यक्ष सुनील दास, डॉ बीएनपी वर्णवाल, लाल बहादुर चौधरी, मनोज राणा, प्रभा देवी, राम पुकार,चंद्र शेखर जोशी, श्याम सुंदर मंडल, सरिता सिन्हा, चंद्रलता वर्णवाल, सरिता पिलानिया, धर्मशीला मिश्रा,पूनम देवी, आभा सिंह, बेबी देवी, कंचन वर्णवाल, प्रेमलता देवी, द्रोपदी देवी, उर्मिला देवी, उमा देवी, गायत्री सिन्हा, माला सिन्हा आदि उपस्थित थे। वहीं दूसरी रामोत्सव का कार्यक्रम करमा के बजरंग बली मन्दिर प्रांगण मे भी संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अरविंद एकघरा और संचालन नगर मंत्री बिनय सिन्हा ने किया। रामोत्सव मे मुख्य अतिथि प्रांत समाजिक समरसता सह प्रमुख मनोज चंद्रवंशी ने अपने उद्बोधन मे कहा कि हम सभी को जात-पात,भेद-भाव, उच्च-नीच,अमीर-गरीब को छोड़कर एक मंच पर सभी को चलना है,तभी हमारा देश विश्वगुरु की ओर अग्रसर होगा।

गणगौर को लेकर मंदिरों व निवास स्थलों में की गई पूजा अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : पति के दीघार्यु की कामना एवं बालाओं के द्वारा अच्छे वर प्राप्ति को लेकर राजस्थानी समाज का गणगौर पर्व मंगलवार को भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज,महेश्वरी समाज, मारवाड़ी ब्राह्मण समाज के निवास स्थलों पर सुबह में सामूहिक रूप से ईशर-गौरा (शिव-पार्वती) की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर ईशर जी तो बांध पैंचो गौरा बाई राज संवरियो राज प्यार मिल जाए पिया का प्यार मिल जाए गौरी-शंकर जैसी जोड़ी गीत पर कार्यक्रम स्थल गूंजता रहा। इधर श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में भी महिलाएं सुबह अर्चना के लिए जुटी और ईशर गौरा की पूजा अर्चना की। इसमें मुख्य रूप से रजनी अग्रवाल,सुमन सर्राफ, अंजुला खाटुवाला,अलका खाटुवाला लता तुलसियान मुख्य रूप से शामिल हुई। देर शाम झुमरीतिलैया के अड्डी बंगला रोड स्थित कीर्तन भवन में नवविवाहिता व कुंवारी कन्याओं ने बड़ी गणगौर से छोटी गणगौर को मिलाया एवं सुख-समृद्धि की कामना की। मालूम हो कि होली के दूसरे सुबह से गणगौर पर्व शुरू होती है। इसमें खासकर नवविवाहिताएं ससुराल से मायके पहुंचकर इस पर्व में शामिल होती है। ऐसी मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान भोले शंकर को पाने के लिए 18 दिनों तक पूजन व व्रत किया था तभी से गणगौर की परंपरा भी शुरू हुई थी। महिलाएं इसे आस्था के साथ पूजन करती है।की नवविवाहिताएं इस पर्व के जरिए अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती है। वहीं कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की कामना करती है। कीर्तन भवन में सुमन चौधरी, स्नेह पचीसीया, रश्मि शर्मा, प्राची जोजही, संध्या दारूका, सोनिया भारद्वाज,ऐश्वर्या खेतान,सोनी कंदोई सहित नवविवाहिता जुटी और संगीतमय भजनों का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाद में ईशर-गौरा की बनी मूर्तियों को तालाब व जलाशयों में विसर्जित किया गया।

कुकडू में धूमधाम से मनाया गया सरहुल महोत्सव, मांदर की थाप पर थिरके लोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कुकडू प्रखंड अंतर्गत बिरसा चौक डाटम में बिरसा मुंडा सरना समिति कुकडू अंचल के द्वारा मंगलवार को सरहुल पूजा एवं सरहुल महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान आदिवासी महिला-पुरुष मांदर की थाप पर जमकर थिरके। वहीं प्रकृतिक सरहुल नृत्य पार्टी हरबागढ़, आदिवासी संस्कृति सरहुल युवा समिति तामराना, तमाड़ की सरहुल नृत्य पार्टी ने भी प्रस्तुति दी। इस दौरान आयोजक बंकेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि आदिवासियों की सभ्यता और संस्कृति पूरे विश्व में महान है। आदिवासी समाज जन्म से प्रकृति से प्रेम करते हैं। उन्होंने विश्व भर के लोगों को आदिवासियों की तरह प्रकृति से प्रेम करने का आह्वान किया। साथ ही लोगों से आपसी भाईचारे के साथ रहने का अपील किया। महोत्सव में तिरुलडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार, एएसआई अविनाश कुमार, गुरुपद सिंह मुंडा, रामलाल सिंह मुंडा, चित्तारंजन सिंह मुंडा, नरहरी सिंह मुंडा, ठाकुर सिंह मुंडा, जगदीश सिंह मुंडा आदि मौजूद थे।

झांसी की रानी समिति के द्वारा राष्ट्र समर्पित सेवा का दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : झांसी की रानी अखाड़ा समिति के द्वारा लाठी तलवार संस्कार और राष्ट्र समर्पित सेवा कैसे करें और क्यों करें इसके बारे में विशेष जानकारी दिया जा रहा है। यह निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। योगाचार्य सुषमा सुमन ने कहा कि कोडरमा जिला में हजारों बालिकाओं और मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाना और अपने को भी सुरक्षा महसूस करना और राष्ट्र को भी सुरक्षित रखना है। आघी आबादी मातृशक्ति को लाठी, तलवार, योग हवन, स्वदेशी के बारे में स्पेशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कोलकाता से आए हुए प्रशिक्षिक सुबह 4:45 से 7:30 बजे तक और शाम को 4:30 से 6:30 बजे तक दोनों टाइम प्रशिक्षण दिया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि हजारों बेटियों लोग को झांसी की रानी की तरह वीरंगाना बनाना है, झांसी की रानी अपने के समय काल में सभी अस्त्र-शस्त्र चलाने में माहिर थी। वह शत्रुओं से वीर योद्धाओं की तरह लड़ती थी। वह घुड़सवारी में चतुर थी और अत्यधिक साहसी थी। रानी अपने राज्य और देश के प्रति स्वाभिमान था और उसकी खातिर कुबार्नी देना अपना फर्ज मानती थी।

सरहुल में चंद्रवंशी समाज एवं मंगलम हॉस्पिटल के द्वारा लगाया गया शरबत पानी एवं मेडिकल कैंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : प्रकृति का पर्व खादी परब(सरहुल) के शुभ अवसर पर अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा कोडरमा एवं मंगलम हॉस्पिटल झुमरी तिलैया के संयुक्त तत्वधान में मानव समाज की सामाजिक समरसता बनाए रखने को लेकर मंगलवार को डॉ उर्मिला चौधरी (बबलू भैया) के घर के पास शरबत पानी की व्यवस्था के साथ मेडिकल कैंप लगाया गया। वही मौके पर अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के कार्यकारी राज्य महासचिव चंद्रवंशी दीपक नवीन एवं मंगलम हॉस्पिटल झुमरी तिलैया के डायरेक्टर चंद्रवंशी राहुल वर्मा ने अनेकता में एकता का परिचय देते हुए। कहा कि सरहुल झारखंड राज्य का प्रमुख त्योहार है, जिसे आदिवासी समाज के साथ साथ संपूर्ण मानव समाज भी बड़े धूमधाम से मनाता है। यह त्योहार विशेष रूप से प्राकृतिक सौंदर्य, पेड़-पौधों और वन्य जीवन से जुड़ा होता है। सरहुल का अर्थ होता है 'वृक्षों की पूजा', और यह वसंत ऋतु के आगमन के समय मनाया जाता है, जब प्रकृति हरियाली और सुंदरता से भरी रहती है। तब हम सब भी बेहतर जिंदगी जी पाते है। और इसकी रक्षा करना हम सभी का मानवीय अधिकार बनता है। इसलिए इस तरह के कार्यक्रमों में हम सभी को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए इसी आलोक में आज कड़ाके की धूप में नाच गान करते हुए आदिवासी समाज की माताएं बहने भाइयों जो प्रकृति की रक्षा के संदेश को लेकर आ रहे हैं उन लोगों के लिए चंद्रवंशी समाज की ओर से शरबत पानी एवं मंगलम हॉस्पिटल झुमरी तिलैया की ओर से मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से कोडरमा चंद्रवंशी समाज से समाज के ही सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य संरक्षक रामेश्वर राम रवानी, जय प्रकाश राम, सीता राम भगत जी, बिरेंद्र राम,उमेश राम, प्रवीण चंद्रा, ओम प्रकाश राम, महेंद्र राम, जिला अध्यक्ष प्रवीण रवानी, अभिषेक चंद्रवंशी, प्रभात राम, राहुल वर्मा, महेश राम, मनोहर कुमार,संगठन मंत्री पवन कुमार, रवि राम, संतोष चंद्रवंशी, सुरेंद्र भारती,अरुण राम, दिवाकर राम, मनोज राम,रंजीत राम, मुकेश राम, मनोज कुमार, प्रेम कुमार, रवि रवानी, अनिल राम, द्वारिका राम, विजय कुमार , अजय कुमार, विजय राम अधिवक्ता निखिल चंद्रवंशी, विकास कुमार,सुशील चंद्रवंशी, चंदन चंद्रवंशी अन्य गरिमामय सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र राम सोरेन,आदि लोगो ने भाग लिए।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की मौत

कोडरमा : थाना क्षेत्र अंतर्गत राजेंद्र चौक के समीप ट्रक के चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान कोडरमा थाना क्षेत्र के पूरनानगर निवासी 60 वर्षीय दुर्गी पासवान उर्फ घरजोड़े के रूप में की गई है। वहीं घायल युवक की पहचान बेकोबार निवासी 24 वर्गीय रतन पांडेय पिता परमानंद पांडेय के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए मृतक के बड़े बेटे मनोज पासवान ने बताया कि मंगलवार की सुबह उनके पिता एक मोटरसाइकिल (जे एच 02 जेड 6509) से लिफ्ट लेकर कोडरमा बाजार कुछ काम से जा रहे थे। इसी क्रम में कोडरमा जमुआ मुख्य मार्ग के राजेन्द्र चौक के समीप तिलैया की ओर से आ रहे ट्रक संख्या (बी आर 01 जी बी 3100) ने मोटरसाइकिल को अपने चपेट में ले लिया। इस घटना में दुर्गी पासवान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल युवक को 108 एम्बुलेंस से सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया। वहीं घटना के बाद आक्रोशित लोगों व मृतक के परिजनों ने उचित मुआवजे की मांग को लेकर कोडरमा-जमुआ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया है। जिसके कारण उक्त मार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। इधरे घटना की सूचना पाकर कोडरमा पुलिस मौके पर पहुंची है और जाम हटाने में जुट गई है।

अखिल भारतीय धोबी महासंघ की हुई बैठक

कोडरमा : अखिल भारतीय धोबी महासंघ जिला इकाई कोडरमा की बैठक साहू धर्मशाला झुमरी तिलैया में अखिल भारतीय धोबी महासंघ के जिला अध्यक्ष मनिंदर राम की अध्यक्षता में किया गया। विगत कार्यक्रमों का कार्य रिपोर्ट जिला सचिव प्रकाश रजक ने पेश किया जो सबों ने पास किया बैठक को वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक वर्ष मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। ताकि शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगा शिक्षा के बगैर समाज का विकास नहीं हो सकता शिक्षा ही देश को महान बनाता है समाज में अंधविश्वास एवं शराब को नियंत्रण करने के लिए गांव गांव में बैठक कर लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। गरीब बच्चों को आर्थिक मदद देखकर शिक्षा के आकर्षित किया जाएगा दलितों पर हो रहे हमले के खिलाफ संघर्ष तेज करने पर विचार किया गया। यह जिला सम्मेलन ऐतिहासिक रहा बैठक में एलआईसी सेवानिवृत्ति सुशील कुमार एवं राम रतन अवध्या को शौल एवं बुके देकर सम्मानित किया गया। दोनों व्यक्तियों ने कहा कि अब हम लोग निस्वार्थ भाव से समाज के लिए समर्पित रहूंगा। बैठक को प्रखंड अध्यक्ष विनोद राम पवन रजक जनकदेव राम दिपक कुमार महेश रजक मिथिलेश कुमार विजय रजक प्रदीप राम ने संबोधित किया बैठक में दिनेश रजक धिरज रजक कैलाश रजक विजय रजक रविंद्र रजक सुशील कुमार रामरतन अवध्या सियाराम रजक दुर्गा प्रसाद राम एम चंद्रा मुन्नीलाल रजक अरुण कुमार रजक विनोद आनंद सिकंदर कुमारआदि लोग मौजूद थे धन्यवाद ज्ञापन जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप राम ने किया।

ऐतिहासिक है चंदवारा का रामनवमी पूजा

कोडरमा : ऐतिहासिक चंदवारा बजरंगबली मन्दिर में रामनवमी पूजा को लेकर जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। चैत्र नवरात्र को लेकर बुधवार से ही विशेष पूजा अर्चना की जा रही है। आपको बता दें कि तकरीबन 100 सालों से अधिक समय से इस मंदिर में रामनवमी पूजा का आयोजन किया जाता रहा है। इस साल भी रामनवमी पूजा का आयोजन काफी धूमधाम से होने की उम्मीद है। रामनवमी पूजा के मौके पर चंदवारा बजरंगबली मंदिर में नवमी को भव्य झांकी का भी आयोजन किया जाता है। इसके अलावा यहां नवरात्र में हर दिन विधि-विधान से पूजा अर्चना की जाती है। चंदवारा में रामनवमी पूजा को लेकर भक्ति जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा। इसके अलावा रामनवमी को लेकर यहां से झांकी भी निकाली जाती है, जो पूरे गांव का भ्रमण करती है और उसके बाद इसी मंदिर के निकट झंडा स्थापित किया जाता है। रामनवमी को लेकर भक्तिमय माहौल बना हुआ है। आयोजन समिति से जुड़े लोग लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी समिति :आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ सुनील बर्नवाल ने बताया कि पूजा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लोग दिन-रात जुटे हुए हैं और दुर्गा पूजा के साथ-साथ भव्य झांकी की भी तैयारी की जा रही है। वहीं आयोजन समिति के प्रमोद वर्मा अनुप वर्मा ने बताया कि वर्षों से यहां पारंपरिक ढंग से रामनवमी पूजा मनाया जा रहा है और दूर-दराज से लोग दुर्गा पूजा में यहां हर्षोल्लास के साथ पहुंचते हैं और बजरंगबली की पूजा कर अपने और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

अब तक नही हुई किसी की अवैध खनन मामले में गिरफ्तारी : थाना प्रभारी रवि

डोमचांच : बीते शनिवार रात्रि 11 बजे के आसपास डोमचांच प्रखंड के ढाब पंचायत के गोरियाडीह जंगल में संचालित अवैध ग्रीन पत्थर उत्खनन मामले में ढाब पुलिस ने 40 महिला पुरुष को नामजद अभियुक्त के साथ 40 से 50 लोगों को अज्ञात अभियुक्त बनाया है। पुलिस ने इस मामले में दिनांक.31/3/2025 को कांड संख्या.02/25 दर्ज किया है। इस संबंध में पूछे जाने पर थाना प्रभारी रवि प्रकाश पंडित ने बताया कि अब तक अवैध खनन मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस जगह-जगह पर छापामारी कर रही है इसके साथ ही अवैध खनन से जुड़े लोगों किसी हाल में बक्सा नहीं जाएगा।

डॉ अभिषेक अमेरिका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन अधिवेशन में देंगे व्याख्यान

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया के जगन्नाथ जैन महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अशोक अभिषेक ह्यूस्टन,अमेरिका में आयोजित होने वाले चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय रामायण अधिवेशन में श्री राम के आदर्शों की सामयिक प्रासंगिकता विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। श्री रामचरित भवन, ह्यूस्टन, अमेरिका द्वारा आयोजित सातवां अंतरराष्ट्रीय रामायण अधिवेशन में विश्व भर के अनेक विद्वान रामायण एवं इसके विविध पक्ष पर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। इससे पूर्व वर्ष 2024 में डॉ. अभिषेक इंडोनेशिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर चुके हैं, जहां शिक्षा के क्षेत्र में इनके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए इंडोनेशिया के मंत्री द्वारा सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया गया था। डॉ अभिषेक पिछले 18 वर्षों से लगातार जगन्नाथ जैन महाविद्यालय के शिक्षा-शास्त्र विभाग में अनवरत अपना योगदान देते आ रहे हैं।

घुसपैठियों के लिए आसान लांचिंग पैड नेपाल बॉर्डर के मदरसे

पड़ोसी राज्य नेपाल, भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।वैसे तो नेपाल के भारत से हमेशा प्रगाण संबंध रहे हैं,लेकिन पिछले कुछ वर्षो में चीन की भी दखलंदाजी वहां बढ़ी है। चीन के कई प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं। भौगालिक रूप से देखा जाये तो चीन और नेपाल की सीमा 1439 किलोमीटर लम्बी है। वहीं भारत और नेपाल की सीमा की लम्बाई 1751 किलोमीटर है। यह सीमाएं उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम से जुड़ी हुई हैं। सबसे लम्बी सीमा 726 किलोमीटर बिहार से उसके बाद उत्तर प्रदेश से 551 और उत्तराखंड से 275 किलोमीट और पश्चिमी बंगाल से 100 एवं सिक्किम से 99 किलोमीटर तक जुड़ी हैं। कभी यह सीमाएं लगभग पूरी तरह से खुली रहती थीं, लोग आसानी से बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे देशों में आ जा सकते थे। दोनों देशों के बीच व्यापार करने पर भी कोई प्रतिबंद्ध नहीं था, लेकिन अब हालात काफी बदल गये हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब इन सीमाओं को लांघकर अराजक तत्व और आतंकवादी ताकतें भी भारत में प्रवेश करने लगी हैं। सीमा खुली होने का फायदा उठाकर पाकिस्तानी, बांग्लादेशियों सहित कई देशों के घुसपैठियें और आतंकवादी भारत में आते हैं और यहां आतंक फैलाते हैं। यही वजह है नेपाल और भारत के बीच की सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ सालों में खासी चिंता देखी गई है। सबसे खास बात यह है कि इन घुसपैठियों और आतंकवादियों के लिये भारत-नेपाल के बार्डर के बार्डर पर बने मदरसे सुरक्षित ठिकाना बन कर उभर रहे हैं। कई मदरसों के तार भारत विरोधी ताकतों के साथ जुडे हुए हैं। नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना और आतंकवादियों का घुसपैठ करने का प्रयास स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर, 28 फरवरी को काठमांडू में हुई हिंसा ने इस क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है।यह हिंसा सिर्फ नेपाल तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि भारत में भी सुरक्षा के लिहाज से इसे गंभीर माना जा रहा हैं। नेपाल सीमा के पास रहने वाले एक पूर्व शिक्षक का कहना है कि हाल के दिनों में सरहदी क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना चिंताजनक है। उनका मानना है कि पाकिस्तााान और चीन द्वारा नेपाल सीमा को घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड बनाने की साजिश चल रही है। उनका यह भी कहना है कि कुछ मजहबी शिक्षण संस्थानों में भारत से भागने वाले कुख्यात अपराधियों से लेकर भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को भी शरण मिल रही है। बीते फरवरी महीने में सीमा से बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया था, जिसे नेपाली मदरसे में शरण मिली थी। यह घटना यह साबित करती है कि नेपाल में कुछ जगहें आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुके हैं। नेपाली सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि बांग्लादेश के एक आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादी को नेपाल के सीमा क्षेत्र में पनाह दी गई थी। इसी तरह, अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन भी नेपाल के बदलते हालात का फायदा उठा सकते हैं। इन संगठनों का लक्ष्य भारत में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देना हो सकता है। इस संदर्भ में पूर्व आईबी अधिकारी प्रवीण गर्ग का कहना है कि काठमांडू में जो हिंसा हुई, वह नेपाल में राजाबादी आंदोलन को बदनाम करने की एक साजिश हो सकती है। उनके अनुसार, बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद, पाकिस्तान और चीन के सुरक्षा एजेंसियां नेपाल को भी अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों की नेपाल में सक्रियता इस संभावना को और मजबूत करती है। खासकर इस साल की शुरूआत से इन दोनों देश की एजेंसियों की भारत से सटे नेपाली क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता एक गंभीर चिंता का विषय है। चौकाने वाली बात यह भी है कि जो नेपाल कुछ वर्षो तक हिन्दू राष्ट्र होता था,वहां अब शरिया कानून की मांग भी उठने लगी है, जो कि पहले नेपाल के मुसलमानों के लिए एक दूर का ख्वाब था।

सूडोकु नवताल- 7388

★★★★★ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7387 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

डॉ अंबेडकर और डॉ हेडगेवार : भारत और हिंदू समाज के लिए एक जैसी चिंता

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

डॉ अंबेडकर और डॉ. हेडगेवार में हिंदुओं को एकजुट कर राष्ट्र गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दृष्टि थी। यद्यपि उनके रास्ते अलग-अलग थे लेकिन राष्ट्र-प्रथम के दृष्टिकोण और हिंदू और अन्य संस्कृतियों के गहन परीक्षण ने उन्हें यह एहसास दिलाया कि केवल हिंदू एकता ही महान भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। जब डॉ. अंबेडकर ने आरएसएस शाखा का दौरा किया तो उन्होंने देखा कि कोई भी जाति के बारे में बात नहीं करता और सभी स्वाभाविक मित्र या भाई हैं और उनके साथ समान व्यवहार किया जाता है। अपनी स्थापना के बाद से आरएसएस ने कभी जाति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। संघ के स्वयंसेवक हमेशा "समता", "ममता" और "समरसता" में विश्वास करते हैं, जो भौतिक और भावनात्मक रूप से अपनेपन की भावना से जुड़े हैं। आरएसएस ने सत्य का प्रचार करके और इसे जमीनी स्तर पर लागू करके हमारे समाज में अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए बड़े प्रयास किए हैं। 100 वर्षों से आरएसएस और संबद्ध संस्थानों और संगठनों ने समाज के प्रत्येक वर्ग को प्यार और करुणा के साथ ऊपर उठाने का काम किया है। विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जमीन पर किए गए प्रयास प्रभावशाली हैं। आरएसएस के दो संगठन, वनवासी कल्याण आश्रम और सेवा भारती, एससी, एसटी, ओबीसी और अन्य जनजातियों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं और गरीब और हाशिए पर पड़े लोगों के उत्थान के लिए अपनेपन और स्नेह के साथ सेवा करने का सबसे अच्छा उदाहरण हैं।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के अनुसूचित जाति महासंघ के दलित नेताओं के एक समूह ने एक बार उनसे पूछा कि उन्होंने ब्राह्मण दत्तोपंत ठेंगड़ी को महासंघ का महासचिव क्यों बनाया है। जब बाबा साहब ने यह सुना तो उन्होंने कहा, "जिस दिन तुममें से कोई भी ठेंगड़ी से बड़ा दलित बन जाएगा, मैं तुम्हें महासंघ का महासचिव बना दूंगा।" ये कथन दत्तोपंत ठेंगड़ी पर उनके विश्वास को दशार्ते हैं, जो संघ प्रचारक और बीएमएस के अध्यक्ष थे और जिन्होंने 1952 से 1956 तक उनके साथ मिलकर काम किया था। श्री ठेंगड़ी ने इस बात पर जोर दिया कि बाबा साहब द्वारा अस्पृश्यता को समाप्त करने के प्रयासों का उद्देश्य एकता के माध्यम से हिंदू समाज को मजबूत करना था। तथाकथित अछूत हिंदू समाज का एक महत्वपूर्ण तत्व हैं।

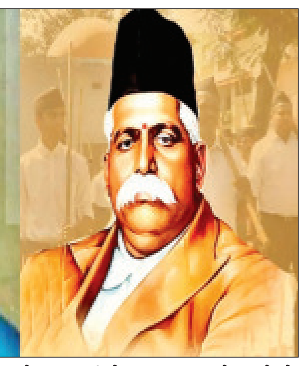

परिणामस्वरूप, अस्पृश्यता का उन्मूलन एक राष्ट्रीय मुद्दा है।

बाबा साहब आरएसएस के बारे में पूरी तरह से जानकार थे। 1935 में उन्होंने पुणे में महाराष्ट्र के पहले आरएसएस संघ शिक्षा वर्ग का दौरा किया। तब उनकी मुलाकात डॉ. हेडगेवार से हुई। बाबासाहेब एक निजी यात्रा पर दापोली गए थे। फिर वे स्थानीय संघ शाखा में गए और स्वयंसेवकों से खुलकर चर्चा की। 1939 में बाबासाहेब ने पुणे में संघ शिक्षा वर्ग का दौरा किया और डॉ. हेडगेवार के साथ स्वयंसेवकों से बातचीत की। महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे गैरकानूनी प्रतिबंध को खत्म करने में भी बाबासाहेब ने अहम भूमिका निभाई थी। सितंबर 1949 में श्री गुरुजी ने औपचारिक रूप से उनके समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। सरसंघचालकों के विचार और कार्य डॉ. अंबेडकर के विचारों से कैसे मेल खाते थे?

तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब देवरस जी ने अस्पृश्यता के बारे में क्या कहा- अगर जाति व्यवस्था और अस्पृश्यता को खत्म करना है तो उन लोगों में बदलाव लाना होगा जो उनमें विश्वास करते हैं। ऐसे लोगों पर हमला करने या उनका मुकाबला करने के बजाय दूसरा विकल्प हो सकता है। मुझे संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के साथ काम करने का सौभाग्य मिला। वे कहते थे, "हमें अस्पृश्यता को मानने या उसका पालन करने की जरूरत नहीं है।" इसी आधार पर उन्होंने संघ की शाखाएँ बनाईं, जो पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का संग्रह है। उस समय भी ऐसे लोग थे जो विपरीत विचारधारा रखते थे। हालांकि, डॉ. हेडगेवार को भरोसा था कि वे आज नहीं तो कल उनके विचारों से सहमत होंगे। नतीजतन, उन्होंने इस बारे में कोई विरोध नहीं किया, किसी के साथ लड़ाई नहीं की या किसी के न मानने पर कोई नकारात्मक कार्रवाई नहीं की। क्योंकि उन्हें भरोसा था कि सामने वाले व्यक्ति के इरादे भी अच्छे थे। कुछ गलत अवधारणाओं और आदतों के कारण, वह पहले तो आशंकित हो सकता है लेकिन पर्याप्त समय के साथ, वह निश्चित रूप से अपनी गलतियों से सीख लेगा। शुरूआती दिनों में संघ के एक शिविर में कुछ भाई अपने अनुसूचित जाति समुदाय के भाइयों के साथ भोजन करने में झिझकते थे। डॉ. हेडगेवार ने नियमों के बारे में नहीं बताया और न ही उन्हें शिविर से बाहर निकाला। अन्य स्वयंसेवक, डॉ. हेडगेवार और मैं दोपहर के भोजन के लिए एक साथ बैठे। जो झिझक रहे थे, वे अलग बैठे। हालाँकि, दूसरे दोपहर के भोजन के दौरान वही भाई हमारे पास आए और हम सभी के साथ बैठ गए। आरएसएस, द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी की वीएचपी सम्मेलन में सबसे बड़ी उपलब्धि उपस्थित लोगों को वर्णाश्रम या जाति व्यवस्था को अस्वीकार करने के लिए राजी करना था और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करना था- हिंदवाः सोदराः सर्वे, न हिंदू पतितो भवेत (सभी हिंदू एक ही गर्भ (भारत माता) से पैदा हुए हैं।) नतीजतन, वे एक हैं और किसी भी हिंदू को अछूत नहीं कहा जाना चाहिए। यह सबसे महत्वपूर्ण सुधारवादी अभियान था जिसकी कोई कल्पना कर सकता था क्योंकि हस्ताक्षरकताओं में सभी शंकराचार्य शामिल थे जो जाति व्यवस्था में कट्टर विश्वास रखते थे। ऐसे व्यक्ति पर 'ब्राह्मणवादी आधिपत्य' थोपने का आरोप लगाना या तो गलत आलोचना है या जानबूझकर किया गया अपप्रचार है।

प्रसिद्ध राष्ट्रवादी और गतिशील व्यक्तित्व वाले डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सभी राष्ट्रीय मुद्दों पर मुखर थे। इस तथ्य के बावजूद कि कम्युनिस्टों और अन्य राजनीतिक ताकतों ने उन्हें हिंदू धर्म के विरोधी के रूप में प्रस्तुत किया है। हालांकि, उन्होंने देश के इतिहास का तिरस्कार नहीं किया बल्कि उन्होंने उस समय मौजूद अंधविश्वासी संस्कृति और व्यापक जातिगत भेदभाव का तिरस्कार किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'रिडल्स ऑफ हिंदूइज्म' में यहां तक कहा कि, जहां पश्चिम का मानना है कि उन्होंने लोकतंत्र की स्थापना की, वहीं हिंदू 'वेदांत' में उसी की अधिक प्रमुख और स्पष्ट बातें हैं, जो किसी भी पश्चिमी अवधारणा से पुरानी है। बाबासाहेब हिंदू विरोधी नहीं थे लेकिन वे हिंदू धर्म की कई कुप्रथाओं और भेदभावपूर्ण मानदंडों के विरोधी थे। अगर उन्हें हिंदू धर्म से घृणा होती तो वे इसे और कमजोर करने के लिए इस्लाम या ईसाई धर्म अपना लेते। हालांकि, उन्होंने बौद्ध धर्म को चुना क्योंकि इसके विचार हिंदू धर्म के विचारों के बेहद करीब हैं।

आइए अपने भीतर के राम को पहचानें!

गिरीश्वर मिश्र

भारतीय नववर्ष के आरम्भ में चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि प्रतिवर्ष राम-जन्मोत्सव के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। इस उत्सव का व्यापक भारतीय जन समाज की सांस्कृतिक जीवन यात्रा में विशेष महत्त्व है। घट-घट व्यापी अन्तयार्मी परमात्मा को श्रीराम के मानुष रूप में लोकावतरण एक रोमांचकारी अवसर होता है जब हम श्रीराम को अपने जीवन में आसपास पाने की लालसा लिए रामनवमी मनाते हैं। यह मानवीय चेतना के ऊर्ध्वमुखी परिष्कार का एक विलक्षण सोपान बन जाता है। जैसा कि सर्वविदित है प्रभु श्रीराम की मनुष्य लीला एक ऐसे बड़े वितान पर आयोजित है जिसमें कोई सीधी रेखा नहीं है। हाँ, अप्रत्याशित मोड़ जरूर हैं जो उत्सुकता और जिज्ञासा को बनाए रखते हैं। मानव जीवन में आम और खास हर किसी को अनुभव में आने वाले पीड़ा और सुख, निराशा और आशा, लोभ और मोह, भय और साहस, हास-परिहास तथा प्रेम और घृणा जैसी भावनाओं के आरोह-अवरोह के अनेकानेक क्षण एक के बाद एक लगातार श्रीराम के जीवन में आते ही रहते हैं। वे मानों यही कहते लगते हैं कि यही मानव स्वभाव है और इसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना है।

श्रीराम जिस लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हैं वह अधर्म को हटा कर उसके स्थान पर धर्म की प्रतिष्ठा करने का एक युगांतरकारी अवसर है। सृष्टि बहुआयामी है और उसके सभी अवयव एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जब ये अवयव एक-दूसरे के साथ समरस रहते हैं तो अस्तित्व में जीवन का संचार करते हैं। दूसरी ओर जब किसी कारणवश उनके बीच असंतुलन खड़ा होता है तो विघ्न-बाधाएं आती हैं जिनका शमन होना जरूरी होता है। तभी व्यवस्था की पुनर्स्थापना हो पाती है। इस तरह का परिवर्तन वाला क्रम सृष्टि के चक्रीय स्वभाव की अनिवार्य अपेक्षा है। श्रीराम को इसीलिए धर्म का विग्रह कहा गया (रामो विग्रहवान धर्मः) कि वे सतत धर्म की स्थापना में जुटे रहते हैं। उनके होते अधर्म संभव नहीं है। इस रूप में वे उस विशाल भारतीय जन समाज की आत्मीयता के सुदृढ़ आधार हैं जिसमें अमीर, गरीब और पढ़े-लिखे से लेकर अनपढ़ तक सभी शामिल हैं।

यही कारण है कि आज भी लोग रामनवमी की तिथि पर श्रीराम के अवतरण की राह तकते हैं कि नाया विहान हो। धरती पर श्रीराम के प्रकट होने के क्षण की अनुभूति लोक के जीवन और स्मृति दोनों का एक सहज हिस्सा बनी हुई है। हो भी क्यों न? राम की कथा आज भी आम आदमी की जिंदगी में घुली हुई है। श्रीराम सबके जाने पहचाने हैं। राम नाम का संकीर्तन स्वाभाविक रूप से बहुतों की जीवन-चर्या का अभिन्न अंग बना हुआ है। सुख हो या दुख, हर्ष हो या विषाद हर तरह के अवसर पर साँवले-सलोने, रघुवंशी, आजानबाहु, धनुषधारी श्रीराम को याद करते हुए लोक-जीवन का पहिया घूमता है। जन्म, मुंडन, यज्ञोपवीत, शादी, ब्याह सभी संस्कारों के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीतों के नायक श्रीराम ही होते हैं। भक्ति मार्ग में उनकी महिमा लोक विश्रुत है। दीनदयाल श्रीराम भक्तों के संरक्षण के लिए कठिन से कठिन परिस्थिति में भी सदैव उपलब्ध रहते हैं। निर्बल के बल तो राम ही होते हैं। ऐसा करते हुए श्रीराम जाति वर्ग नहीं वास्तविक भक्ति और प्रेम को महत्व देते हैं। वे जहाँ सबके प्रति उन्मुक्त भाव से उदार रहते हैं स्वयं अपने से निर्लिप्त बने रहते हैं। राज-भवन हो या जंगल सर्वत्र हर परिस्थिति में स्थिर बुद्धि श्रीराम अपरिवर्तित और अविचल ही बने रहते हैं। उनकी मानुषी लीला की कथा को देखें तो यही लगता है उनको लक्षित कर मिथ्यारोपों की सदैव झड़ी-सी लगी रहती है। सतत संघर्ष के बीच बचपन से ही पग-पग पर उनकी परीक्षा होती रहती है।

श्रीराम का आदर्श चरित इस अर्थ में विलक्षण है कि उसमें स्वयं अपने उदाहरणों द्वारा ही मर्यादाओं की व्यावहारिक स्तर पर व्याख्या की जाती है। विधि और निषेध अर्थात क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए इसका स्पष्टीकरण कराते हुए मर्यादाएँ जीवन में संतुलन स्थापित करती हैं। यह कुछ वैसे ही है जैसे नदी के दो तट यह बताते हैं कि नदी की धारा कैसे मर्यादा का आदर करते हुए एक सीमा में ही बहे। नदी में बाढ़ आने पर उफनती नदी के निकट का सारा क्षेत्र जलमग्न हो जाता है और आसपास की फसल और जन जीवन को भी भारी नुकसान पहुंचता है। वैसे ही मर्यादाओं का उल्लंघन भी सामाजिक जीवन के लिए बड़ा घातक सिद्ध होता है। जब मर्यादाओं की सीमाएँ टूटती हैं तो सामान्य जन जीवन प्रतिबंधित और अस्त-व्यस्त हो जाता है। चूँकि सामान्य लोग श्रेष्ठ जनों या बड़ों का अनुगमन करते हैं इसलिए उच्च पदस्थ लोगों का यह दायित्व होता है कि वे न केवल मर्यादा का पालन करें बल्कि आवश्यकतानुसार नई मर्यादाओं को भी स्थापित करें। अतएव मर्यादा का हनन श्रीराम को किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इसके लिए वे कोई भी कष्ट उठाने के लिए और अपने किसी भी हित का त्यागने के लिए तैयार रहते हैं। अपने प्रिय जनों का साहचर्य सामान्य व्यक्ति के लिए बड़ा काम्य होता है। श्रीराम हैं कि राजपाट ही नहीं अपितु पूज्य पिता और परम प्रिय पत्नी दोनों का साहचर्य उन्हें खोना पड़ता है। उनको कई अवसरों पर दारुण वियोग सहन करना पड़ा। इन सब परिस्थितियों में वे अविचलित बने रहे और अपने कार्य और दायित्व के निर्वाह से कभी भी विमुख नहीं हुए।

मर्यादा सदैव पारस्परिक होती है और उसकी एक प्रमुख भूमिका समाज को बाँध कर सहेजने या कहें सुगठित और संगठित रखने की भी होती है। देश यह अनुभव कर रहा है कि मर्यादा के अभाव में कोई संगठन, विधानसभा या संसद सार्थक और सक्षम रूप से कार्य नहीं कर पाता है जिसका खामियाजा सबको भोगना पड़ता है। इसी प्रकार विभिन्न पदों से जुड़ी भूमिकाओं का पद की गरिमा के अनुसार समुचित निर्वहन भी आवश्यक है। आज स्वार्थ, मोह और छल-कपट का बाजार गर्म है। नीति-अनीति, सत्य-असत्य और न्यायझअन्याय आदि का कोई ध्यान रखे बगैर उच्च पदस्थ लोग भी विभिन्न प्रकार के भ्रष्ट आचरणों में लिप्त हो रहे हैं। यह दुखद है कि राजनीति, न्याय, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आए दिन आचरण की दृष्टि से कलुषित व्यवहार और मिथ्याचार की घटनाएँ अखबारों में लगातार सुर्खिय़ाँ बन रही हैं। इसी के साथ अपराधों की दुनिया का तेजी से विस्तार हो रहा है।

ऐसे विकट हो रहे सामाजिक परिवेश में राम की प्रतीति और अनुभूति मार्गदर्शक भी है और आश्वस्त भी करने वाली है। आज हमें अपने भीतर के राम को जगाने की और राममय होने की आवश्यकता है।

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं, चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति-देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटाने वाली होता है। नवरात्रि एक प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दशार्ता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनों के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते हैं। भारत में नवरात्रि अलग-अलग राज्यों में विभिन्न तरीकों और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती है। यह हमें बताती है कि इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है कि पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्हीं में से एक है नवरात्रि। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी-समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवें दिन एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन नौ लड़कियों की पूजा होती है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा के अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था।

दैनिक पंचांग

2 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.31 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.11 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.09 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.23 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.39 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.51 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.01 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.16 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.32 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	01.37 बजे से
		कुंभ	03.24 बजे से
		मीन	04.56 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 92 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 23.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 08.50 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 06.07 बजे तदनन्तर आयुष्मान 02.50 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 13.08 बजे तदनन्तर बालव 23.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 56'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872302
जूलियन दिन 2460767.5
कलियुग संवत् 5125
कल्यारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 03
विशेष लक्ष्मी पंचमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान दिल्ली हुए रवाना

बरहरवा : चार अप्रैल को 2025 को इंदिरा भवन नई दिल्ली में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सभी जिला अध्यक्षों के लिए एक संगठनात्मक बैठक एआईसीसी के द्वारा आयोजित किया गया है। इस बैठक को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संबोधित करेंगे। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भी इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। उक्त बैठक में शामिल होने के लिए साहिबगंज एवं पाकुड़ जिला के जिला अध्यक्ष मोहम्मद बरकतुल्लाह खान एवं श्रीकुमार सरकार आज आनंद विहार ट्रेन से मंगलवार को दिल्ली रवाना हुए। उक्त मौके पर विदा करने के लिए बरहरवा रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, प्रखंड महासचिव निताई सरकार, अजीज अंसारी, छोटेलाल रामानी, अब्दुल करीम, अहमद, दीपक कुमार, राजु महतो उपस्थित थे।

राजमहल एसडीओ ने भागवत कथा का फीता काट कर किया शुभारंभ

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड अंतर्गत सैदपुर पंचायत के कन्हैयास्थान इस्कॉन मंदिर परिसर में चैत्र नवरात्रि एवं रामनवमी के शुभ अवसर पर मंदिर के प्रांगण में सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल एसडीओ सदानंद महतो, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राजेश मंडल, तीनपहाड़ मंडल अध्यक्ष सागर मंडल, झामुमो पूर्व प्रखंड सचिव सुदर्शन पासवान, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष श्रवण मंडल, एडवोकेट दीनबंधु, को मंदिर समिति के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया एवं संयुक्त रूप से फीता काटकर भागवत कथा का शुभारंभ किया पूरे गांव में भक्तिमय का माहौल है। जानकारी के अनुसार कथावाचक पंडित विजय शंकर तिवारी अयोध्या कृष्ण की लीला के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। मौके पर मंदिर प्रबंधक कृष्ण कृपा सिंधु, वासुदेव मंडल, बिंदेश्वरी यादव, निहार रंजन मंडल, मनोज मंडल, प्रताप मंडल, आदि मंदिर समिति के सदस्य उपस्थित थे।

प्रकृति पर्व सरहुल की रही धूम, जगह-जगह हुए कार्यक्रम

पलामू : पलामू जिले में प्रकृति पर्व सरहुल धूम-धाम से मनाया गया। जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। नीलांबर-पीताम्बर विश्वविद्यालय एवं पलामू प्रमंडल आदिवासी छात्र के संयुक्त तत्वावधान में जीएलए कॉलेज स्थित जेएन दीक्षित छात्रावास अखाड़ा में मंगलवार को सरहुल पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। सबसे पहले पाहन इंद्रजीत उरांव द्वारा सखुआ डाली को विधि-विधान के साथ अखाड़ा में स्थापित किया गया एवं तर्पण अर्पित किया गया। ज्योति हॉस्टल की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. संजय बाड़ा ने स्वागत भाषण दियाा। सरहुल नृत्य प्रतियोगिता हुई, जिसमें आदिवासी बालिका छात्रावास प्रथम, ज्योति हॉस्टल द्वितीय, रेड़मा रेड़मा हॉस्टल एवं जेएन दीक्षित छात्रावास तृतीय स्थान रहे। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने सरहुल गीत प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. कैलाश उरांव ने सरहुल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति संरक्षण करने की बात की। ज्ञानचंद पांडेय ने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति का संरक्षण जरूरी है।

प्रकृति पूजा व नए साल की शुरूआत का प्रतीक है सरहुल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड के कल्याणचक रेलवे मैदान में मंगलवार को आदिवासी संघर्ष सरना समिति राजमहल एवं तालझारी द्वारा सरहुल पर्व मनाया गया जिसमे मुख्य अतिथि राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा और विशिष्ट अतिथि एसडीओ सदानंद महतो, एसडीपीओ विमलेश त्रिपाठी, सम्मानित अतिथि विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, जिप सदस्य सुष्मिता देवी, उपस्थित थे। आयोजन समिति ने स्वागत बुके सखुआ के फूल व डाली देकर किया गया, साथ ही अंग वस्त्र दे कर सम्मानित भी किया। सरना धर्म के विधि विधान से वृक्ष के नीचे पूजन किया गया जिसमें विधायक एवं पदाधिकारी शामिल हुए। प्रकृति की पूजा के उपरांत नववर्ष के आगमन को लेकर एक दूसरे को गुलाल लगाकर सरहुल की बधाइयां भी दी। कार्यक्रम शुभारंभ मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया जिसमे संतलाल तिग्गा ग्रुप द्वारा भजन गीत से शुरूआत किया गया। विधायक ने कहा कि सरहुल प्राकृति का पर्व है, यह पर्व प्राकृति व नए वर्ष के आगमन का प्रतीक है। जिसे हमारे आदिवासी समाज के लोग सखुवा के पेड़ में फूल आने पर सरहुल का पर्व मानते है। ये पर्व जल जमीन से जुड़ा है और यह प्राकृतिक का पर्व है। इससे पूर्व जमालपुर गांव में सरहुल का पूजा किया गया। उसके बाद पदयात्रा निकाली गयी। जिसमे सरना समुदाय के लोगो द्वारा पारंपरिक नृत्य करते हुए कल्याणचक रेलवे मैदान पहुंचे। इसके बाद सरना पूजा स्थल पर पारंपरिक पूजा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य सहित अन्य कार्यक्रम किया गया। मौके पर राजेश मंडल, सुखवा उरांव, दुखनी खाखा, दिलीप उरांव, राजेश बड़ा, माही टोप्पो, ललिता कुजूर, संतलाल तिग्गा,नेहरू टोप्पो,काशी उरांव, मशीह टुडू, सुनीता सोरेन, बंटी कुमार, विशाल कुमार, झगडू उरांव, श्रीकांत मंडल, भानु कुमार साहा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पिता ने की कुल्हाड़ी से मारकर पुत्र की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : पिता ने शराब के नशे में धुत होकर अपने ही पुत्र की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। घटना जिले के जामा थाना क्षेत्र के तरबंधा गांव की है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजीत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच घटना का जायजा लिया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय रमेश राय के रूप में हुई है। घटना को लेकर मृतक की पत्नी पंचवती देवी ने बताया कि देर रात में 50 वर्षीय मेरे ससुर मदन राय घर पर आया और पुरानी जमीन विवाद को लेकर झगड़ा करने लगा। इसी बीच गांव के लोग आये और समझा बूझा कर चले गये। उसके बाद फिर अचानक पिता मदन राय ने घर से कुल्हाड़ी निकाला और ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को ईलाज के लिए फूलों झानों मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर स्थिति को लेकर डॉक्टरों ने इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गयी। वहीं मामले को लेकर मंगलवार को थाना प्रभारी ने बताया कि घटना के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेजा गया है। घटना जमीन विवाद को लेकर बताया जा रहा है। घटना के बाद आरोपित पिता को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल में जुट गयी है।

प्रकृति पर्व सरहुल पर निकली शोभायात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : प्रकृति पर्व सरहुल पर पलामू जिले में मंगलवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। झांकी का भी प्रदर्शन किया गया। जिले के अलग-अलग प्रखंड क्षेत्र से निकाली गयी शोभायात्रा का समापन मेदिनीनगर के जिला स्कूल मैदान में शाम 7 बजे हुआ। शोभायात्रा में शामिल सरना समाज के लोग नाचते गाते नजर आए। छोटे बच्चे से लेकर बूढ़े तक में भारी उत्साह देखने को मिला। महिलाओं एवं युवतियों की संख्या अधिक थी। पलामू जिले के छतरपुर, चैनपुर, सतबरवा, सदर मेदिनीनगर समेत अन्य प्रखंड क्षेत्र में सरहुल को लेकर शोभायात्रा निकाली गयी। लोग पारंपरिक वेश भूषा एवं वाद्य यंत्रों के साथ शामिल हुए। इस दौरान पारंपरिक गीत भी गाए गए। अलग-अलग क्षेत्र से एक साथ शोभायात्रा के मेदिनीनगर पहुंचने से पूरा शहर प्रकतियम हो गया। हर तरह लाल एवं श्वेत वस्त्र धारण किए लोग नजर आए।

तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो की मौत, तीन घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र में हुई तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग दंपति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सरैयाहाट थाना क्षेत्र के कोठिया गांव के समीप ऑटो पलटने से ऑटो सवार थाना क्षेत्र के चिकनिया गांव निवासी 70 वर्षीय जगरनाथ ठाकुर की मौत मौके पर हो गई, जबकि उनकी पत्नी प्रेमलता देवी (62) को गंभीर स्थिति में देवघर रेफर किया गया। रास्ते उन्होंने ने भी दम तोड़ दिया। बुजुर्ग दंपति कोठिया हटिया से सब्जी लेकर ऑटो में सवार होकर घर लौट रहे थे। कुछ दूरी पर जाकर ऑटो पलट गई। लोगों ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बुजुर्ग जगरनाथ को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी प्रेमलता की गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में उन्होंने भी दम तोड़ दी। इसके अलावा थाना क्षेत्र के कोठिया में ही घटित एक अन्य सड़क दुर्घटना में थाना क्षेत्र के बाबूपुर गांव निवासी मुकेश यादव (27) और कैलाश मांझी (54) गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि दोनों हलवाई का काम करते हैं और किसी समारोह के लिए खाना बनाने का ऑर्डर लेकर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कोठिया के समीप बाइक एक ऑटो से टकरा गई। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीसरा घटना हंसडीहा थाना क्षेत्र के बढ़ेत गांव की है। यहां तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना में बाइक सवार अनील सोरेन निवासी ग्राम धमसूर थाना पोड़ैयाहाट घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मंगला जुलूस में शामिल हुए एसपी, सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ एसपी अजय कुमार मंगलवार को मंगला जुलूस में शामिल हुए। रामगढ़ जिले के विभिन्न स्थानों पर मंगलवार को निकले जुलूस में वे ना सिर्फ शामिल हुए, बल्कि कई स्थानों पर उसका नेतृत्व भी किया। उन्होंने सभी से सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की। एसपी ने बताया कि मंगला जुलूस के मार्गों पर कई समाजिक संगठनों द्वारा पेयजल की व्यवस्था की गई थी। गोलपार जामा मस्जिद के सामने मुस्लिम समुदाय के व्यक्तियों के द्वारा जुलूस पर पुष्प वर्षा की गई। सभी ने मिठाई खिलाकर आपस में गले मिलकर जुलूस का स्वागत किया और आपसी भाईचारे की बेहतरीन मिसाल पेश की। उन्होंने इस पहल की सराहना की है। एसपी के द्वारा आम जनता से अपील की गई कि त्योहार को शांतिपूर्वक एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी प्रकार के तथ्यहीन, भ्रामक, गलत सूचना, फोटो, वीडियो एवं आपत्तिजनक टिप्पणी सोशल मीडिया आदि पर शेयर व अपलोड करने से बचें। किसी भी अप्रिय घटना या असामाजिक गतिविधि से संबंधित सूचना मिलने पर अविलम्ब पुलिस को सूचित करें।

चैती छठ, चैती दुर्गा एवं रामनवमी विधि व्यवस्था को लेकर डीसी-एसपी ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से जिले की विधि-व्यवस्था से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि आगामी दिनों में रामनवमी, चैती नवरात्र, छठ पूजा आदि का आयोजन होना है। इसके लिए आवश्यक है कि जिलेभर में उचित विधि व्यवस्था का संधारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को अपने कर्तव्य क्षेत्र में उपस्थित एवं तत्पर रहने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारियों का दायित्व है कि क्षेत्र अंतर्गत संचालित सभी तरह के अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखें। पर्व के दौरान कोई भी अश्लीलता भरे गाना न बजने दें, इसका विशेष ध्यान रखें संबंधित पदाधिकारी। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन, अखाड़ा समितियां से बेहतर समन्वय बनाकर सभी पर्व-त्योहार को संपन्न कराते आए हैं। किसी भी अपुष्ट सूचना/अफवाह का स्थानीय प्रशासन अथवा जिला नियंत्रण कक्ष और वरीय अधिकारी से सत्यापन जरूर करायें। मेला स्थलों पर समर्पित दण्डाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। ड्रोन कैमरों से विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक अखाड़ा समिति से वॉलंटियर्स की सूची जरूर लें। सभी अखाड़ा, समिति, सभी वॉलंटियर को पहचान पत्र जरूर निर्गत करें। साथ ही सभी अखाड़ा, समिति, अपने वॉलंटियर्स की सूची फोन नंबर सहित स्थानीय थाना में उपलब्ध करा दें ताकि समन्वय बनाकर कार्य किया जा सके। सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था को लेकर सभी पदाधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया। सभी संवेदनशील स्थलों की लगातार निगरानी रखने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

महिला की हत्या में संलिप्त अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला की बीते दिनों शव मिलने से मुख्य आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार। इस घटना को लेकर आज 1 अप्रैल 2025 को सदर एसडीपीओ किशोर कुमार तिर्की ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि दिनांक 31 मार्च 2025 को करीब 8:00 बजे सूचना मिली कि बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत मोतीपहाड़ी गांव में एक महिला का शव पड़ा हुआ है। उक्त सूचना के आलोक में सनहा दर्ज करते हुए वरीय पदाधिकारी को सूचना देते हुए, घटनास्थल पर पहुंच कर शव का पहचान करते हुए, उक्त महिला का शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया गया। मृतक के मां के लिखित आवेदन के आधार पर बोरियो थाना कांड संख्या 25/25 दिनांक 31 मार्च 2025 धारा 103(1)/238 बीएनएस दर्ज किया गया। कांड के अनुसंधान के क्रम में कांड की प्राथमिकी अभियुक्त गोडो उर्फ गुडों उर्फ जंजा सोरेन उम्र करीब 30 वर्षीय पिता स्वर्ग सिविल उर्फ जोलहा सोरेन स्थाई पता मोतीपहाड़ी मांझी टोला बोरियो, वर्तमान पता मोर्चा नवाडीह बड़ा बोआरीजोर, थाना बोआरीजोर, जिला गोड्डा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के द्वारा कारित अपराध को स्वीकार किया गया। अनुसंधान के क्रम में अभियुक्त का मोबाइल मृतका के घर से बरामद किया गया। अभियुक्त को पुलिस ने चिकित्सा जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। छापामारी दल में पुअनि पंकज वर्मा थाना प्रभारी बोरियो थाना, पुअनि जियालाल किस्कू, सअनि प्रभाशंकर दुबे, हवलदार धर्मेंद्र मड़ेया, आरक्षी चंद्रप्रकाश दुबे शामिल थे।

बिन्दुवासिनी मंदिर में शतचंडी महायज्ञ का होगा आयोजन

बरहरवा : बरहरवा प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बिंदुधाम मंदिर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर कलश स्थापना के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जा रही है। इस अवसर पर पूरा परिसर या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः के मंत्रोच्चार से गूंज रहा है। चारों ओर माता बिंदुवासिनी और दुर्गा माता के जयकारे गूंज रहे हैं। बच्चे, वृद्ध, युवा, महिलाएं और पुरुष सभी माता की भक्ति में लीन हैं। चैत्र नवरात्र की पंचमी को मंदिर में शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ हो रहा है। बिंदुधाम मंदिर प्रबंध समिति ने महायज्ञ की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। समिति के पूजा प्रभारी विक्रम शर्मा ने बताया कि महायज्ञ शुरू करने से पहले सभी आचार्यों और वर्णित ब्राह्मणों का पंचांग पूजन, ब्राह्मण वरण, मंडप प्रवेश और रुद्राभिषेक के उपरांत अग्नि प्रवेश कराया जाएगा। इस यज्ञ के दौरान भक्तगण यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर अपने परिवार और समाज के कल्याण की कामना करते हैं। बनारस से आए चार विद्वान आचार्य, विधि-विधान से होगा महायज्ञ बिंदुवासिनी मंदिर में बरहरवा सहित विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु माँ की पूजा-अर्चना करने और अपनी मनोकामनाएं मांगने आते हैं। चैत्र नवरात्र के अवसर पर यहाँ वर्ष 1961 से शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस परंपरा की शुरूआत पहाड़ी बाबा ने की थी, और तब से यह यज्ञ निरंतर होता आ रहा है। भक्तजन यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर अपनी इच्छाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। इस वर्ष महायज्ञ में बनारस के चार प्रमुख आचार्य संतेश्वर मिश्रा, ब्रह्मा परमानंद तिवारी, आचार्य सत्येंद्र पांडेय और आचार्य विमल पांडेय शामिल हो रहे हैं। इनके अलावा, 17 अन्य वर्णित ब्राह्मण भी इस यज्ञ में आहुति देंगे। श्रद्धालुओं के लिए भव्य रूप से सजाया गया बिंदुवासिनी मंदिर बिंदुधाम प्रबंध समिति ने इस वर्ष चैत्र नवरात्र की विशेष पूजा-अर्चना के लिए भव्य तैयारियाँ की हैं। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक रूप में सजाया गया है। मंदिर के पश्चिमी द्वार पर एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया है, वहीं श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष सेल्फी स्टैंड भी बनाया गया है, जहाँ लोग तस्वीरें खींचकर अपनी धार्मिक यात्रा की यादें संजो रहे हैं। यहां लगने वाला शतचंडी महायज्ञ और एक माह तक चलने वाला रामनवमी मेला दूर-दराज से भक्तों को आकर्षित करता है। झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु मां बिंदुवासिनी के दर्शन के लिए यहाँ पहुंचते हैं। मंदिर प्रबंधन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन और दिनेश कर्मकार ने बताया कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली गयी हैं।

अगलगी पीड़ित परिवार को प्रखंड प्रमुख ने दी आर्थिक मदद

साहिबगंज/बरहेट : प्रखंड क्षेत्र के लोगाय गांव में बीते दिनों तालामय हेंब्रम का घर आग लगने से पूरा घर जलकर राख हो गया था। मंगलवार को झामुमो प्रखंड अध्यक्ष का प्रमुख बोर्नाड मरांडी, जिला परिषद सदस्य जेठा मुर्मू, मुखिया सह नेता देव सोरेन, समदा सोरेन ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार से मिलकर घटना की जानकारी ली। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बोर्नाड मरांडी ने पीड़ित परिवार को कपड़ा, 50 किलो चावल, बर्तन, दाल, सब्जी, तेल, आदी राहत सामग्री के अलावा कुछ राशि पीड़ित परिवार को दिया। साथ ही आपदा प्रबंधन से मिलने वाले लाभों को लेकर लाभ दिलाने का आशवासन दिया। मौके पर झामुमो सक्रिय कार्यकर्ता समदा सोरेन, लड्डू भगत, नीमा चंद मुर्मू, राकेश बेसरा, बाबूराम हेंब्रम, चुन्नू मरांडी, दुर्गा सोरेन, सफल हांसदा के अलावा दर्जनों लोग मौजूद थे।

धूमधाम से मनाया गया सीआरपीएफ 94 बटालियन का स्थापना दिवस

खूंटी : केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 94 बटालियन का 38वां स्थापना दिवस मंगलवार को सीआरपीएफ के तजना स्पोर्ट्स कंपलेक्स स्थित मुख्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस वाहिनी की स्थापना एक अप्रैल 1988 को भुवनेश्वर ओडिशा में हुई थी। बटालियन के स्थापित होने के बाद यह बटालियन देश के विभिन्न राज्यों जैसे नागालैंड, पंजाब, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली में तैनात रही है। मार्च 2010 से यह बटालियन नक्सल विरोधी ऑपरेशन ड्यूटी के लिए झारखंड के खूंटी जिले में तैनात है। अपनी कार्य योजना को धरातलीय रूप देकर इस वाहिनी ने कई यह अभूतपूर्व सफलताएं अर्जित की हैं। समय-समय पर इस वाहिनी की ओर से विशेष अभियानों का संचालन किया जाता रहा है। खूंटी जैसे अतिसंवेदनशील जिले में शांति स्थापना कायम करने में इस वाहिनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्थापना दिवस के अवसर पर कमांडेंट विनोद कुमार ने सीआरपीएफ के शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएफ ऑटो-क्लेम लिमिट बढ़कर हुई 5 लाख

- क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है, जिसमें पीएफ निकासी की ऑटो सेटलमेंट लिमिट को 5 लाख रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी। नए बदलाव के तहत ईपीएफओ के सदस्य अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी पीएफ ऑटो-क्लेम की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही उपलब्ध थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 113वीं बैठक में लिया गया था जो 28 मार्च को श्रीनगर में हुई थी। सीबीटी से मंज़ूरी मिलने के बाद, यह सुविधा जल्द ही शुरू हो जाएगी और कर्मचारी आसानी से अपना पीएफ निकाल सकेंगे। इसके साथ ही अब 95 फीसदी क्लेम ऑटो-प्रोसेस होंगे और कर्मचारियों को पीएफ का पैसा तुरंत मिलेगा।

ईपीएफओ के अनुसार, इस कदम से कागजी कार्यवाही कम होगी और भविष्य निधि निकालने की प्रक्रिया भी तेज होगी। इस नए बदलाव के तहत, सदस्य यूपीआई और एटीएम के माध्यम से मई या जून के अंत तक तत्काल पीएफ निकाल सकेंगे। श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि सदस्य सीधे यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अपना पीएफ बैलेंस भी देख सकेंगे और बिना किसी देरी के अपने पसंदीदा बैंक खातों में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। यह नए बदलाव कर्मचारियों के लिए जरूरत के समय अपने पैसे तक पहुंचने में मदद करेगा।

सीएनजी के बढ़ सकते हैं भाव, सरकार ने बढ़ाई नेचुरल गैस की कीमतें

- एपीएम गैस की कीमत 6.50 डॉलर प्रति यूनिट बढ़ाकर 6.75 डॉलर प्रति यूनिट

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने प्रशासित मूल्य प्रणाली (एपीएम) के दायरे में आने वाले पुराने क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत में 4 प्रतिशत बढ़ा दी है। इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस सीएनजी, बिजली और उर्वरक के उत्पादन के लिए प्रमुख कच्चा माल है, जिससे एपीएम गैस के दाम बढ़ने से सीएनजी भी महंगी हो सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की एक अधिसूचना में कहा गया है कि एपीएम गैस की कीमत एक अप्रैल से 6.50 डॉलर प्रति यूनिट (एमएमबीटीयू) से बढ़कर 6.75 डॉलर प्रति यूनिट कर दी गई है। एपीएम गैस सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) द्वारा उन क्षेत्रों से उत्पादित की जाती है, जो उन्हें नामांकन के आधार पर दिये गये थे। इन क्षेत्रों से उत्पादित गैस का उपयोग कच्चे माल के रूप में पाइप के जरिये रसोई गैस (पीएनजी) के साथ-साथ वाहन चलाने के लिए सीएनजी और उर्वरक तथा बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। यह दो साल में एपीएम गैस की कीमत में पहली वृद्धि है।

अप्रैल, 2023 से पहले, प्रशासित मूल्य तंत्र (एपीएम) व्यवस्था के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमत एक फार्मूले के आधार पर छमाही आधार पर निर्धारित की जाती थी। यह निर्धारण चार गैस व्यापार केंद्रों पर औसत अंतरराष्ट्रीय कीमतों के आधार पर फॉर्मूले के तहत होता था। एपीएम गैस की हिस्सेदारी कुल घरेलू गैस उत्पादन में 70 प्रतिशत है। एपीएम गैस शहर के गैस वितरकों को सीएनजी और घरों में पाइप के जरिये रसोई गैस की आपूर्ति के लिए प्रदान की जाती है। यह उनकी बिक्री मात्रा का 60 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, अब रिसिप्रोकल टैरिफ की बारी अमेरिका

- डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से लागू कर सकता है एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी

नई दिल्ली । व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाता है, और कनाडा अमेरिकी मक्खन और चीज़ पर लगभग 300 फीसदी शुल्क वसूलता है। इससे अमेरिकी उत्पादों का इन बाजारों में आयात करना लगभग असंभव हो जाता है और बीते कई दशकों में इससे कई अमेरिकी व्यवसाय बंद हुए हैं और लोगों की नौकरियां चली गई हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित रिसिप्रोकल टैरिफ नीति के लागू होने में सिर्फ एक दिन बाकी है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क अमेरिकी उत्पादों को उन देशों में निर्यात करना लगभग असंभव बना देते हैं। ट्रंप ने भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी सामान पर लगाए जाने वाले ऊंचे टैरिफ की बार-बार आलोचना की है। कैरोलिन लेविट ने कहा 'के दुर्भाग्य से इन देशों ने बहुत लंबे समय से हमारे देश का शोषण किया है और मुझे लगता है कि उन्होंने अमेरिकी कामगारों के प्रति अपनी उपेक्षा को बहुत साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर आप अनुचित व्यापार प्रथाओं को देखें यूरोपियन यूनियन अमेरिकी डेयरी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाता है, जापान अमेरिकी चावल पर 700 फीसदी तक का शुल्क लेता है। डॉनल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से एक नई 'रिसिप्रोकल टैरिफ' पॉलिसी लागू करने की योजना बनाई है, जिसे वह अमेरिका के लिए मुक्ति दिवस बता रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल से रिसिप्रोकल टैरिफ पॉलिसी बिना किसी अपवाद के सभी देशों पर लागू होंगे।

एआई विस्तार के लिए ओपनएआई 40 अरब डॉलर जुटाएगा

- फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा

नई दिल्ली । आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) सेक्टर की प्रमुख कंपनी ओपनएआई ने घोषणा की कि वह 300 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर 40 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाने पर' विचार कर रही है। इस फंडिंग राउंड का नेतृत्व जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक ग्रुप करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस फंडिंग का उद्देश्य एआई रिसर्च को आगे बढ़ाना, कंप्यूटेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और कंपनी के टूल्स को और बेहतर बनाना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस राउंड में कुल निवेश का 75 प्रतिशत हिस्सा सॉफ्टबैंक की ओर से आएगा।

बाकी की राशि माइक्रोसाफ्ट, कोटक मैनेजमेंट, ऐ ल्टिमेटर कैपिटल और थ्राइव कैपिटल जैसे निवेशकों द्वारा दी जाएगी। ओपनएआई ने कहा है कि वह हर हफ्ते चेटजेपीटी का इस्तेमाल करने वाले 50 करोड़ यूजर्स के लिए और भी पावरफुल टूल्स उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर को लेकर निवेशकों का उत्साह तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह चैटबॉट्स का व्यापक उपयोग और एडवांस एआई एजेंट्स का उभरना है। कंपनियों ने अपने कामकाज को अधिक सुचारु बनाने और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर करने के लिए एआई सॉल्यूशंस को अपनाना शुरू कर दिया है। वहीं वेंचर कैपिटल फर्म उभरते हुए होनहार एआई स्टार्टअप्स में निवेश के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। सैन फ्रांसिस्को स्थित ओपनएआई ने पिछले अक्टूबर में 6.6 अरब डॉलर की फंडिंग राउंड पूरी की थी, जिसमें कंपनी का मूल्यांकन 157 अरब डॉलर हुआ था। नई फंडिंग राउंड कंपनी के वैल्यूएशन को लगभग दोगुना कर देगी।

इंडसइंड बैंक में सरकारी बैंकों का निवेश, सीडी बाजार का सहारा लिया

- नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा

नई दिल्ली । बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्दा उभरा है जब इंडसइंड बैंक ने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ियां पाने के इस्तीफे के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसइंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरदार प्रतिशत दरों के साथ। इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसइंड के सीडी पर जिन दरों की पेशकश की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, खासकर उनको उधारी की लागत को कम करने में मदद मिली।

हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गड़बड़ियों ने लोगों को चौंकाया, जिससे उसके नेटवर्थ में 2.35 प्रतिशत का विपरीत असर पड़ा है। इससे वह धन जुटाने के लिए उसकी सीडी को सबस्क्राइब करने वाले इन्वेस्टर्स भी परेशान हो रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर में इस असमंजस का मामला गहराता जा रहा है, क्योंकि इंडसइंड बैंक के इस चिंताजनक परिस्थिति ने सरकारी बैंकों को चुनौती दी है।

अब देखना होगा कि कैसे इन संघर्षों का हल निकलता है और बैंकिंग सेक्टर का कैसा होता है प्रभाव।

ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया

नई दिल्ली । पिछले माह मार्च में में ओला इलेक्ट्रिक ने 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया। कंपनी बयान के अनुसार, दैनिक पंजीकरण की संख्या और लंबित आपूर्ति निपटान में लगातार सुधार हो रहा है। इसमें कहा गया कि हमने फरवरी की लंबित आपूर्ति का लगभग निपटान कर दिया है। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च में पंजीकृत अन्य वाहनों की आपूर्ति अप्रैल 2025 तक कर दी जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने मार्च 2025 में अपने 'जेन-3' खंड की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। मार्च में उत्पादन बढ़ा दिया था। तेज आपूर्ति और बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए अप्रैल में इसे और बढ़ाना जारी रखेंगे।

एसबीआई का सर्वर हुआ ठप्प, पैसे ट्रांसफर, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सभी में आ रही दिक्कतें

नई दिल्ली । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की सेवाएं मंगलवार को अचानक ठप हो गई हैं। अचानक आई दिक्कत के चलते यूजर्स को पैसे ट्रांसफर करने, मोबाइल बैंकिंग करने और एटीएम तक की सेवाएं यूज करने में दिक्कत आई। इस पर एसबीआई ने बयान में इस दिक्कत का जिक्र किया है। बैंक ने बताया कि एनुअल क्लोजिंग गतिविधि के चलते इसकी सेवाएं दोपहर 1 बजे से लेकर शाम के 4 बजे तक प्रभावित रहेंगी। एसबीआई ने बताया है कि 1 अप्रैल को इसकी सेवाएं प्रभावित रहने के दौरान यूजर्स को यूपीआई लाइट और एटीएम यूज करने की सलाह दी जाती है। प्लेटफॉर्म्स और वेबसाइट्स के डाउनटाइम को मॉनीटर करने वाली सेवा ने बताया है कि सैकड़ों यूजर्स ने इस बारे में रिपोर्ट किया और कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा। रिपोर्ट करने वाले ज्यादातर यूजर्स को मोबाइल बैंकिंग के दौरान दिक्कत आई। वहीं, करीब 31 प्रतिशत को फंड्स ट्रांसफर करने में परेशानी हुई। साथ ही एटीएम सेवाएं भी कई यूजर्स के लिए प्रभावित हुई हैं। फिलहाल, बैंक की ओर से जारी बयान के मुताबिक शाम के बाद सेवाएं पहले की तरह ठीक से काम करने लगेंगी।

सोने के दामों में 38 फीसदी तक गिरावट की संभावना

- 55,496 रुपये प्रति 10 ग्राम हो जाएगा भाव!

नई दिल्ली । हाल ही में विशेषज्ञों का कहना है' कि आगामी महीनों में सोने की कीमतें 38 फीसदी तक गिर सकती हैं, जो एक बड़े परिवर्तन के संकेत हो सकता है। यह गिरावट के पीछे की वजह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में बदलाव, केंद्रीय बैंकों की नीतियों का संभावित परिवर्तन, और अमेरिकी डॉलर की मजबूती हो सकती है। भारत में, 31 मार्च को 24 कैरेट सोने का भाव 89,510 रुपये प्रति 10 ग्राम था। अगर यहां 38% की गिरावट आती है, तो यह घटकर 55,496 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। एक अमेरिकी वित्तीय सेवा कंपनी के विश्लेषक जॉन मिल्स का कहना है कि सोने की कीमत 1,820 डॉलर प्रति औंस तक गिर सकती है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 38 फीसदी कम होगा। इसके अतिरिक्त, सोने की बढ़ती सप्लाई भी एक महत्वपूर्ण कारक हो सकती है। जब सोने की कीमतें अधिक होती हैं, तो खनन कंपनियां अधिक सोना निकालने लगती हैं। 2024 की दूसरी तिमाही में सोने की खनन कंपनियों का औसत मुनाफा 950 डॉलर प्रति औंस था, जो 2012 के बाद सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही पुराने सोने का भी बड़े पैमाने पर पुनः उपयोग किया जा रहा है, जिससे बाजार में सोने की आपूर्ति बढ़ रही है। इससे कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। पिछले कुछ सालों में, केंद्रीय बैंक और निवेशक सोने की खरीदारी कर रहे थे, लेकिन अब उनकी इसमें कमी दिख रही है। 2024 में, केंद्रीय बैंकों ने 1,045 टन सोना खरीदा, लेकिन अधिकांश ने यह संकेत दिया है कि वे अगले साल अपनी गोल्ड होल्डिंग्स घटा सकते हैं। यह सुझाव देता है कि भविष्य में सोने की मांग कम हो सकती है, जिससे कीमतों पर असर पड़ सकता है। 2024 में, सोने के उद्योग में सौदों में 32 फीसदी का इजाफा हुआ है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि गोल्ड प्राइस अपने शिखर पर हो सकता है। क

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1390 , निफ्टी 353 अंक टूटा

निवेशकों के 4 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी के साथ ही नये वित्त वर्ष की शुरुआत खराब रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1390.41 अंक करीब 1.80फीसदी की बड़ी गिरावट लेकर 76,024.51 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 353.65 अंक तकरीबन 1.50 फीसदी टूटकर 23,165.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 24 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा गिरावट बजाज फिनसर्व में देखने को मिल रही है। इसके अलावा इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में थे।

वहीं इंडसइंड बैंक का 5 फीसदी से ज्यादा की बढ़त लेकर कारोबार कर रहा था। साथ ही जोमाटो, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड के शेयर लाभ में रहे।

बाजार में आई गिरावट से निवेशकों को बड़ा नुकसान हुआ है। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 4,09,64,821 करोड़ रुपये पर आ गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 41,375,586.20 करोड़ रुपये था। इस तरह इसमें आज 4,10,765 करोड़ रुपये की कमी आई।

इससे पहले ऐसी गिरावट चार साल पहले 2020-21 में आई थी। शेयर बाजार में आई गिरावट इसलिए आयी क्योंकि भारतीय

शेयर बाजार वैश्विक बाजारों के साथ-साथ अमेरिका के टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद सतर्कता बरत रहा था।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि 2 अप्रैल से बराबरी के शुल्क बिना किसी अपवाद के सभी देशों पर लागू होंगे। ट्रंप ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार करार के लिए शुल्क रियायत पर बातचीत कर रहे हैं।

मंगलवार सुबह एशियाई बाजारों में मजबूती देखने को मिली। वॉल स्ट्रीट में रात भर हुए सुधार का असर एशियाई बाजारों पर भी पड़ा। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.6 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.34 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.92 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला था। सेंसेक्स 326 अंक की गिरावट के साथ 77,088 और निफ्टी 64 अंक की गिरावट के साथ 23,454 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में गिरावट की वजह 2 अप्रैल से अमेरिका द्वारा अपने ट्रेडिंग पार्टनर देशों पर लगाए जाने वाले जवाबी टैरिफ को माना जा रहा है।

बैंकों की वार्षिक खाताबंदी के कारण मुद्रा, बॉण्ड बाजार बंद

मुंबई । बैंकों की वार्षिक खाता बंदी के कारण मंगलवार 1 अप्रैल को मुद्रा और बॉण्ड बाजार बंद हैं। कमजोर एशियाई मुद्राओं तथा स्थानीय कंपनियों की ओर से मजबूत डॉलर मांग के दबाव में भारतीय रुपया पिछले कारोबारी दिन 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 83.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री मार्च में 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई

नई दिल्ली । मीडिया साइज की मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की मार्च में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 75,551 इकाई रही थी। रॉयल एनफील्ड ने मंगलवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री पिछले महीने 88,050 इकाई रही, जो मार्च 2024 की 66,044 इकाई से 33 प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी 36 प्रतिशत बढ़कर 12,971 इकाई हो गया, जबकि मार्च 2024 में यह 9,507 इकाई रहा था। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में उसने 10 लाख इकाई का आंकड़ा पार करते हुए अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री दर्ज की। वित्त वर्ष 2024-25 में उसकी कुल बिक्री 10,09,900 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2023-24 की 9,12,732 इकाई से 11 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू बिक्री 9,02,757 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की 8,34,795 इकाई से आठ प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़कर 1,07,143 इकाई हो गया। रॉयल एनफील्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह वर्ष रॉयल एनफील्ड के लिए बेहतरीन रहा है। वार्षिक बिक्री में 10 लाख का आंकड़ा पार करना इस बात का प्रमाण है कि हमने क्या कुछ हासिल कर लिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने उपभोक्ता संरक्षण की मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई

- ग्राहक सेवाओं में सुधार करने की मिशन को बढ़ावा देने का भी आश्वासन दिया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को आरबीआई की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह में वित्तीय स्थिरता और दक्षता के बीच संतुलन कायम करने के लिए विनियामक ढांचे को लचीला बनाने के साथ-साथ उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता का समर्थन किया। गवर्नर ने आरबीआई की भूमिका को बढ़ावा देते हुए कहा कि उसके लक्ष्य हमेशा से से ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से विस्तारित हो गए हैं। मल्होत्रा ने भविष्य में भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे को अगले दशक में महत्वपूर्ण तरीके से आकार देने के लिए प्रतिबद्धता जताई। आरबीआई वित्तीय समावेश को बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्राहक सेवाओं में सुधार करने की मिशन को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया और एक लचीले नियामक ढांचे की आवश्यकता को उजागर किया। गवर्नर ने आरबीआई का सभी संस्थानिक नियामकों, सरकारों और वित्तीय क्षेत्र के साथ सहयोग करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने वित्तीय प्रणाली में सुधार के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया और उभरते आर्थिक परिदृश्य में आरबीआई की लचीलेपन को बढ़ाने का प्रयास किया। गवर्नर ने आरबीआई के दृढ़ संकल्प की ज़ोरदारी से व्यक्त करने की प्रतिज्ञा की और संस्था को हमेशा उत्कृष्टता की दिशा में ले जाने का आश्वासन देते हुए कहा कि एक लचीले, पारदर्शी और सर्वव्यापी भावना में उभरी हुई आरबीआई भारत की आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गिरते बाजार में इस ज्वैलरी कंपनी के शेयर ने की बंपर कमाई

मुंबई । नए वित्तीय साल के पहले दिन शेयर बाजार में काफी गिरावट दिखाई दी है। लेकिन गिरावट के बीच तमिलनाडु की कंपनी थान्गामायिल ज्वैलरी के शेयरों में भारी उछाल आया है। इसका कारण कंपनी के प्रमोटरों ने गिरवी रखे शेयर छुड़ा लिए। इससे शेयर की कीमत 2 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गई। बीएसई पर कारोबार के दौरान शेयर की कीमत 2,054.35 तक पहुंच गई। यह स्मॉल-कैप स्टॉक एक साल में 59 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि दो साल में शेयर ने 315 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। बीते पांच साल में इसके शेयर 1,750 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। पिछले दस साल में यह मल्टीबैगर स्टॉक 2,000 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गया है। यह कंपनी रिटेल ज्वैलरी चेन चलाती है और राज्य के कई शहरों में स्टोर चलाती है। थान्गामायिल ज्वैलरी ने बताया कि उसके प्रमोटरों के बैंक के पास गिरवी रखे सभी शेयरों को छुड़ा लिया है। इसका मतलब है कि अब कंपनी के मालिक बिना किसी रोक-टोक के इन शेयरों का इस्तेमाल कर सकते हैं। कंपनी के अनुसार ये शेयर वर्किंग कैपिटल फाइनेंस यस बैंक के पास गिरवी रखे गए थे। दिसंबर 2024 तिमाही के अंत में प्रमोटरों के पास 1,68,13,189 शेयर थे। यह कंपनी की 61.27 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार बाकी 1,06,25,975 शेयर यानी 38.73 प्रतिशत हिस्सेदारी पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास थी।

ब्रॉडबैंड यूजर्स टेलीकॉम कंपनियों की सेवाओं से नाराज

- ऑपरेटर बदलने की फिराक में

नई दिल्ली । इंटरनेट कनेक्शन में आ रही परेशानियों के कारण ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने वाले 62 फीसदी यूजर्स अपने टेलीकॉम ऑपरेटर्स से नाराज हैं। वह ऑपरेटर बदलना चाहते हैं। ब्रॉडबैंड कनेक्शन में फाइबर और डिजिटल सब्सक्राइबर दोनों शामिल है। इंटरनेट कनेक्शन में बार-बार रुकावट आने और कम स्पीड मिलने की शिकायत लगभग सभी उपभोक्ता कर रहे हैं। सोशल मीडिया कम्युनिटी प्लेटफार्म पर किए गए एक सर्वे की रिपोर्ट में,उजागर हुआ है। 66 फीसदी उपभोक्ता अपने सर्विस प्रोवाइडर को बदलना चाहते हैं। सर्विस प्रोवाइडर, उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद भी शिकायतों का निवारण नहीं करते हैं। 36 फीसदी उपभोक्ताओं को शिकायत थी। हर महीने उन्हें इसी तरीके की शिकायतों से गुजरना पड़ता है। ऑपरेटर उस पर ध्यान नहीं देते हैं।

नीतीश के एम.एल.सी गुलाम गौस बोले- वक्फ बिल सही नहीं

किसान बिल की तरह इसे भी वापस ले लें, पूछा-क्या मुझे महावीर मंदिर का मेंबर बनाएंगे

पटना। बिहार में वक्फ संशोधन बिल पर सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी और जदयू MLC गुलाम गौस वक्फ संशोधन बिल का विरोध किया है। गुलाम गौस का मानना है कि वक्फ संशोधन बिल सही नहीं है। इसे किसान बिल की तरह ही वापस लेना चाहिए। भाजपा मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने कहा कि 'गुलाम गौस वक्फ बोर्ड के दलालों के साथ खड़े हैं। गुलाम गौस के जैसे चंद और लोग जिनकी मानसिकता वैसे ही हैं, जो तीन तलाक, आर्टिकल 370 का विरोध कर रहे थे। ईद पर आरजेडी सुप्रीमो से हुई थी मुलाकात गुलाम गौस ने सोमवार को ईद के दिन राबड़ी आवास पहुंचकर आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद कहा था, 'लालू यादव से अच्छे संबंध रहे हैं। रमजान का महीना पाक साफ महीना होता है।' 'बुराइयों के खिलाफ लड़ना और अपने मन को पाक साफ रखना ही असली जिहाद होता है। हम लोग एक दूसरे से अक्सर मिलते जुलते हैं, ईद हो या होली-दशहरा। इसको राजनीतिक एंगल न दें।' मांझी बोले- वक्फ बिल सही, ये लोग मुस्लिम विरोधी वहीं, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने वक्फ संशोधन बिल को सही बताया है। मांझी ने कहा, 'वक्फ बिल कल सदन में पेश किया जाएगा। हमारा मानना है कि जिस प्रकार से 370 लाया गया था, तब भी सब सवाल उठा रहे थे, लेकिन आज सब 370 को समझ रहे हैं।' 'उसी प्रकार से तीन तलाक का मामला था। सब कह रहे थे कि ये मुसलमान विरोधी है, लेकिन आज इस तीन तलाक से सभी मुस्लिम महिलाएं कितनी सशक्त हुई हैं, ये आज पूरा देश जानता है। ठीक उसी तरह से वक्फ बिल लाया जा रहा है।' पटना में पिछले बुधवार (26 मार्च) को गर्दनीबाग में मुस्लिम संगठनों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को फखरुऊ का समर्थन मिला। धरनास्थल पर फखरुऊ सुप्रीमो लालू यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पहुंचे।लालू यादव ने कहा- 'गलत हो रहा है। सरकार को देखना चाहिए। हम इसके विरोध में हैं। किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। नीतीश कुमार उन लोगों के साथ हैं, वो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं? जनता सब समझ रही है।' वहीं, सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा- 'किसी भी कीमत पर नागपुरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। आप लोगों की लड़ाई में मजबूती से हम साथ हम खड़े हैं। आप लोग एक कदम चलिएगा तो हम चार कदम चलेंगे।' 'इस कानून को रोकने का काम करेंगे। कुछ लोग साजिश कर रहे हैं। देश को तोड़ने का काम किया जा रहा है।' वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'हम संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रहे हैं।'सुप्रीम कोर्ट के वकील विराग गुप्ता बताते हैं कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड एक्ट में करीब 40 बदलाव करना चाहती है। सरकार इस कानून में इन 5 वजहों से बदलाव करना चाहती है1. वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की एंट्रीः वक्फ बोर्ड में अब दो सदस्य गैर-मुस्लिम होंगे। इतना ही नहीं, बोर्ड के सीईओ भी गैर मुस्लिम हो सकते हैं।2. महिला और अन्य मुस्लिम समुदाय का पार्टिसिपेशन बढ़ानाः कानून बदलकर वक्फ में महिलाओं का पार्टिसिपेशन बढ़ाया जाएगा। सेक्शन-9 और 14 में बदलाव करके केन्द्रीय वक्फ परिषद में दो महिलाओं को शामिल करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा नए बिल में बोहरा और आगाखानी मुस्लिमों के लिए अलग से वक्फ बोर्ड बनाए जाने की बात भी कही गई है।बोहरा समुदाय के मुस्लिम आमतौर पर व्यवसाय से जुड़े होते हैं। जबकि आगाखानी इस्माइली मुसलमान होते हैं, जो न तो रोजा रखते हैं और न ही हज जाते हैं।3. बोर्ड पर सरकार का कंट्रोल बढ़ानाः भारत सरकार कानून बदलकर वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर कंट्रोल बढ़ाएगी।

चलती ट्रक में लगी आग; ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

किशनगंज। में मालदा से आ रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। घटना सामवार रात करीब 3 बजे की है। घटना ठाकुरगंज साबोडांगी क्षेत्र की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि ट्रक में प्लास्टिक कप, पाइप और अन्य सामान लदा हुआ था। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते ट्रक जलकर पूरी तरह राख हो गया। वहीं ट्रक में आग लगा देख चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई।

स्थानीय निवासी गुलाम ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड और स्थानीय प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही दोनों टीमें मौके पर पहुंच गईं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। प्रशासन ने आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

युवक का अपहरण नाकाम सीसीटीवी में वारदात कैद

बगहा। धनहा थाना क्षेत्र स्थित बंसी चौक पर रविवार देर शाम एक युवक के अपहरण की कोशिश नाकाम हो गई। अपराधियों ने युवक से मारपीट की और जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों की भीड़ को देख आरोपी फरार हो गए। पूरी वारदात चौक स्थित होटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई में जुटी है। ग्रामीण चिकित्सक डॉ. डी.पी. यादव के बेटे सुंदरम यादव उर्फ विशाल यादव अपने दोस्तों के साथ बंसी चौक स्थित मिठाई की दुकान पर पहुंचे थे। वहां उनकी बातचीत एक अन्य व्यक्ति से हो रही थी। इसी दौरान हथियारों से लैस करीब आधा दर्जन अपराधी कार से पहुंचे और युवक पर हमला कर दिया।गाड़ी में जबरन बैठाने की कोशिश हमलावरों ने युवक को मारपीट कर जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की, लेकिन चौक पर मौजूद ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति बिगड़ती देख अपराधी युवक को छोड़कर भाग निकले। घटना की पूरी तस्वीर होटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस अब फुटेज के आधार पर अन्य अपराधियों की पहचान करने में जुटी है।पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई घटना के बाद सुंदरम यादव ने थाना में आवेदन देकर तीन लोगों को नामजद करते हुए करीब आधा दर्जन अपराधियों पर एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए विभिन्न इलाकों से छह संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। एसडीपीओ कुमार देवेंद्र ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह वर्चस्व को लेकर दो पक्षों की लड़ाई का मामला प्रतीत हो रहा है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ जारी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तारी करेगी।

राजगीर में अनोखे पक्षी 'अस्कल' का आसानी से करें दीदार

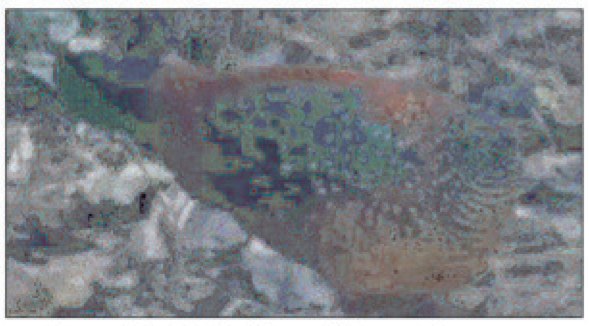

नालंदा। राजगीर वन्यजीव अभयारण्य में घूमने वाले पर्यटकों और पक्षी प्रेमियों के लिए एक खास आकर्षण है 'अस्कल'। एक ऐसा खूबसूरत पक्षी जो सिर्फ भारत में ही पाया जाता है। स्थानीय लोग इसे 'अस्कल मुर्ग' के नाम से जानते हैं, जबकि इसका अंग्रेजी नाम 'स्पर फाउल' है, जो इसके पैरों पर मौजूद विशेष कटिदार संरचना से आया है। तीतर परिवार से संबंध रखने वाला यह पक्षी अपने आकर्षक रंगों के लिए प्रसिद्ध है। नर अस्कल का सिर हरित-लाल रंग का होता है, पीठ और पंख भूरे-लाल रंग के होते हैं, जिन पर सफेद धब्बे होते हैं, जबकि उदर हिस्सा पीला-सफेद होता है। मादा अस्कल तुलनात्मक रूप से कम रंगीन होती है और अधिकतर गहरे भूरे रंग की होती है। दोनों की पहचान उनके पैरों पर पाई जाने वाली विशिष्ट कटिदार संरचना से की जा सकती है। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े और नालन्दा, नुरसराय के निवासी राहुल, जो पक्षियों में विशेष रुचि रखते हैं, उन्होंने बताया कि, अस्कल भारत के लिए एक स्थानिक प्रजाति है। इसका वितरण मध्य भारत, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड से लेकर देश के दक्षिणी भाग तक फैला हुआ है, पर भारत के बाहर यह कहीं नहीं पाया जाता।राहुल बताते हैं कि अस्कल पक्षी पथरीले क्षेत्रों, शुष्क वनों और बांस व झाड़ियों से आच्छादित क्षेत्रों में रहना पसंद करता है। बिहार में इस पक्षी को राजगीर, गया, रजौली और गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य के वन क्षेत्रों में आसानी से देखा जा सकता है। राजगीर वन्यजीव अभयारण्य में इन पक्षियों की संख्या बहुत अधिक है।

पक्षी विज्ञानियों के अनुसार, अस्कल का प्रजनन काल मुख्य रूप से मार्च से जून तक होता है। इस दौरान नर पक्षी अपने रंगीन पंखों का प्रदर्शन कर मादाओं को आकर्षित करते हैं। यह पक्षी अधिकतर बीज, कीड़े और छोटे फल खाकर जीवित रहता है।

बिहार बीजेपी अध्यक्ष का कन्हैया कुमार पर हमला

किशनगंज। बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल ने किशनगंज में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद पर तीखा प्रहार किया। जायसवाल ने कन्हैया कुमार की 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग पहले 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' के नारे लगाते थे, आज वे युवाओं के रोजगार की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब कश्मीर में पत्थरबाज भी भाग गए हैं। किशनगंज सांसद जावेद आजाद पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद का काम ही आरोप लगाना है। विपक्ष अपनी दुकानदारी चलाने के लिए ऐसा करता है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि 2024 के बजट में प्रधानमंत्री ने बिहार के लिए खजाना खोल दिया है।अररिया में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, पटना-पूर्णिया फोरलेन और गोरखपुर-सिलीगुड़ी 6 लेन का निर्माण इसका प्रमाण है।

शव यात्रा में शामिल होने गए युवक की मौत

भागलपुर। में बहन के ससुर की शव यात्रा में शामिल होने गए युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना, बांका जिला के धौरया थाना क्षेत्र स्थित चांदनी चौक के समीप हुई। मृतक की पहचान, भागलपुर के जगदीशपुर हड़वा गांव निवासी मुन्ना शाह (26) के रूप में की गई है। घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक के बहन की ससुर के मृत्यु हो गई थी इसी के शव यात्रा में शामिल होने के लिए पीछे- पीछे अपने बनहोई के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक सवार युवक ने रौंद दिया जिससे कि हाथ टूट गया। वहीं, युवक के सिर में गंभीर चोट आई। इस हादसे में मृतक के बनहोई शिव कुमार को भी आंशिक रूप से चोट आई है। परिजनों ने उसे स्थानीय रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया जहां पर प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया, जहां देर रात करीब 11:30 बजे उसकी मौत हो गई।

सभी के हित में सोचते हैं मुख्यमंत्री-पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह

रोहतास। जिले के सूर्यपुरा गांव में ईद के मौके पर पहुंचे पूर्व मंत्री जयकुमार सिंह ने नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जैसा नेता पूरे देश में खोजने पर भी नहीं मिलेगा। जयकुमार सिंह ने कहा कि बिहार का विकास नीतीश कुमार की देन है। उन्होंने बिहार की समृद्ध विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि यह महात्मा बुद्ध, महावीर और सूफी संतों की धरती है। यह 40 देशों की राजधानी रही है। लेकिन कुछ नेताओं ने जाति और धर्म के नाम पर राज्य को नुकसान पहुंचाया है।वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर बोलते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार अल्पसंख्यक समाज के साथ मजबूती से खड़े हैं। उनकी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए कई योजनाएं चलाई हैं। कब्रिस्तानों की घेराबंदी का काम भी कराया है। उन्होंने बताया कि गठबंधन की राजनीति में भी नीतीश कुमार ने मुस्लिम समाज पर अत्याचार कभी बर्दाश्त नहीं किया। इसी कारण बिहार में दो बार गठबंधन टूटा।जयकुमार सिंह ने यह भी कहा कि नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में वक्फ बोर्ड के मामलों में कभी दखल नहीं दिया और न ही किसी को देने दिया। उन्होंने विपक्ष को चुनौती दी कि वे बताएं कि बिहार में नीतीश कुमार जैसा दूसरा नेता कौन है।

गया में भारतीय कायस्थ महासभा का आयोजन

गया। चैती चित्रगुप्त पूजा के बहाने अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का आयोजन हुआ, लेकिन असली चर्चा का केंद्र पूर्व डिप्टी मेयर मोहन श्रीवास्तव का राजनीतिक भविष्य बना। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व गृह मंत्री सुबोधकांत सहाय समेत कई दिग्गजों ने समाज की एकजुटता पर बल देते हुए मोहन श्रीवास्तव को विधानसभा में भेजने की खुली अपील की। इस मौके पर बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के पुरुषों और महिलाओं की भागीदारी देर रात तक बनी रही।कायस्थ राजनीति में हाशिए पर क्यों ?महासभा में मौजूद नेताओं ने कहा कि कायस्थों का इतिहास हर क्षेत्र में अतुलनीय रहा है। देश को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान रहा। जितनी हस्तियां कायस्थों की झोली में है उतनी कहीं भी नहीं है। लेकिन अब ऐसा नहीं है। खासकर राजनीति में। वर्तमान में केंद्र सरकार में एक भी कायस्थ मंत्री नहीं है, जबकि अतीत में ऐसा कभी नहीं हुआ। यह कायस्थ समाज की उपेक्षा का प्रमाण है और अब इसे बदलने का वक्त आ गया है। वक्ताओं ने समाज को राजनीति में आगे लाने की पुरजोर वकालत की। मंच से साफ संदेश दिया गया कि इस बार फूल नहीं, सिर्फ कुल की बात होगी।महासभा में भाग लेने पहुंचे नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि अब कायस्थ समाज को अपने राजनीतिक भविष्य के लिए खुद लड़ना होगा। मुजफ्फरपुर से कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकुल श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव और मनीष वर्मा इंदु सिन्हा समेत कई नेताओं ने मंच से एकजुटता का संदेश दिया। सभी ने कहा कि इस बार कायस्थ समाज को अपने वोटों की ताकत दिखानी होगी। मोहन श्रीवास्तव को विधानसभा भेजने की मांग तेज करते हुए नेताओं ने कहा कि अगर गया नगर विधानसभा में 8 बार से जीत रहे विधायक को हराकर मोहन को विजयी बनाया जाता है, तो वे मंत्री पद के भी दावेदार होंगे। इससे कायस्थ समाज को उसका राजनीतिक हक मिलेगा। अब खामोशी नहीं, हक की लड़ाई जरूरीकार्यक्रम में कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व गृह मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि कायस्थ समाज को अब खामोशी तोड़नी होगी। आजादी के बाद से लोकसभा, राज्यसभा व विधानसभाओं में कायस्थों की मजबूत मौजूदगी थी, लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह खत्म हो गई। उन्होंने सियासी दलों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि हमारी अपनी उदासीनता भी इसके लिए जिम्मेदार है। उन्होंने समाज को चेताया कि अगर आप जागरूक नहीं हुए, तो आने वाले समय में राजनीतिक दल आपको पूरी तरह हाशिये पर डाल देंगे। सत्ता, शासन और दलों को हमारी ताकत का एहसास कराना होगा।सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त के वंशज पूरी दुनिया में अपनी बुद्धिमता से शीर्ष पदों पर पहुंचे हैं। सरकार बेशक किसी की हो लेकिन उसे चलाने वाला कायस्थ ही है। लेकिन भारत में राजनीतिक दल कायस्थों को दरकिनार कर रहे हैं। उन्होंने दो टूक कहा अब समय आ गया है कि कायस्थ समाज अपनी शक्ति पहचाने और एकजुट होकर अपने समाज के नेताओं को जिताने के लिए आगे आए।कायस्थों का राजनीतिक शंखनादकार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि अबकी बार चुनाव में कायस्थ समाज की एकता की परीक्षा होगी।

संक्षिप्त डायरी

गोपालगंज में युवती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

गोपालगंज। में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मांझागढ़ थाना क्षेत्र के कोइनी गांव में 22 साल की रिया कुमार का शव आम के बगीचे में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतका रिया देर रात अपने घर से बाहर गई थी। जब वह घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कहीं पता नहीं चला।पुलिस को बाद में सूचना मिली कि एक युवती का शव आम के पेड़ पर लटका हुआ है। पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को फांसी के फंदे से नीचे उतार कर शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दी। घटनास्थल मृतका के घर से लगभग ढाई किलोमीटर दूर है।सदर एसडीपीओ-2 अभय रंजन ने बताया कि प्रथम दृष्टया से मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि परिजन ने इस मामले में अभी तक कोई आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

बेतिया में शॉर्ट-सर्किट से लगी आग,12 घर जलकर राख

बेतिया। में मझौलिया थाना क्षेत्र के सरिसवा वार्ड नंबर 9 में बिजली के सोमवार की देर रात शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस हादसे में 12 परिवारों के घर जलकर राख हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में सुरेश पासवान, जीतन पासवान, फूलसागर पासवान, दुखी पासवान, सिकंदर पासवान, झोटी पासवान, रामचंद्र पासवान, जंगबहादुर पासवान और संतोष पासवान समेत 12 परिवारों के घर प्रभावित हुए।हादसे में अनाज, कपड़े, बर्तन, नकदी, गहने और मवेशी समेत लाखों रुपए की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। पुलिस प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।मुआवजा दिलाने का दिया आश्वासन चनपटिया के विधायक उमाकांत सिंह ने पीड़ित परिवारों को जल्द मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने अंचल अधिकारी को इस संबंध में निर्देश दिए हैं। विधायक ने कहा कि वे निजी स्तर पर भी पीड़ितों की मदद करेंगे। साथ ही उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

प्रसव के बाद प्रसूता की बिगड़ी तबीयत, मौत

छपरा। के भगवान बाजार थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में चिकित्सकीय लापरवाही से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान मकेर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी देवेंद्र कुमार की पत्नी नेहा देवी के रूप में हुई है। मृतका के परिजनों ने बताया कि नेहा का पांच दिन पहले प्रसव हुआ था।खून की कमी के कारण उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने ब्लड चढ़ाने की सलाह दी। पहला यूनिट सफलतापूर्वक चढ़ाया गया। दूसरे यूनिट के दौरान अस्पताल कर्मियों ने लापरवाही बरती।घटना के बाद अस्पताल छोड़कर भागे कर्मी मृतका के पति देवेंद्र कुमार ने बताया कि स्टाफ ने बार-बार सुई लगाने की कोशिश की। असफल होने पर उन्हें पैसों का इंतजाम करने के लिए बाहर भेज दिया। एक घंटे बाद लौटने पर नेहा की हालत गंभीर थी और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। अस्पताल का समूचा स्टाफ मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना के बाद पहुंची भगवान बाजार थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और फरार अस्पताल कर्मियों की तलाश जारी है।

5 हजार रुपए के लिए युवक पर जानलेवा हमला

औरंगाबाद। के अंबा बाजार में मंगलवार शाम को एक लेनदेन विवाद में युवक पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया गया। घायल युवक आकाश कुमार उर्फ रंजन को पहले कुटुंबा रेफरल अस्पताल और फिर गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर किया गया। घटना की जानकारी देते हुए आकाश ने बताया कि उसने अपने भाई राहुल की शादी के लिए ज्वैलर्स के मालिक अक्षय सोनी से 2.5 लाख रुपए के गहने उधार लिए थे। उसने 2 लाख रुपए चुका दिए थे। शेष 50 हजार रुपए के लिए दुकानदार लगातार दबाव बना रहा था। इस विवाद में पहले भी दो बार मारपीट हो चुकी थी। फोन पर गालियां भी दीं अंबा थाने में पुलिस ने एक महीने में पैसे चुकाने का बांड बनवाया था। आकाश ने 45 हजार रुपए और चुका दिए। मात्र 4-5 हजार रुपए बाकी थे। मंगलवार शाम को दुकानदार का कर्मचारी चंदन सोनी पैसे मांगने आया। आकाश ने धंधा मंदा होने की बात कही। इस बात पर वह चंदन के फोन पर गालियां दीं।क्या बोली पुलिस आकाश जब दुकान पर बात करने गया, तो दुकानदार और उसके साथियों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। नुकीले हथियार से वार किए गए, जिससे कई जगह से खून निकलने लगा। थानाध्यक्ष राहुल राज ने कहा कि मारपीट की सूचना मिली है। आवेदन मिलते ही FIR र्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं, लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक है, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

आरसीबी का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

बेंगलुरू (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का मुकाबला यहां अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसका कारण है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं इसके अलावा इस सत्र में उसने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रजत पाटीदार की कप्तानी में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अच्छे फार्म में हैं। आरसीबी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस पर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरुआत की थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल के अब तक कुल 95 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 41 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं बाद में बैटिंग करने वाली टीम 50 मैच में जीत हासिल की है हालांकि 4 मैचों का परिणाम नहीं निकला। इस पिच पर सबसे बड़ा रन 287/3 सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया गया है, जबकि सबसे छोटा स्कोर 82 रन आरसीबी की टीम ने बनाई है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस टीम के बीच इस मैदान पर अब तक दो बार भिड़ंत हुई। इस मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक मैच में जीत हासिल हुई।

यहां के स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड काफी रन बनते हैं पर आरसीबी का मानना है कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड और भुवनेश्वर ने अब तक के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन पर टिकी रही। आरसीबी का प्रयास करेगा कि गुजरात के शुरुआत में ही विकेट गिरावट दबाव बनाया जाये। इस मामले में उसके पास स्विंग कराने में माहिर भुवनेश्वर और सटीक

हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस पिच पर बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

टीम की स्पिन गेंदबाजी हालांकि कमजोर नजर आ रही है। उसके पास क्रुणाल पंड्या और सुयांश शर्मा है जबकि गुजरात के पास स्टार स्पिनर राशिद खान और आर साइ किशोर हैं। ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। आरसीब की बल्लेबाजी विराट के आलावा फिल साल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड्डिकल पर रहेगी। गुजरात के पास कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना आरसीबी के लिये आसान नहीं रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

आरसीबी टीम = रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), विराट कोहली, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल.

गुजरात टाइटंस टीम = शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कगिसो रबाडा, प्रिसिध कृष्णा।

रोहित के हाथों से चीजें निकल रहीं: मांजरेकर

–लय हासिल करने अपनी ओर से कड़े प्रयास करने होंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक है। मांजरेकर ने कहा कि रोहित आईपीएल में भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। इससे साफ है कि अब हालात उनके नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसे में अब उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी ताकत लगाकर प्रयास करना होगा। हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा तभी वह लय हासिल कर सकते हैं। वह आईपीएल के शुरुआती दो मैच में सहज नहीं दिखे। मांजरेकर ने कहा, 'रोहित शर्मा एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे साफ है कि वह पहले वाले रोहित नहीं रहे। अब वह अपने करियर के उस जगह पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा। कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और फिटनेस के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना होगा तभी वह कुछ कर पायें। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब वह नहीं रहीं।

वहीं पिछले दो मैच में रोहित की टीम मुम्बई के प्रदर्शन का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, 'इस टीम से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी रयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा। साथ ही कहा कि एबी डिविलियर्स और हेनरिक क्लासेन को छोड़कर बहुत कम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय पिचों पर सफलता हासिल की है इसलिए हमें उन्हें समय देना होगा। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव, रोबिन मिंज और कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ मिलकर बल्लेबाजी क्रम बनाते हैं। हालांकि मुझे लगता है कि यह अब भी पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है और उनमें से बहुत से खिलाड़ी ऐसी पिचों पर निर्भर करते हैं जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को परेशानी आ सकती है।

बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध सूची में टॉप पर बने रहेंगे रोहित-कोहली, ईशान के लिए बुरी खबर : रिपोर्ट

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में एक बार फिर भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने ए+ ग्रेड अनुबंध को बरकरार रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। टी20 प्रारूप से संन्यास लेने के बाद भी रोहित और कोहली ए श्रेणी में बने रहेंगे। हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले श्रेयस अय्यर केंद्रीय अनुबंध सूची में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सूत्रों के मुताबिक इस बात की जानकारी सामने आई है।

सूत्र के हवाले से दी गई एक रिपोर्ट में कहा गया, 'विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को अभी भी केंद्रीय अनुबंध में अपनी वापसी के लिए इंतजार करना होगा। टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के नाबाद रनों में अहम भूमिका निभाने वाले ऑलराउंडर अक्षर पटेल को भी पुरस्कृत किया जा सकता है और उनके ग्रेड में सुधार हो सकता है।

पिछले 12 महीनों में भारत के लिए अलग-अलग प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन करने वाले वरुण चक्रवर्ती, नीतीश कुमार रेड्डी और अभिषेक शर्मा के पास भी अपना पहला केंद्रीय अनुबंध हासिल करने का शानदार मौका है। भारत की अगली टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज होगी जिसकी शुरुआत 20 जून को हेडिंग्ले, लीड्स में होगी। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो सीरीज हारने के बाद भारत लंबे प्रारूप में अपना फॉर्म फिर से हासिल करने के लिए बेताब होगा। आगामी बीसीसीआई बैठक भविष्य के लिए टीम के दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

आईपीएल: ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में छाये हैं विदेशी खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय क्रिकेटर अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं। सबसे अधिक विकेट और रन बनाने वालों में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अनिकेत वर्मा ने 117 रन जबकि गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 137 रन बनाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में विदेशी खिलाड़ी छाये हुए हैं।

सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर अधिकतर विदेशी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन 145 रन बनाकर सबसे आगे हैं। वहीं ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे नंबर पर टाइटंस की ओर से खेलने वाले भारत के सुदर्शन हैं। सुदर्शन के 137 रन हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेल रहे सनराइजर्स हैदराबाद के ट्रैविस हेड 137 और चौथे नंबर पर लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल मार्श 124 रन हैं। पांचवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले भारत के अनिकेत 117 रन हैं। ऑरेंज कैप की रेस में शीर्ष-5 में एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेला हो। भारतीय टीम के बल्लेबाजों की बात करें तो सूर्यकुमार यादव ने 104, संजू सैमसन ने 99, श्रेयस अय्यर 97, विराट कोहली ने अबतक 90 रन बनाए हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में भी शीर्ष दो खिलाड़ियों में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे अफगानिस्तान के नूर अहमद और दिल्ली कैपिटल्स से खेल रहे ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क हैं। अब तक नूर अहमद ने 9 और स्टार्क ने 8 विकेट लिए हैं। इसके बाद अगले तीन भारत के खलील अहमद 6, शार्दुल ठाकुर 6 और कुलदीप यादव हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के नाम 5 विकेट जबकि हैं और वह छठे और राजस्थान रॉयल्स के श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा 5 विकेट लेकर सातवें नंबर पर हैं।

ग्लास्गो में स्वर्ण जीतना है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (ईएमएस)। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें। प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को क्लीन चिट, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मिला अनुबंध

चेन्नई (एजेंसी)। मेलबर्न = श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 16 विकेट लेने के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत झेलने वाले मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को हरी झंडी मिलने के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025-26 के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरिज चुना गया था। उन्होंने पांच टेस्ट में 25 विकेट लिए हैं जिसमें दो बार पारी के पांच विकेट शामिल है।

उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें क्लीन चिट मिल गई है। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि कुहनेमन ने श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और आगे भी वह इसे बरकरार रख सकते हैं। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास को भी अनुबंध दिया गया है। कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में 60 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

ऑस्ट्रेलिया के अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची

पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मौरिस, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर, एडम जम्पा।

मिचेल के सामने नहीं टिक पाते हैं हेड

विशाखापट्टनम। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज ट्रेविस हेड आजकल सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में खेल रहे है। हैड को उनकी आक्रामक बल्लेबाज के लिए जाना जाता है क्योंकि वह बड़ी बेरहमी से विरोधी गेंदबाजों की पिटाई करते हैं पर देखने में आया है कि अपने ही हमवतन मिचेल स्टार्क के सामने उनकी एक नहीं चलती। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में भी वह मिचेल का ही शिकार बने थे। ये छठी बार है जब वह स्टार्क के शिकार बने हैं। अब तक इन दोनो के बीच आठ बार मुकाबला हुआ है। इस बार हेड ने अच्छी शुरुआत की थी पर स्टार्क की बाउंसर पर शॉट खेलने के प्रयास में वह कैच हो गये। जब भी ये दोनों आमने-सामने आते हैं, तो स्टार्क हावी रहे हैं। पिछले 8 मुकाबलों में, स्टार्क ने हेड को 6 बार आउट किया है। छह बार में से, स्टार्क ने हेड को चार बार बोल्ड किया है वहीं बाकी दो बार, हेड विकेटकीपर के हाथों कै हुए हैं। हेड ने स्टार्क के पहले ओवर में 11 रन बनाए थे। पर अगले ही ओवर में स्टार्क ने ने उन्हें पेवेलियन भेज दिया। ये भी देखा गया है कि हेड को बाउंसर से परेशानी होती है।

अर्शदीप को उम्मीद, अय्यर की कप्तानी में आईपीएल खिताब जीतने में सफल होगी पंजाब किंग्स

लखनऊ (एजेंसी)। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय रचनात्मक आत्म-आलोचना को देते हुए कहा कि वह हर मैच में अपने प्रदर्शन में एक से डेढ़ प्रतिशत का सुधार करने की कोशिश करते हैं। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ के तौर पर तेजी से उभर रहे इस 26 साल के गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ साई सुदर्शन और शेरफेन रदरफोर्ड के महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर टीम को पहले मैच में 11 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

पिछले कुछ वर्षों में अपनी गेंदबाजी की विकास के बारे में पूछे जाने पर अर्शदीप ने 'जियोहॉटस्टार' से कहा, 'मेरा प्रदर्शन अच्छा हो या खराब मेरे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं हर मैच में अपने खेल में एक से डेढ़ प्रतिशत तक का सुधार करूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया में सबसे बड़ी गुंजाइश सुधार की है।'

श्रेयस अय्यर इस सत्र में पंजाब किंग्स की कमान संभाल रहे है और अर्शदीप को उम्मीद है कि टीम इस सत्र में पहली बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल होगी। श्रेयस के साथ अपने रिश्ते और नए कप्तान के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर अर्शदीप ने कहा, 'मैंने दलीप ट्रॉफी में पहले भी अय्यर की कप्तानी में खेला है। मैंने इसका वास्तव में इसका लुत्फ उठाया है। उन्होंने हमेशा अपने खिलाड़ियों का समर्थन किया और उन्हें अपने मुताबिक खेलने की छूट दी है।'

उन्होंने कहा, 'उनका दृष्टिकोण ऐसा ही रहता है। वह खिलाड़ी को सख्त निर्देश देने की जगह अपने कौशल पर भरोसा करने और टीम के लिए खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।' अर्शदीप ने कहा, 'वह निस्वार्थ दृष्टिकोण के साथ खिलाड़ियों को पूरा समर्थन देते हैं। मैं वास्तव में इस मानसिकता की प्रशंसा करता हूं और खिलाड़ियों के तौर पर लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने में हम उनकी पूरी मदद करेंगे।'

अर्शदीप ने अब तक आईपीएल में 66 मैचों में 78 विकेट लिए हैं और भारत के लिए 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब हालात कठिन होते हैं तो वह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, 'जब टीम दबाव में होती है तब मैं रन लेकर या विकेट चटकाकर अपने खेल के स्तर को ऊंचा करने की कोशिश करता हूं। जब महत्वपूर्ण क्षणों में मुझे गेंद दी जाती है तो यह जानकर अच्छा लगता है कि वे मुझ पर भरोसा करते हैं। मैं अतिरिक्त जिम्मेदारी का लुत्फ उठाता हूं।'

लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं शुभमन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल आईपीएल में गुजरात किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। शुभमन ने भारतीय टीम में आने के बाद तेजी से सफलता की सीडियां चढ़ी हैं। शुभमन अपनी शानदार बल्लेबाज के साथ ही आलिशान जीवनशैली के लिए जाने जाते हैं। वह तेज रफ्तार वाली लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं। इसी कारण उनके पास एक से बढ़कर एक कारें हैं। इस बल्लेबाज ने हाल में ही एक और लग्जरी कार रेंज रोवर वेलार खरीदी है जिससे अब उनके कलेक्शन में एक और कार जुड़ गयी है। इस नई रेंज रोवर वेलार की कीमत तकरीबन 80 लाख रुपये है। इसमें एक मजबूत 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड फोर-सिलेंडर इंजन है, जो लगभग 247 हॉर्सपावर की प्रभावशाली शक्ति उत्पन्न करता है। यह एसयूवी आराम और प्रदर्शन का एक संतुलित मिश्रण प्रदान करती है, जो इसे शहर की ड्राइव और लंबी यात्राओं दोनों के लिए एक आदर्श वाहन बनाती है। शुभमन को कई बार उनकी मर्सिडीज-बेंज ई 350 में देखा गया है, जिसकी कीमत लगभग 90 लाख से 93 लाख रुपये के बीच है। इस अल्ट्रा-लग्जरी कार में 3.0-लीटर वी 6 इंजन है, जो अधिकतम 255 हॉर्सपावर की ताकत और 370 एनएम का पीक टॉर्क उत्पन्न करता है। यह लग्जरी कार अपने स्थिर ड्राइविंग अनुभव, प्रीमियम फीचर्स और विशाल केबिन के लिए जानी जाती है। इसे अलावा उनके पास महिंद्रा थार भी है जो उन्हें कंपनी के मालिक आनंद महिंद्रा ने शानदार प्रदर्शन के लिए उपहार में दी थी। 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 2.2-लीटर टर्बो डीजल इंजन वाली इस कार की कीमत 10.55 लाख रुपये से 16.78 लाख रुपये है।

विराट कोहली ने अगले विश्व कप के लिए उपलब्धता पर तोड़ी चुप्पी

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत के चैम्पियंस ट्रॉफी जीत के बाद से ही जो एक सवाल खड़ा हो रहा था वह यह कि क्या अब रोहित शर्मा और विराट कोहली एक साथ मैदान में दिखाई देंगे। इस पर अब भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह जल्द ही संन्यास लेने की योजना नहीं बना रहे हैं, और अब उन्होंने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को आश्वस्त किया है कि वह संन्यास लेने से पहले एक और ढ्ढष्टष्ट खिताब जीतना चाहते हैं।

मुंबई में एक कार्यक्रम में भाग लेने के दौरान जब मेजबान ने पूछा कि अगले बड़े कदम के बारे में कोई संकेत है? कोहली ने कहा, 'अगला बड़ा कदम। मुझे नहीं पता, लेकिन शायद अगला विश्व कप जीतने की कोशिश करूं।' 36 वर्षीय खिलाड़ी के इस जवाब का स्वागत भीड़ ने तालियों से किया। विराट कोहली 2023 वनडे विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, लेकिन ये प्रयास बेकार गए क्योंकि टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में हार गई। भारत ने आखिरी बार 2011 में एमएस धोनी की कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था। टीम 2015 और 2019 के सेमीफाइनल में हार गई, जबकि 2023 में फाइनल में भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट गया।

शास्त्री ने अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की, पूछा लंच में क्या खाया

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेर बने रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने आईपीएल के अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेने वाले अश्वनी की जमकर प्रशंसा की है। अश्वनी की शानदार गेंदबाजी के बल पर ही मुम्बई को 18 वें सत्र में पहली जीत मिली है। अश्वनी ने इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह, मनीष पांडे और आंद्रे रसेल जैसे प्रमुख बल्लेबाजों को पेवेलियन भेजा। वहीं जब शास्त्री ने अश्वनी से पूछा कि लंच में क्या खाया था तो अश्वनी ने बताया कि मैच के पहले हुए दबाव से उन्हें भूख नहीं लगी थी। ऐसे में उन्होंने केवल एक केला खाया था। मैच में उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को आसानी से हरा दिया। शास्त्री ने अश्विनी से मजाकिया अंदाज में कहा, अपने बैग में हमेशा केले रखा करो। अश्वनी ने कहा कि कप्तान हार्दिक पांड्या ने उनसे कहा था कि यह तुम्हारा पहला मैच है, इसलिए बिना तनाव लिए अपने अनुसार गेंदबाजी करो। अश्वनी ने आईपीएल खेलने से पहले केवल चार ही टी20 मैच खेले थे। इसके अलावा उन्होंने 2 रणजी ट्रॉफी और 4 लिस्ट ए मैच भी खेले हैं। यह पहली बार था जब अश्वनी ने एक मैच में 4 विकेट लिए हैं। इससे पहले लिस्ट ए क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 37 रन देकर तीन विकेट और टी20 क्रिकेट में एक विकेट पर 19 रन था।

अनुभवी फॉरवर्ड वंदना कटारिया ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी को कहा अलविदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कह दिया और कहा कि अपने 15 वर्ष के सुनहरे कैरियर के शिखर पर वह विदा ले रही हैं। भारत के लिए 320 मैच खेल चुकी 32 वर्ष की स्ट्राइकर कटारिया ने भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं।

उन्होंने कहा, 'आज भारी लेकिन कृतज्ञ मन से मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले रही हूं। यह फैसला सशक्त सशक्त करने वाला और दुखी करने वाला दोनों है। मैं इसलिए नहीं हट रही हूं क्योंकि मेरे अंदर की आग मंद पड़ गई है या मेरे भीतर हॉकी नहीं बची है बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने करियर के शिखर पर संन्यास लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह विदाई थकान की वजह से नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का एक विकल्प है, मेरा सिर ऊंचा रहेगा और मेरी स्टिक अभी भी आग उगल रही होगी। भीड़ की गर्जना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरे मन में गूंजता रहेगा।'

2009 में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली कटारिया तोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम का हिस्सा थी जिसमें उन्होंने हैट्रिक भी लगाई। ऐसा करनी वाली वह पहली और इकलौती भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। कटारिया ने कहा, 'अपनी साथी खिलाड़ियों, अपनी बहनों से मैं यही कहूंगी कि आपके लगाव और विश्वास ने मुझे बल दिया। मेरे कोचों और मेंटर्स ने अपनी सूझबूझ और मुझ पर भरोसे के सहारे मेरे कैरियर को तराशा।'

हरिद्वार की रहने वाली कटारिया ने फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग में भारत के लिए आखिरी मैच खेला। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मेरे दिवंगत पिता मेरी चट्टान, मेरे मार्गदर्शक थे। उनके बिना मेरा सपना कभी पूरा नहीं होता। उनके बलिदानों और प्यार से मेरे खेल की नींव पड़ी। उन्होंने मुझे सपने देखने, लड़ने और जीतने के लिए मंच दिया।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन मेरी कहानी यहां खत्म नहीं होती। यह नई शुरूआत है। मैं हॉकी उठाकर नहीं रखूंगी। मैं खेलती रहूंगी। हॉकी इंडिया लीग में और उसके अलावा भी। टर्फ पर अभी भी मेरे कदम पड़ेंगे और खेल के लिए मेरा जुनून कम नहीं होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले रही हूं लेकिन हर स्मृति, हर सबक और सारा प्यार साथ लेकर जा रही हूं।'

नगदी का मामला : तीन जजों की समिति, सीबीआई जांच की सिफारिश करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकदी बरामदगी विवाद में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई 3 सदस्यीय समिति सीबीआई जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट से सिफारिश करेगी। उम्मीद जताई है ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के चेयरमैन और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ आदीश सी अग्रवाला ने जस्टिस यशवंत वर्मा के आउटहाउस में कथित रूप से जलाए गए पैसों की हालिया घटना को लेकर आदीश ने सोमवार को एक बयान जारी किया और कुछ अहम बिंदुओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कमेटी इस मामले में लगाए गए पैसों के स्रोत का पता लगाने, तथा ये पैसे जस्टिस वर्मा के आउटहाउस में कैसे पहुंचे, के बारे में पक्की जांच करने में सक्षम नहीं है, और कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाल सकती है। इसके अलावा, कमेटी को धारा 180 बीएनएसएस और धारा 183 बीएनएसएस के तहत गवाहों के बयान दर्ज करने का भी अधिकार नहीं है, जिससे इस घटना की व्यापक जांच करने की उसकी क्षमता सीमित हो जाती है। डॉ अग्रवाला ने आगे कहा, यह कमेटी आपराधिक मंशा या पैसों के स्रोत को लेकर कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाल सकती। साथ ही, कमेटी के सदस्य भी किसी संभावित आपराधिक जांच में गवाह बनने से संकोच कर सकते हैं।

गैस सिलेंडर फटने से 4 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां घर में रखे दो सिलेंडरों में धमाके होने के बाद 4 बच्चे, 2 महिलाएं और एक पुरुष की मौत हो गई है। आशंका है कि ये सभी एक ही परिवार के हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पथार प्रतिमा प्रखंड के धोलाघाट गांव में रात करीब नौ बजे हुए विस्फोट में एक महिला झुलस भी गई। सुंदरबन पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक कोटेश्वर राव ने मीडिया से कहा, सभी शवों को घर से निकाल लिया गया है। झुलसी महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की चपेट में आने वाले सभी लोगों के एक ही परिवार से होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पुलिस को संदेह है कि घर में दो गैस सिलेंडर थे और अंदर रखे पटाखों में आग लगने के बाद आग फैल गई। राव ने कहा, स्थिति नियंत्रण में है और बचाव अभियान पूरा हो गया है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और जांच जारी है। वही, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह भी पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि क्या पटाखों का निर्माण घर के अंदर ही किया गया था।

दरवाजा खटखटाया खुलते ही जबरन घर में घुस गए आतंकी, खाना खाया और भाग गए

जम्मू (एजेंसी)। कठुआ के एक घर में आतंकी घुस गए। पानी पिया और रसाई में रखी सब्जी रोटी खाकर भाग गए। इस दौरान उन्होंने परिवार वालों को जमकर डराया और धमकाया।परिवार ने सुरक्षाबलों को बताया कि बीती शाम तीन संदिग्ध आतंकी उनके घर में घुसे। तीनों भूखे प्यासे थे। उन?होंने पहले घर के बाहर पहुंचकर पानी मांगा, फिर जबरदस्ती रसोईघर में घुस आए। परिवार की महिला सदस?य ने कहा कि वो मुझे पैसे दे रहे थे लेकिन मैंने नहीं लिए। इसके बाद वो रसोई में जाकर कड़ाई से खुद सब्जी और रोटी निकाल कर खाने लगे। हमने बहुत बार बोला कि हमारे घर के अंदर न जाओ पर वह माने नहीं। महिला के मुताबिक वह इंडियन करेंसी के 500-500 के नोट दे रहे थे। उनके पास भारी बैग थे और उन?होंने काले कपड़े पहने हुए थे। हम डर से घर को छोड़ कर भाग गए। करीब एक घंटे के बाद वह रसोई में जो भी खाने को मिला, उसे खाने के बाद वह चले गए। कठुआ में इंडियन आर्मी और आतंकियों के बीच सोमवार देर रात से यह मुठभेड़ जारी है। सुरक्षाबलों का दावा है कि बीते 8 दिनों में यह दहशतगर्दों के साथ उनका तीसरा एनकाउंटर है। इस परिवार के घर में जबरन खाना खाने के बाद सुरक्षाबलों ने उनकी तलाश में आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आतंकियों की तरफ से भी गोलीबारी की गई।जांच टीम ने बताया कि रामकोट बेल्ट के पंजतीर्थी इलाके में अभियान अभी भी जारी है। मुठभेड़ के मद्देनजर जंगल में फंसे तीनों आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए रात में घेराबंदी कर दी गई थी। इससे पहले दिन में पुलिस उप महानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने कहा था कि आखिरी आतंकवादी के मारे जाने तक अभियान जारी रहेगा।

इस नवरात्रि अपनी इच्छाओं को साकार करें : रवि शंकर

बोकारो : नवरात्रि के नौ दिन उत्सव मनाने और सृष्टि को संचालित करने वाली तीन मूलभूत शक्तियों से परे जाने का एक अद्भुत अवसर हैं। नवरात्रि के पहले तीन दिन तमोगुण से संबंधित होते हैं, जो जड़ता, भारीपन और अंधकार का प्रतीक है। अगले तीन दिन रजोगुण से जुड़े होते हैं, जो गतिविधि और चंचलता का प्रतीक है। अंतिम तीन दिन सतोगुण से संबंधित होते हैं, जो पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक है। हालांकि, ये तीनों गुण हमारे जीवन को नियंत्रित करते हैं, फिर भी हम उन्हें पहचानने और उन पर विचार करने के लिए समय नहीं निकालते हैं। ये तीनों गुण सृष्टि में शक्ति के ही विभिन्न रूप माने गए हैं। जब हम नवरात्रि के दौरान माँ शक्ति की पूजा करते हैं, तो हम इन तीनों गुणों को संतुलित कर वातावरण में सतोगुण को बढ़ाते हैं। हमारी चेतना तमोगुण और रजोगुण से आगे बढ़ते हुए अंतिम तीन दिनों में सतोगुण में खिल उठती है। अपने लक्ष्य को साकार करने का सबसे सरल उपाय है—स्पष्ट संकल्प लें, उसे ब्रह्मांड में समर्पित करें और फिर बिना किसी लगाव के उसकी दिशा में काम करते रहना। नवरात्रि का यह समय विशेष रूप से हमारे संकल्पों (संकल्प शक्ति) को साकार करने के लिए अत्यंत प्रभावशाली होता है। हमारा संकल्प अत्यंत शक्तिशाली होता है, यही हमारे प्रत्येक कार्य को संचालित करता है। हाथ हिलाने से पहले मन में संकल्प उत्पन्न होता है। यदि मन कमजोर हो तो संकल्प भी कमजोर होता है। परंतु जब हम ज्ञान और ध्यान में समय व्यतीत करते हैं, तो हमारे संकल्प दृढ़ होते हैं और शीघ्र ही साकार हो जाते हैं।

अखिलेश पर योगी का तंज, अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं आती, गौसेवा में दुर्गंध नजर आती

बरेली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के गौशाला की दुर्गंध बनाम इत्र की सुगंध वाले बयान पर जवाब दिया है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश पर निशाना साधकर कहा कि जिन्हें अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं आती है, उन्हें गौमाता की सेवा में दुर्गंध ही नजर आएगी।

सीएम योगी ने बरेली कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर कहा, मां गंगा की पूजा करने का जो पुण्य प्राप्त हुआ, वहीं गौ माता की पूजा करने से प्राप्त होगा। सपा के लोग जो गौकशी करवाते थे, गौतस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौ माता की सेवा करना क्या जानें, उन्हें गौ माता के गोबर में दुर्गंध ही नजर आएगी। उन्हें अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं दिखाई देती है, उन्हें गौ माता की सेवा में दुर्गंध नजर आती थी। इसीलिए सपा अध्यक्ष के मुंह से आखिर निकल ही गया।

बीते दिनों अखिलेश यादव ने कहा था, कन्नौज में हमने भाईचारे की खुशबू फैलाई है। दूसरी ओर भाजपा नफरत की बदबू फैलाती है। मैं कन्नौज के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे भाजपा द्वारा फैलाई गई दुर्गंध को दूर करें, कुछ हद तक यह पहले ही साफ हो चुकी है, लेकिन अगले चुनाव में पूरी तरह से हटा दें ताकि कन्नौज का रुका हुआ विकास आगे बढ़ सके। भाजपा के लोग दुर्गंध पसंद करते हैं, इसीलिए गौशाला बना रहे हैं। हम सुगंध पसंद कर रहे थे, इसलिए इत्र पार्क बना रहे थे। सीएम योगी ने मंगलवार को बरेली में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने स्कूली बच्चों को किताबें और किट भी बांटी। इसके साथ ही सीएम योगी ने 932 करोड़ रुपए की 132 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीएम योगी कहा, 2017 में जब बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति को मैंने देखा था, तब बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति बेहद खराब थी। तमाम स्कूल बंदी की कगार पर जा रहे थे। स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की बात दूर की कौड़ी थी। आज मुझे बताकर प्रसन्नता हो रही है, यूपी में 2017 में 1 करोड़ 34 लाख बच्चों ने केवल नामांकन करवाया था, जिसमें से 60 प्रतिशत बच्चे वे थे, जो कभी स्कूल नहीं जाते थे।

विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने साल 2024 में बंपर पैसा भेजा, रेमिटेंस के मामले में शीर्ष पर भारत

नई दिल्ली। विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने 2024 में रिकॉर्ड 129.4 अरब डॉलर की राशि भेजी है। वहीं, देश को अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अब तक का सबसे अधिक करीब 36 अरब डॉलर का रेमिटेंस प्राप्त हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी दी गई। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत रेमिटेंस प्राप्त करने में शीर्ष पर था। इसके बाद दूसरे स्थान पर 68 अरब डॉलर के साथ मैक्सिको था। चीन 48 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर, फिलीपींस 40 अरब डॉलर के साथ चौथे और पाकिस्तान 33 अरब डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर रहा था। वर्ल्ड बैंक के डेटा के मुताबिक, रेमिटेंस के बढ़ने की रफ्तार 2024 में 5.8 प्रतिशत रही है, जो कि 2023 में 1.2 प्रतिशत थी। बीते कुछ दशकों में विदेशों में काम करने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढ़कर 2024 में 1.85 करोड़ हो गई है, जो कि 90 के दशक में 66 लाख थी। इसके साथ ही ग्लोबल माइग्रेंट्स में भारत का शेयर बढ़कर 6 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो कि पहले 4.3 प्रतिशत था। दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे भारतीयों में से करीब 50 प्रतिशत गल्फ देशों में हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, कम और मध्यम आय वाले देशों में रेमिटेंस जैसे कि एफडीआई, अन्य प्रकार के बाहरी वित्तीय प्रवाहों से अधिक हो गया है और जनसांख्यिकीय रुझानों, आय अंतराल और जलवायु परिवर्तन से माइग्रेशन के कारण इसमें वृद्धि जारी रहेगी।

चारधाम यात्रा को लेकर धामी सरकार एक्शन में, तीर्थ यात्रियों से तय किराया ही लें... वरना परमिट होगा रद्द

देहरादून (एजेंसी)। दिल्ली-यूपी, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों से बद्रीनाथ-केदारनाथ उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ी खबर आई है। गंगोत्री-यमुनोत्री सहित चारों धामों में टैक्सी संचालकों की ओर से तीर्थ यात्रियों से मनमाना किराया लेने पर उत्तराखंड की धामी सरकार की ओर से सख्त एक्शन लेने की बात कही है। बता दें कि एक धाम से लेकर चारों धामों के दर्शन के लिए टैक्सी का किराया तय है। विभागीय अधिकारियों का कहना है श्रद्धालुओं से मनमाना किराया लेने पर टैक्सी संचालकों का परमिट भी रद्द होगा।

उत्तराखंड सरकार की ओर से सड़कों को ठीक करने से लेकर बिजली-पानी, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाओं को पहले से बेहतर बनाया जा रहा है ताकि धामों के दर्शन को जा रहे तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। बता दें कि चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी आरटीओ देहरादून सुनील शर्मा ने टैक्सी संचालकों को सख्त चेतावनी देकर कहा है कि तीर्थ यात्रियों से तय किराया ही लें, वर्ना उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। उन्होंने चेताया कि श्रद्धालुओं से ज्यादा किराया लेने पर टैक्सी का परमिट भी रद्द किया सकता है।

टैक्सी संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे परमिट शर्तों का पालन किया जाए। चेताया कि ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग करने पर सख्त एक्शन लेकर चालानी कार्रवाई की जाएगी। रजिस्ट्रेशन, ग्रीन कार्ड और ड्राइवरों के ड्रेस कोड के बारे में भी अपडेट किया गया। इसके साथ ही, गाड़ियों में डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित के लिए भी कहा गया है।

वक्फ बिल: हजारों पन्नों की रिपोर्ट एक दिन में पढ़ने को दी गई

–सपा सांसद रामगोपाल यादव भड़के, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बिल इसी सप्ताह सदन में पेश किया जा सकता है। एक तरफ सरकार ने एनडीए के अपने सहयोगियों को साथ लाने की कोशिशें कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष भी एकजुट हो रहा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आरजेडी जैसे दलों ने पूरी ताकत के साथ बिल का विरोध का ऐलान किया है। इस बीच सपा के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यह सरकार देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की योजना पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जेपीसी में जल्दबाजी में वक्फ बिल की रिपोर्ट पास कराई। विपक्ष को हजारों पन्नों की रिपोर्ट एक दिन में पढ़ने को दी गई है। वहां से जबरदस्ती बिल को पास करा लिया और यहां भी करा लेंगे। रामगोपाल ने कहा कि बीजेपी जब से सत्ता में आई है, तब से उसकी यही कोशिश है कि देश में माहौल खराब किया जाए। उन्होंने मुसलमानों की संपत्ति वक्फ बोर्ड बिल के

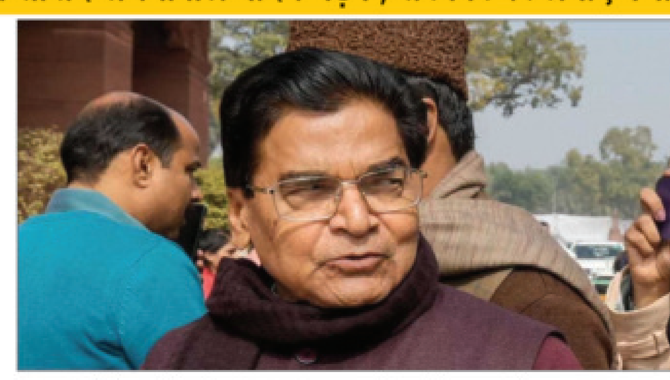

जरिए छीनने के आरोपों को सही करार दिया। उन्होंने कहा कि यह डर गलत थोड़ी है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति छीन सकती है। उनकी तो जान पर भी खतरा है। पुलिस अभिरक्षा में मारा जा रहा है और उनकी संपत्तियों को हड़पा जा रहा है। इसलिए यदि वक्फ बिल को लेकर उनके मन में कोई डर है तो यह सही है।

वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमने जेपीसी में अपनी ओर से सारे ऐतराज जता दिए थे, लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। अब हम संसद में भी पुरजोर विरोध करेंगे। शिवसेना उद्धव गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तो दावा किया है कि सरकार इस बिल को पारित नहीं करा पाएगी। उन्होंने कहा कि टीडीपी, जेडीयू और चिराग पासवान की पार्टियां इस बिल का समर्थन नहीं करेंगी। प्रियंका ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका की ओर से टैरिफ लागू हो सकता है। इससे कारोबार पर असर होगा। फार्मा सेक्टर समेत कई उद्योगों ने सरकार से अपील की है कि वह अमेरिका से बात करे। इतने अहम मुद्दे से शायद ध्यान भटकाने के लिए सरकार वक्फ बिल लाना चाहती है। उनका उद्देश्य यही है कि इस बिल के नाम पर जनता का ध्यान भटका दिया जाए। फिर भी बिल की ही बात है तो जेडीयू, टीडीपी और चिराग पासवान इस बिल के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि हर रविवार को किरेन रिजिजू कहते हैं कि इस वीक हम बिल लेकर आएंगे। कई महीनों से ऐसा हो रहा है, लेकिन अब तक बिल तो संसद में नहीं आया है।

अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के घर पर हुए हमले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई है। सैफ पर हमले के आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद ने बांद्रा की एक अदालत में जमानत याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई मंगलवार को होनी थी। हालांकि, पुलिस द्वारा जमानत आवेदन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने के कारण अदालत ने जमानत आवेदन पर सुनवाई की अगली तारीख 4 अप्रैल तय की है। इसलिए इस जमानत अर्जी पर अब शुक्रवार 4 अप्रैल को सुनवाई होने की संभावना है। इस बीच अदालत ने पुलिस को अगली सुनवाई तक जमानत अर्जी पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि 16 जनवरी 2025 को सैफ अली खान पर उनके घर में घुसकर हमला किया गया था। घटना में घायल हुए सैफ अली खान को इलाज के लिए बांद्रा पश्चिम स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, आरोपी शरीफुल इस्लाम ने याचिका में दावा किया है कि उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने दावा किया है कि उसकी गिरफ्तारी अवैध थी और गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच करते समय अधिकारियों ने कानून का उल्लंघन किया। याचिका में कहा गया है कि आरोपी ने हिरासत में रहते हुए जांच में अधिकारियों के साथ उचित सहयोग किया है और अब उसे और अधिक समय तक हिरासत में रखने की आवश्यकता नहीं है। याचिका में दावा किया गया है कि इस मामले में आवश्यक बरामदगी और जांच पूरी हो चुकी है, अब केवल आरोपपत्र दाखिल करना बाकी है, इसलिए आरोपियों को हिरासत में रखने की कोई जरूरत नहीं है। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 311 लगाई गई है, लेकिन याचिका में दावा किया गया है कि इस धारा को लगाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

बंगाल की खाड़ी का गार्डियन बांग्लादेश है वाले बयान पर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

पवन खेड़ा बोले- केंद्र सरकार मणिपुर समेत पूरे क्षेत्र की नहीं कर रही है देखभाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि बंगाल की खाड़ी का गार्डियन उनका देश है, ना कि भारत। इस वीडियो को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया है और बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस ने कहा कि भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश की तरफ से चीन को न्योता देना पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बहुत खतरनाक है। इसने आरोप लगाया गया है कि सरकार मणिपुर समेत पूरे क्षेत्र की देखभाल नहीं कर रही है।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर लिखा-भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश चीन को आमंत्रित कर रहा है। बांग्लादेश सरकार का यह रवैया हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरनाक है। सरकार मणिपुर की सुध नहीं ले रही है और चीन पहले ही अरुणाचल में गांव बसा चुका है। खेड़ा ने आगे कहा कि हमारी विदेश नीति इतनी दयनीय स्थिति में है कि जिस देश के निर्माण में भारत की प्रमुख भूमिका थी, वह भी आज

हमारे खिलाफ लामबंदी करने में लगा है। उन्होंने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनका देश महासागर (बंगाल की खाड़ी) का संरक्षक है। यूनुस चीन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत के पूर्वी हिस्से में चारों ओर से जमीन से घिरे सात राज्य हैं, जिन्हें सात बहनें कहा जाता है। उन्होंने कहा कि उसके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। हम बंगाल की खाड़ी के संरक्षक हैं। यूनुस ने चीन को दुनिया भर में इसके जरिए से माल भेजने के लिए आमंत्रित किया है। वह पिछले सप्ताह चीन की चार दिवसीय यात्रा पर थे, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की थी और कई मुद्दों पर बातचीत की थी।

डालमिया भारत ने वित्त वर्ष 25 तक 49.5 एमटीपीए उत्पादन क्षमता का लक्ष्य किया हासिल

एजेंसी : भारत की प्रमुख सीमेंट उत्पादक और प्रमुख सीमेंट कंपनी, डालमिया भारत लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपना 49.5 एमटीपीए उत्पादन लक्ष्य हासिल कर लिया है। 30 मार्च, 2025 से बिहार स्थित रोहतास सीमेंट वर्क्स में 0.5 एमटीपीए की नई क्षमता के साथ व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो गया है। इस विस्तार के लिए 96 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जिससे इस संयंत्र की कुल क्षमता बढ़कर 1.6 एमटीपीए हो गई है। लाइन-2 की शुरूआत के साथ ही डीबीएल ने पूर्वी भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। कंपनी की दीर्घकालिक योजना वर्ष 2031 तक इसकी उत्पादन क्षमता को 110-130 एमटीपीए तक ले जाने की है। इस अवसर पर डालमिया भारत लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, पुनीत डालमिया ने कहा, पूर्वी भारत में हमारी बढ़त इस क्षेत्र के विकास में हमारे भरोसे को दशार्ती है। इस विस्तार से हम बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समर्थन देने और आर्थिक तरक्की में योगदान देने की अपनी क्षमता बढ़ा रहे हैं। यह उपलब्धि हमारे लंबे समय के विकास लक्ष्य को मजबूत करती है। मुझे खुशी है कि हमने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए 49.5 मिलियन टन का लक्ष्य पूरा कर लिया है, जो हमारे विस्तार के सफर का एक और अहम पड़ाव है। डालमिया भारत का पूर्वी भारत में मजबूत नेटवर्क है, जिसमें बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा की विनिर्माण इकाइयाँ शामिल हैं। इस विस्तार से कंपनी की सड़कों, रेलवे और हवाई अड्डों जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की क्षमता और बढ़ेगी। यह पहल न सिर्फ नए रोजगार के मौके लाएगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी मजबूती देगी। डालमिया भारत नवाचार, सतत विकास और उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट समाधानों के जरिए देश की इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नगदी कांड: जस्टिस वर्मा ने सभी आरोप नकारे कहा-कैश का सोर्स बताने का प्रश्न ही नहीं उठता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश कांड का रहस्य बरकरार है। आरोपों से घिरे जस्टिस वर्मा ने सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया है। हालांकि इस मामले की चल रही जांच के तहत सुप्रीम कोर्ट ने जज से सीधे तौर पर तीन सवालों के जवाब तलब किए। पहला सवाल था कि जस्टिस वर्मा के घर में स्थित कमरे में मौजूद धन/कैश की उपस्थिति का हिसाब वह कैसे देते हैं? दूसरा सवाल था कि उक्त कमरे में पाए गए कैश का सोर्स बताएं? तीसरा अहम सवाल था कि वह व्यक्ति कौन है, जिसने 15 मार्च 2025 की सुबह कमरे से जले हुए नोट निकाले थे?

जस्टिस वर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट के इन इन तीनों सवालों के सीधे जवाब दिए। पहले सवाल के जवाब में जस्टिस वर्मा ने लिखित रूप से कहा कि मुझे कभी भी घर के स्टोर रूम में पड़े किसी पैसे या नगदी के बारे में पता नहीं था। न तो मुझे और न ही मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को कैश यानी नकदी के बारे में कोई जानकारी थी। न ही इसका मुझसे या मेरे परिवार से कोई संबंध है। मेरे परिवार के सदस्यों या कर्मचारियों को जिस रात को आग लगी उस रात को ऐसी कोई मुद्रा या नकदी दिखाई नहीं गई। दूसरे सवाल का जवाब देते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि पहले प्रश्न के जवाब से साफ तौर पर जाहिर है कि दूसरे प्रश्न का जवाब यानी कैश का सोर्स को स्पष्ट करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

तीसरे प्रश्न का जवाब देते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि मैं इस आरोप को पूरी तरह से नकारता हूं कि हमने स्टोर रूम से नोट निकाले हैं। जैसा कि मैंने ऊपर वाले सवाल में बताया है कि हमें जले हुए नोटों की बोरियां न तो दिखाई गईं और न ही सौंपी गईं। कमरे के अंदर आग से लगे जिस सीमित मलबे को बचाने की कोशिश की गई वह अभी भी आवास के एक हिस्से में मौजूद है। सवाल के जवाब में आगे लिखते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि जैसा कि मैंने बताया कि मैं और मेरी पत्नी 15 मार्च 2025 की शाम को ही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 2303 से भोपाल से लौटे थे। इसलिए इसके कथित रूप से हटाए जाने का सवाल हमें ज्ञात नहीं है। किसी भी घटना में मेरे किसी भी कर्मचारी ने किसी भी रूप में कोई वस्तु मुद्रा या नकदी नहीं निकाली। फिलहाल अभी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई गई तीन सदस्यीय समिति जांच कर रही है। जस्टिस वर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट ने जो सवाल पूछे थे, उस जवाब को भी जांच समिति को सौंप दिया गया है। बता दें कि इस कैश कांड के बाद जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा से यह भी कहा कि आप अपने

मोबाइल फोन को नष्ट न करें। अपने मोबाइल फोन से किसी भी बातचीत संदेश या डेटा को न हटाए और न ही संशोधित करें।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**